नई दिल्ली । रविवार, 07 जून, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष षष्ठी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :152/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली संस्करण

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल हौसलों की उड़ान सुमित अंतिल महान...
@ साहित्य केसरी दीवारें हार गई ...
@ व्यापार वैश्विक तनावों के बीच लगातार दूसरे सप्ताह गिरा बाजार...

आर्थिक मजबूती पर मोदी का फोकस, EAC संग मंथन

वैश्विक चुनौतियों के बीच विकास की नई रणनीति पर चर्चा

बैठक में मुख्य बिंदु

- वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं से निपटने की रणनीति
- निवेश को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन पर जोर
- निर्यात बढ़ाने और व्यापार सुगमता पर चर्चा
- तकनीक, नवाचार औश्र कौशल विकास को प्राथमिकता

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) की बैठक की अध्यक्षता की। अधिकारियों के अनुसार, बैठक में देश की आर्थिक विकास गति को बनाए रखने, अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा पश्चिम एशिया संकट के बीच उभरती वैश्विक चुनौतियों से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई।

बैठक में ऐसे समय में आर्थिक विकास को और तेज करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया, जब दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और कमजोर मांग जैसी चुनौतियों का सामना कर रही हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी और आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्यों ने कठिन वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत की विकास दर को बनाए रखने और व्यापक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी नीतिगत कदमों पर अपने विचार साझा किए। बैठक में लोगों के जीवन को आसान बनाने और कारोबार करने में सहूलियत बढ़ाने से जुड़े सुधारों पर भी चर्चा हुई। विचार-विमर्श का केंद्र शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना, अनुपालन संबंधी बोझ को कम करना और निवेश तथा उद्यमिता के लिए बेहतर माहौल तैयार करना रहा।

शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक के मुद्दे पर उग्र हुआ विरोध

दिल्ली में 'कॉकरोज जनता पार्टी' का 5 घंटे प्रदर्शन

अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा; अगले शनिवार फिर जंतर-मंतर पर जुटने का ऐलान

जंतर-मंतर, नई दिल्ली

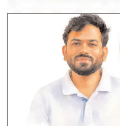

अभिजीत दीपके के 4 बयान

- जब मेरी फ्लाइट दिल्ली में लैंड होने वाली थी। तो ऐसा लगा जैसे आजादी के आखिरी पल जी रहा हूं।
- जेल जाने के डर से कई लोगों ने समझौता कर लिया है और बिक गए हैं। लेकिन इस देश का छात्र, युवा नहीं बिका है।
- मेरे भारत लौटने पर मां रो रही थी। उन्हें डर था अरेस्ट हो जाऊंगा। ये डर हर उस मां को है जिनका बेटा सिस्टम पर सवाल उठाता है।
- सरकार ने सालों तक हमें हिंदू मुसलमान की राजनीति में फंसा कर रखा। हिंदू मुसलमान करने से देश में किसी को नौकरियां नहीं मिलतीं।

एजेंसी ■ नई दिल्ली

NEET पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी, यानी CJP ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया।

पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि मंत्री शनिवार शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे।

CJI को जंतर-मंतर पर आज शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति मिली थी, लेकिन दोपहर 3:30 बजे अभिजीत की तबीयत खराब हो जाने के बाद यह समाप्त हो गया। इसके बाद में सोनम वांगचुक के साथ धरनास्थल से रवाना हो गए। अभिजीत सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे थे। यहां अभिजीत अंबेडकर की ऑटो बायोग्राफी और संविधान की कॉपी लेकर पहुंचे थे।

लेबनान संकट पर मेजर अभिलाषा की कूटनीति की अपील

'2025 मिलिट्री जेंडर एडवोकेट आफ द ईयर' अवार्ड मिला था

एजेंसी ■ नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र का शांति-रक्षा पुरस्कार पाने वाली भारतीय सेना की मेजर अभिलाषा बराक ने लेबनान में चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए कूटनीति का इस्तेमाल करने की अपील की।

बराक ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा, 'आगे मुझे लगता है कि बातचीत होनी चाहिए, कूटनीति का इस्तेमाल होना चाहिए और उम्मीद है कि संघर्ष-विराम जारी रहेगा। लेबनान के हालात के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'ऐसा होने के बाद हम समुदाय को फिर से बसाने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं, न सिर्फ सड़कों और टूटे-फूटे घरों को ठीक करके, बल्कि उस सदमे से उबारकर भी जिससे वे गुजर रहे हैं। हमें एक समुदाय, सरकार और शांति-रक्षक के तौर पर इस पर काम करना होगा और लेबनान को फिर से बनाना होगा। इससे पहले बराक को सेक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस से '2025 मिलिट्री जेंडर एडवोकेट आफ द ईयर' अवार्ड मिला था। उन्हें रोल माडल बताते हुए गुटेरेस ने कहा, 'एक फ्रंटलाइन कमांडर के तौर पर उन्होंने वोकेशनल ट्रेनिंग और शिक्षा व स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रमों के जरिए हजारों महिलाओं और लड़कियों को जोड़ा है। वे बेहद मुश्किल हालात में भी महिलाओं और लड़कियों की जिंदगी बदल रही हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र ने उन 4,500 शांतिरक्षकों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने पिछले 78 वर्षों में अपनी ड्यूटी के दौरान जान गंवाई। शांतिरक्षक स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद गुटेरेस ने कहा, 'दुनिया भर में, संयुक्त राष्ट्र के 'ब्लू हेलमेट' मुश्किल समय में समुदायों के लिए उम्मीद की किरण हैं।

मानसून महाराष्ट्र-आंध्र तक पहुंचा, 2 दिन में 7 राज्यों में एंट्री: MP-छत्तीसगढ़ में देर से पहुंचेगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में तीन दिन की देरी से पहुंचने के बाद मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। शनिवार को यह आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम और मणिपुर पहुंच गया। इससे पहले शुक्रवार को कर्नाटक, तमिलनाडु और गोवा में एंट्री की थी। देश में मानसून 4 जून को केरलम पहुंचा था।

IMD के मुताबिक अगले तीन दिनों में मानसून पूर्वोत्तर के सभी राज्यों और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। अगले 10 दिनों में इसके बिहार, झारखंड और ओडिशा पहुंचने की संभावना है। स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बंगाल में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी रह सकती है, क्योंकि इसे आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में कोई मजबूत मौसम सिस्टम एक्टिव नहीं है।

राजस्थान में आंधी-बारिश का दौर जारी है। बीकानेर में शनिवार को ओले गिरे।

श्रीडूंगरगढ़ में वेयरहाउस के टीनशेड और कोटपूतली-बहरोड़ में टेंट उड़ गया। बिहार में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हुई।

केरलम के मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड में बारिश का रेड अलर्ट जारी है। त्रिशूर में पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

वायनाड और कासरगोड में स्कूल बंद हैं, जबकि ट्रेकिंग और पहाड़ी रास्तों पर रात की यात्रा पर रोक लगाई गई है।

अंडर-18 हॉकी एशिया कप: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुरुष और महिला टीम को जीत की बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान में खेली गई अंडर-18 हॉकी एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय पुरुष और महिला टीमों को बधाई दी है और खिलाड़ियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

भारतीय अंडर-18 हॉकी पुरुष टीम ने शनिवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान को हराकर 'अंडर-18 एशिया कप 2026' का खिताब जीता। भारतीय टीम ने जापान को 4-1 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हॉकी टीम को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, 'हमारे युवा हॉकी खिलाड़ियों की शानदार कामयाबी। भारतीय पुरुष अंडर-18 हॉकी टीम को पुरुष अंडर-18 एशिया कप 2026 जीतने पर बधाई। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त स्किल और टीमवर्क दिखाया।

खान सर के अस्पताल को फायर विभाग का नोटिस

एजेंसी ■ पटना

खान सर के खान हेल्थ केयर अस्पताल में अग्नि सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी सामने आने के बाद अग्निशमन विभाग ने अस्पताल प्रबंधन को नोटिस जारी किया है।

विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि 15 दिनों के भीतर सुरक्षा संबंधी कमियां दूर नहीं की गईं तो अस्पताल को सील करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

सुरक्षा ऑडिट में सामने आई कई खामियां

अग्निशमन विभाग की ओर से किए गए औचक निरीक्षण और सुरक्षा ऑडिट में अस्पताल परिसर में कई गंभीर कमियां पाई गईं।

जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि अस्पताल में आग या अन्य आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रबंध पर्याप्त नहीं हैं।

एक ही सीढ़ी मिलने पर विभाग सख्त

अग्निशमन अनुमंडल पदाधिकारी इंद्रजीत कुमार के नेतृत्व में हुई जांच में सबसे बड़ी खामी भवन संरचना में मिली।

नियमों के अनुसार पांच मंजिला व्यावसायिक एवं सार्वजनिक भवनों में कम से कम दो सीढ़ियां होना अनिवार्य है, लेकिन अस्पताल में ऊपर से नीचे आने-जाने के लिए केवल एक ही सीढ़ी की व्यवस्था पाई गई।

स्प्रिंकलर और फायर प्लान की भी कमी

निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि आग बुझाने के लिए लगाए जाने वाले स्वचालित स्प्रिंकलर पर्याप्त संख्या में नहीं हैं।

इसके अलावा अस्पताल के किसी भी हिस्से में फायर फ्लोर प्लान प्रदर्शित नहीं किया गया था, जो आपातकालीन स्थिति में लोगों के सुरक्षित निकास के लिए बेहद जरूरी माना जाता है।

अस्पताल प्रबंधन को जारी हुआ नोटिस

अग्निशमन विभाग ने सभी कमियों को दर्ज करते हुए अस्पताल प्रशासन को आधिकारिक नोटिस जारी कर दिया है।

मिस्र ने कुवैत और बहरीन पर कथित ईरानी हमलों की कड़ी निंदा की

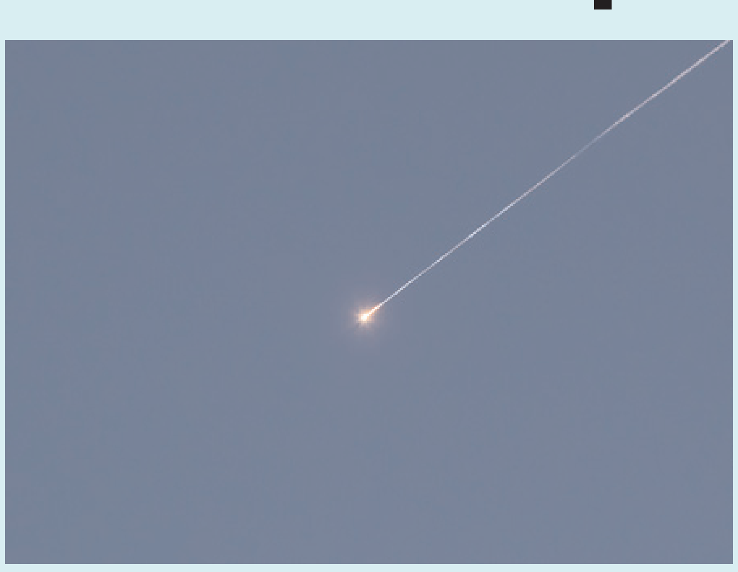

एजेंसी ■ काहिरा

मिस्र ने कुवैत और बहरीन को निशाना बनाए गए कथित ईरानी हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। शनिवार को मिस्र ने इन हमलों को दोनों देशों की संप्रभुता का स्पष्ट उल्लंघन और पूरे क्षेत्र की सुरक्षा व स्थिरता के लिए 'खतरनाक उकसावे' की कार्रवाई बताया।

मिस्र के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा कि वह कुवैत और बहरीन के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है और इस हमले का सामना करने के लिए उनके द्वारा उठाए गए सभी कदमों का समर्थन करता है। मंत्रालय ने कहा कि दोनों देश अपनी सुरक्षा, स्थिरता और महत्वपूर्ण ढांचागत परिसंपत्तियों की रक्षा के लिए जो भी कदम उठाएंगे, मिस्र उनका समर्थन करेगा।

बयान में आगे कहा गया कि अरब खाड़ी देशों की सुरक्षा और स्थिरता, अरब राष्ट्रीय सुरक्षा की एक बुनियादी आधारशिला है। मिस्र ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी भी ऐसे कार्य या नीति को पूरी तरह खारिज करता है जो किसी देश की संप्रभुता का उल्लंघन करे या उसकी क्षेत्रीय अखंडता और सुरक्षा को खतरे में डाले।

मिस्र ने चेतावनी दी कि इस तरह की घटनाएं पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं और इससे तनाव और अधिक बढ़ सकता है।

दरअसल, आईआरजीसी ने शनिवार सुबह दावा किया कि उसने यूएस सेंट्रल कमांड के खिलाफ जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर हमला किया। इसके बाद सेंटकाम ने कहा कि उसने ईरान की ओर से बहरीन और कुवैत की ओर भेजी गई बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन को इंटरसेप्ट कर तबाह कर दिया।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसे लेकर एक बयान जारी किया। उनके अनुसार, 5 जून को ईरान ने पहले स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की दिशा में चार एकतरफा हमला करने वाले ड्रोन भेजे थे। अमेरिकी बलों ने इन सभी ड्रोन को मार गिराया। ये ड्रोन क्षेत्र में समुद्री यातायात के लिए तत्काल खतरा पैदा कर रहे थे। ड्रोन हमलों के कुछ घंटों बाद ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर सात बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। शुरुआती आकलन के मुताबिक इनमें से छह मिसाइलों को बीच रास्ते में ही रोककर नष्ट कर दिया गया, जबकि सातवीं मिसाइल अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचने में विफल रही। साथ ही, ईरान की ओर से किए गए उस दावे को भी खारिज कर दिया गया है, जिसमें कहा गया था कि बहरीन स्थित अमेरिकी नौसेना के 5वें बेड़े के मुख्यालय को नुकसान पहुंचा है।

वैभव की ऐतिहासिक एंट्री, श्रेयस को मिली कप्तानी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड, इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। सूर्यकुमार यादव की जगह पर श्रेयस अय्यर को भारतीय टीम का नया टी20 कप्तान नियुक्त किया गया है। आइए आपको बताते हैं इस सीरीज के लिए चुनी गई भारतीय टी20 टीम की पांच प्रमुख बातें।

अय्यर कप्तान और तिलक उपकप्तान: आईपीएल में अपनी कप्तानी से लगातार प्रभावित कर रहे श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया का नया टी20 कप्तान नियुक्त कर दिया गया है। अय्यर को सूर्यकुमार यादव की जगह पर टी20 टीम की कप्तानी सौंपी गई है। वहीं, तिलक वर्मा को अक्षर पटेल के स्थान पर नया उपकप्तान बनाया गया है।

वैभव सूर्यवंशी को मौका: 15 साल की उम्र में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से आईपीएल 2026 में धमाल मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड, इंग्लैंड और एशियन गेम्स के लिए चुनी गई भारतीय टी20 टीम में जगह दी गई है। वैभव का प्रदर्शन हाल ही में खत्म हुए आईपीएल 2026 में कमाल का रहा, और उन्होंने 16 मुकाबलों में 237 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 776 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव की छुट्टी: अपनी कप्तानी में भारत को टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जिताने वाले सूर्यकुमार यादव की टी20 टीम से छुट्टी कर दी गई है। सूर्यकुमार को न तो आयरलैंड-इंग्लैंड सीरीज और न ही एशियन गेम्स के लिए चुनी गई टीम में जगह दी गई है। माना जा रहा है कि लगातार बल्ले से नाकामी सूर्यकुमार यादव के खिलाफ गई है।

प्रिंस यादव पर जताया गया भरोसा: आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलने वाले प्रिंस यादव को आयरलैंड और इंग्लैंड सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। प्रिंस ने आईपीएल में अपनी रफ्तार और शानदार लाइन एंड लेंथ से खासा प्रभावित किया था। यही वजह है कि वह सिलेक्टर्स का भरोसा जीतने में सफल रहे हैं।

हर्षित की वापसी, बुमराह एशियन गेम्स में होंगे हिस्सा: तेज गेंदबाज हर्षित राणा को चोट से उबरने के बाद टी20 टीम में जगह दी गई है। इंजरी की वजह से हर्षित आईपीएल 2026 में खेलते हुए नजर नहीं आए थे। वहीं, जसप्रीत बुमराह को आयरलैंड-इंग्लैंड सीरीज के लिए आराम दिया गया है, जबकि वह एशियन गेम्स 2026 में भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

बिहार में अंतरराष्ट्रीय खेलों के लिए ओलंपिक स्तर की मिलेगी सुविधाएं : सम्राट चौधरी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय खेलों को बिहार में ओलंपिक स्तर की सुविधाएं दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में खेल को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। राज्य में विश्वस्तरीय खेल अवसंरचनाओं का निर्माण चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवा एवं प्रतिभावान खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल करने पर उन्हें जहां सम्मानित किया जा रहा है।

वहीं, 'मेडल लाओ नौकरी पाओ' योजना के तहत उन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शनिवार को खेल विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने राजगीर में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण कार्य इस साल 31 दिसंबर तक पूर्ण करने के निर्देश देते हुए पटना के डुमरी खेल परिसर में सभी खेलों के लिए अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम का निर्माण कराने की भी बात कही।

उन्होंने कहा कि राज्य के कुल 8053 ग्राम पंचायतों में से 4700 ग्राम पंचायतों में कुल 5266 में खेल मैदान का निर्माण पूर्ण हो गया है। शेष खेल मैदानों का निर्माण कार्य भी जल्द पूर्ण किए जाएं। मुख्यमंत्री ने पटना स्थित मोइनुल हक स्टेडियम के पुनर्विकास कार्य में तेजी लाने के लिए बीसीसीआई एवं बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए तथा मोइनुल हक स्टेडियम तक बेहतर सड़क एवं परिवहन कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर में ऐसे पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया जिनमें नवाचार, देशस्तर पर उपयोगिता एवं रोजगार की अधिक संभावनाएं हों। जिला स्तरीय खेल भवन-सह-व्यायामशालाओं के निर्माण कार्य में भी तेजी लाने और प्रखंड स्तरीय आउटडोर स्टेडियमों के निर्माण कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश उन्होंने अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पंचायत स्तर पर नियमित खेल उत्सवों एवं खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए जिससे ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया जा सके।

पंचायत खेल क्लबों से पुराने खिलाड़ियों, युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों को जोड़कर खेल संस्कृति को विकसित किया जाए। उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, खेल उपकरण, कोचिंग एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए।

कैंसर को खत्म करने के लिए नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन बनाया जाए: शिवराज चौहान

विदिशा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कैंसर की रोकथाम के लिए नशा मुक्ति अभियान को जनआंदोलन बनाने की अपील की। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में स्थित मेडिकल कॉलेज में दो दिवसीय निशुल्क कैंसर जांच शिविर की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा कि कैंसर का इलाज जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी उन कारणों को खत्म करना है, जिनसे यह बीमारी जन्म लेती है।

उन्होंने कहा कि गुटखा, तंबाकू, बीड़ी और शराब जैसी नशे की आदतें कैंसर और कई गंभीर बीमारियों की बड़ी वजह हैं। समाज को मिलकर इनके खिलाफ जागरूकता अभियान चलाना चाहिए, ताकि लोग बीमारी का शिकार होने से पहले ही बच सकें।

नशा केवल व्यक्ति का ही नहीं, पूरे परिवार का जीवन तबाह कर देता है। ऐसे में माता-पिता, समाज और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को नशे से दूर रखने का प्रयास करें। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने नशा मुक्ति अभियान चलाने और अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने की बात कही।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि गांव-गांव में लोगों को इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। महिलाओं की भागीदारी इस अभियान को और मजबूत बना सकती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज नई तरह के नशे और मादक पदार्थ भी युवाओं तक पहुंच रहे हैं। इन्हें रोकने की जिम्मेदारी केवल पुलिस और प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। यदि समाज जागरूक होकर नशे के खिलाफ खड़ा होगा तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकेगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि, आज कैंसर का नाम सुनते ही लोग डर जाते हैं, लेकिन अब घबराने की जरूरत नहीं है। शुरुआत में इस शिविर का फोकस विदिशा, रायसेन, सीहोर और खातेगांव क्षेत्र के लोगों पर था, लेकिन इंसानियत की कोई सीमा नहीं होती।

पश्चिम बंगाल: अभिषेक बनर्जी ने कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल, बोले-मैंने सीएपीएफ की सुरक्षा नहीं मांगी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और पार्टी के लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को एक बयान जारी कर उन दावों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि उन्होंने अपने लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की सुरक्षा की मांग की है। यह दावा उस घटना के बाद सामने आया था, जब 30 मई की दोपहर पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में नाराज भीड़ ने उन पर हमला किया था।

अभिषेक बनर्जी द्वारा सीएपीएफ सुरक्षा मांगने की जानकारी पिछले हफ्ते तब सामने आई, जब तृणमूल कांग्रेस से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी ने मीडिया से बात करते हुए इस मुद्दे का जिक्र किया। ऋतब्रत बनर्जी अब राज्य विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस के विधायी दल के आधिकारिक गुट के नेता और आधिकारिक विपक्ष के नेता हैं।

ऋतब्रत बनर्जी ने 2 जून की दोपहर एक प्रेस वार्ता में सवाल किया, 'वह किस तरह के जन-नेता हैं? 4 मई को पार्टी की भारी हार के बाद वह 26 दिनों तक घर पर ही रहे। अब, वह अपने लिए केंद्रीय बलों की सुरक्षा मांग रहे हैं। उन्होंने पहले दावा किया था कि जनता उनकी रक्षा के लिए है तो अब वह सुरक्षा क्यों मांग रहे हैं?' मीडिया में इस बात की काफी चर्चा हुई थी।

अब शनिवार को अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर अपने लिए सीएपीएफ सुरक्षा मांगने की जानकारी से इनकार किया।

उन्होंने कहा, 'मीडिया का एक हिस्सा यह खबर दे रहा है कि मैंने पिछले महीने की 30 तारीख को सोनारपुर में मुझ पर हुए हमले के बाद केंद्रीय सुरक्षा मांगी है। यह दावा पूरी तरह से बेबुनियाद और सच्चाई से दूर है। हमले के बाद से सात दिनों में मैंने कोई सुरक्षा नहीं मांगी है।बनर्जी ने अपने सोशल मीडिया बयान में कहा, 'यह घटना केंद्र और राज्य सरकारों की निगरानी में हुई और उन्हें इससे जुड़े हालात के बारे में गंभीर सवालों का जवाब देना होगा। उनके मुताबिक, उन्हें सबसे ज्यादा निराशाजनक यह बात लगी कि पिछले एक महीने में पश्चिम बंगाल में महिलाओं के साथ दुष्?कर्म और अन्य भयानक अपराधों की कई घटनाएं हुईं, लेकिन राज्य प्रशासन ने इनमें से ज्यादातर घटनाओं पर कोई ध्यान नहीं दिया।

नोएडा के बहलोलपुर में बिजली के तारों में लगी आग, पटाखों जैसी आवाजों से मची अफरातफरी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-63 थाना क्षेत्र के बहलोलपुर इलाके में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बिजली के तारों में अचानक शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग लगते ही बिजली के तारों से तेज चिंगारियां निकलने लगीं और लगातार पटाखों जैसी आवाजें आने लगीं। इस घटना से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और लोग अपने घरों तथा दुकानों से बाहर निकल आए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर के समय अचानक बिजली के तारों में तेज चमक दिखाई दी। देखते ही देखते तारों से चिंगारियां निकलने लगीं और कुछ ही क्षणों में वे दीपावली के पटाखों की तरह फटने और जलने लगे।

लगातार हो रही तेज आवाजों और चमक के कारण आसपास मौजूद लोगों में भय का माहौल बन गया। लोगों को आशंका थी कि आग आसपास की इमारतों या दुकानों तक फैल सकती है। घटना की सूचना तत्काल बिजली विभाग और दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही संबंधित विभागों की टीमें मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया।

अधिकारियों ने एहतियातन प्रभावित लाइन की बिजली आपूर्ति तुरंत बंद करवा दी। बिजली कटते ही तारों में हो रही आतिशबाजी जैसी स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया और संभावित बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते बिजली आपूर्ति बंद नहीं की जाती तो आग और अधिक फैल सकती थी।

वहीं, बिजली विभाग के अधिकारियों ने प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को घटना का संभावित कारण बताया है। विभाग द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने या किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

स्थानीय निवासियों ने बिजली के पुराने और जर्जर तारों की समय-समय पर जांच कराने तथा आवश्यक मरम्मत कार्य कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

असम का काजीरंगा बना शिकारी पक्षियों और सारसों का प्रमुख आश्रय स्थल, सर्वे में सामने आई समृद्ध जैव विविधता

गुवाहाटी। असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व (केएनपीटीआर) में हुए नवीनतम पक्षी सर्वेक्षण में 30 प्रजातियों के शिकारी पक्षियों (रैप्टर्स) के 217 और छह प्रजातियों के सारसों (स्टॉर्क) के 266 पक्षियों की मौजूदगी दर्ज की गई है। यह सर्वे काजीरंगा की समृद्ध पक्षी जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण में उसकी वैश्विक महत्ता को रेखांकित करता है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जारी इस सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी-मार्च 2026 के दौरान काजीरंगा टाइगर रिजर्व प्रशासन ने असम के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों के सहयोग से यह व्यापक सर्वेक्षण कराया था।

केएनपीटीआर की निदेशक सोनाली घोष ने बताया कि सर्वेक्षण में 30 प्रजातियों के शिकारी पक्षियों के 217 और छह प्रजातियों के सारसों के 266 पक्षियों की पहचान की गई। यह सर्वे फरवरी के अंतिम सप्ताह से मार्च के पहले सप्ताह के बीच 10 विशेषज्ञ गणनाकारों की टीम द्वारा काजीरंगा के सभी वन्यजीव प्रभागों में किया गया।

उन्होंने बताया कि काजीरंगा में दिन और रात दोनों समय सक्रिय रहने वाले शिकारी पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें ईगल, फाल्कन, गिद्ध, बजर्ड और उल्लू शामिल हैं। वहीं, यहां के विस्तृत आर्द्रभूमि क्षेत्र स्थानीय और प्रवासी सारसों के लिए भी सुरक्षित आवास उपलब्ध कराते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में शिकारी पक्षियों की कुल 112 प्रजातियां दर्ज हैं, जिनमें से लगभग 50 प्रजातियां काजीरंगा और उसके आसपास के क्षेत्रों में पाई जाती हैं। वहीं, दुनिया में सारसों की 20 प्रजातियां हैं, जिनमें से आठ भारत में मिलती हैं और इन सभी आठ प्रजातियों की मौजूदगी असम तथा काजीरंगा क्षेत्र में दर्ज की गई है।

सर्वेक्षण में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में सर्वाधिक 21 प्रजातियों के शिकारी पक्षी और पांच प्रजातियों के सारस पाए गए। इसके बाद बिस्वनाथ वन्यजीव प्रभाग में 20 शिकारी पक्षी और छह सारस प्रजातियां दर्ज की गईं, जबकि नगांव वन्यजीव प्रभाग में 14 शिकारी पक्षी और पांच सारस प्रजातियां पाई गईं।

भागलपुर में घर से राइफल, कट्टा और बंदूक जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

भागलपुर। बिहार में भागलपुर जिला के नाथनगर थाना क्षेत्र से पुलिस ने अवैध हथियारों का जखीरा जब्त किया है। इस मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया है। पुलिस अब यह जानने की कोशिश कर रही है कि हथियार एकत्र करने का उद्देश्य क्या है।

भागलपुर के नगर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह ने शनिवार को बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नाथनगर थाना क्षेत्र के राघोपुर गांव में एक अपराधी द्वारा किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से अपने घर में अवैध हथियार जमा कर रहा है।

इस सूचना पर वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक की निगरानी में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, नगर-2 तथा नाथनगर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

सूचना के सत्यापन के बाद टीम ने उस व्यक्ति के यहां जब छापा मारा तो बड़ी संख्या में अवैध हथियार बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने यहां से एक देसी राइफल, एक देसी कट्टा, देसी बंदूक और सात कारतूस बरामद किए।

तमिलनाडु: 12 जून को मेट्टूर बांध से पानी छोड़े जाने की संभावना कम, जल भंडारण 50 प्रतिशत से नीचे

चेन्नई। तमिलनाडु में खरीफ सीजन की कुरुवई धान फसल के लिए हर साल 12 जून को मेट्टूर बांध से पानी छोड़े जाने की परंपरा इस बार टूट सकती है। बांध में जल भंडारण क्षमता के आधे से भी कम रहने के कारण निर्धारित तिथि पर पानी छोड़े जाने की संभावना बेहद कम मानी जा रही है।

12 जून को प्रस्तावित जल छोड़ने की तारीख में अब एक सप्ताह से भी कम समय बचा है, लेकिन कावेरी डेल्टा क्षेत्र के किसानों के बीच अनिश्चितता बनी हुई है। किसान कुरुवई फसल की बुवाई शुरू करने के लिए हर साल मेट्टूर बांध से छोड़े जाने वाले पानी पर निर्भर रहते हैं। अधिकारियों के अनुसार, अब समय पर पानी छोड़े जाने की संभावना कावेरी जलग्रहण क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों में होने वाली अच्छी बारिश और उससे बांध में बढ़ने वाले जल प्रवाह पर निर्भर करेगी।

गुरुवार तक मेट्टूर बांध का जलस्तर 79.86 फीट दर्ज किया गया, जबकि इसमें 41.81 टीएमसी (हजार मिलियन घन फीट) पानी मौजूद था। यह बांध की कुल 93.45 टीएमसी क्षमता के 50 प्रतिशत से भी कम है। अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा जल भंडारण 12 जून से पानी छोड़ने के लिए पर्याप्त नहीं है, जब तक कि मौसम में उल्लेखनीय सुधार न हो। मेट्टूर बांध से पानी छोड़े जाने का तमिलनाडु की कृषि व्यवस्था में विशेष महत्व है। इस पानी से राज्य के 12 जिलों- सेलम, इरोड, नमक्कल, करूर, तिरुचिरापल्ली, तंजावुर, तिरुवरूर, नागपट्टिनम, पुडुकोट्टई, कुड्डालोर, मयिलादुथुरै और पेरम्बलूर के लगभग 16 लाख एकड़ कृषि क्षेत्र की सिंचाई होती है।

यह पानी विशेष रूप से कुरुवई, सांबा और थलाडी धान फसलों की खेती के लिए आवश्यक होता है। यदि पानी छोड़ने में देरी होती है, तो खासकर कम अवधि वाली कुरुवई फसल की बुवाई प्रभावित हो सकती है। पिछले कुछ वर्षों में मेट्टूर बांध से पानी छोड़े जाने का समय जल भंडारण और जल प्रवाह की स्थिति के अनुसार बदलता रहा है।

पुरुषोत्तम मास विशेष : दक्षिण भारत का अनोखा नारायण मंदिर, आठ हिस्सों वाले शिखर की जमीन पर नहीं पड़ती परछाई

मदुरै। भगवान विष्णु को अति प्रिय पुरुषोत्तम मास चल रहा है, जो नारायण की आराधना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि पुरुषोत्तम या अधिक मास में किए गए दर्शन-पूजन का फल कई गुना बढ़कर मिलता है। आज आपको नारायण के एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अपने आप में खास और अद्भुत है।

दक्षिण भारत के इस अनोखे नारायण मंदिर का नाम कूडल अझगर है, जो मदुरै शहर में स्थित है। यह मंदिर सिर्फ धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि अपनी अनोखी वास्तुकला के लिए भी प्रसिद्ध है।

करीब छह सौ साल से भी अधिक पुराना यह विष्णु मंदिर 108 दिव्य देशमों में शामिल है, जहां भगवान नारायण 'कूडल अझगर' अर्थात सुंदर सर्प शय्या पर विराजमान रूप में भक्तों को दर्शन देते हैं। मंदिर की सबसे बड़ी खासियत इसका अष्टांग विमान (आठ हिस्सों वाला शिखर) है। दोपहर के समय भी इस शिखर की परछाई जमीन पर नहीं पड़ती। यह वास्तुशिल्प का एक अद्भुत चमत्कार है, जो हजारों पर्यटकों और भक्तों को हैरान कर देता है।

कूडल अझगर मंदिर पांड्य राजाओं के काल का है। बाद में विजयनगर साम्राज्य और मदुरै नायक शासकों ने इसमें भव्यता बढ़ाई। मंदिर ग्रेनाइट की ऊंची दीवारों से घिरा हुआ है। प्रवेश द्वार पर पांच मंजिला राजगोपुरम है, जिसमें दशावतार, लक्ष्मी-नारायण, लक्ष्मी-नरसिंह और अन्य देवी-देवताओं की सुंदर नक्काशी बनी है। मंदिर परिसर में नवग्रहों का मंडप भी है। मुख्य मंदिर में भगवान कूडल अझगर के साथ उनकी पत्नी देवी मधुरवल्ली (लक्ष्मी) का अलग मंदिर है। परिसर में श्रीराम, श्रीकृष्ण और अन्य देवताओं के छोटे मंदिर भी बने हैं। दीवारों पर प्राचीन तमिल साहित्य जैसे सिलप्पादिकारम, परिपादल और मदुरै कांची के शिलालेख उत्कीर्ण हैं, जो मंदिर की प्राचीनता को प्रमाणित करते हैं। इस मंदिर से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। एक कथा के अनुसार, राक्षस सोमका ने ब्रह्माजी से चारों वेद चुरा लिए थे।

जयदास मानिकपुरी
संवाददाता

रामप्रसाद दुबे
कार्यकारी संपादक

पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय एवं अनुभवी जयदास मानिकपुरी को राष्ट्रीय दैनिक विश्व केसरी समाचार पत्र में राजधानी रायपुर के संवाददाता का दायित्व सौंपा गया है। वे क्षेत्र की जनसमस्याओं, सामाजिक, राजनीतिक एवं विकास संबंधी गतिविधियों की निष्पक्ष एवं तथ्यपरक रिपोर्टिंग करेंगे। संस्थान ने उनके उज्वल कार्यकाल एवं सफल दायित्व निर्वहन की शुभकामनाएं दी हैं।

प्रियंका सिंह
एंकर

आयुषी कुमारी
बिजनेस एनालिस्ट

राष्ट्रीय दैनिक विश्व केसरी समाचार पत्र द्वारा प्रियंका सिंह को एंकर संपादन का दायित्व सौंपा गया है। वे संस्थान के डिजिटल एवं सोशल मीडिया मंचों पर समाचारों के संपादन, प्रस्तुतीकरण तथा प्रसार का कार्य संभालेंगी। संस्थान ने उनके सफल कार्यकाल, उत्कृष्ट योगदान एवं उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

गोविंदा सोनकर
वीडियो जर्नलिस्ट

रामप्रसाद दुबे
कार्यकारी संपादक

राष्ट्रीय दैनिक विश्व केसरी समाचार पत्र द्वारा गोविंदा सोनकर को रायपुर में वीडियो जर्नलिस्ट का दायित्व सौंपा गया है। वे समाचारों के वीडियो कवरेज, जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों तथा विभिन्न घटनाओं की तथ्यपरक और प्रभावी प्रस्तुति करेंगे। संस्थान ने उनके सफल कार्यकाल एवं उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

संक्षिप्त खबरें

गरीबों के राशन पर डाका : कांग्रेस

रायपुर (संवाददाता)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में कथित हेराफेरी, गुणवत्ताहीन चावल की खरीदी और कालाबाजारी के मुद्दे पर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि नान के गोदामों में घटिया चावल खरीदी के मामले में सरकार वास्तविक दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही है, जिससे बड़े स्तर पर संगठित भ्रष्टाचार में सत्ता के संरक्षण की आशंका मजबूत होती है।

सुरेंद्र वर्मा ने आरोप लगाया कि प्रदेश में गरीबों के हक के राशन की खुलेआम लूट हो रही है। एक ओर पात्र हितग्राहियों के राशन कार्ड निरस्त किए जा रहे हैं और केवाईसी के नाम पर लोगों को परेशान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर पीडीएस का चावल आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों में बेचा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि फर्जी राशन कार्ड और डुप्लीकेट आधार कार्ड के माध्यम से भी अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं, लेकिन संबंधित मामलों में कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। कांग्रेस का आरोप है कि राशन दुकानों में उपभोक्ताओं से अंगूठा लगवाकर उन्हें मिलने वाले चावल के बदले आधी कीमत नकद देकर वही चावल खुले बाजार में ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने दावा किया कि हर महीने हजारों टन पीडीएस चावल की हेराफेरी हो रही है और इसमें राशन माफिया सक्रिय हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राशन दुकानों का नियमित ऑडिट और स्टॉक का भौतिक सत्यापन नहीं किया जा रहा, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

स्थायी समिति में सांसद लक्ष्मी वर्मा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा को संसद की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी विभागीय संसदीय स्थायी समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार उनका नामांकन 3 जून से प्रभावी हो गया है। सांसद लक्ष्मी वर्मा के इस महत्वपूर्ण संसदीय समिति में शामिल होने से स्वास्थ्य एवं जनकल्याण से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाने में मदद मिलेगी। माना जा रहा है कि ग्रामीण, दूरस्थ वनांचल एवं आदिवासी क्षेत्रों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं और चुनौतियों को समिति के समक्ष मजबूती से रखा जा सकेगा।

इसके साथ ही महिला एवं बाल स्वास्थ्य, पोषण स्तर में सुधार तथा केंद्र और राज्य सरकारों की जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के लोगों ने सांसद लक्ष्मी वर्मा को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए इसे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया है।

नेकी की दीवार पर बदइंतजामी

रायपुर। जरूरतमंद लोगों को कपड़े उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर के विभिन्न स्थानों पर बनाई गई नेकी की दीवार योजना राजधानी में बदइंतजामी का शिकार होती नजर आ रही है। कई दीवारों में रखे गए कपड़े खराब हो रहे हैं, जिससे जरूरतमंद लोगों को भी इन्हें उपयोग करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नेकी की दीवार का उद्देश्य लोगों द्वारा दान किए गए पुराने लेकिन उपयोगी कपड़ों को जरूरतमंदों तक पहुंचाना है। शहरवासी अपने अनुपयोगी कपड़े यहां छोड़ जाते हैं और जरूरतमंद लोग अपनी आवश्यकता के अनुसार उन्हें चुनकर इस्तेमाल करते हैं। लेकिन राजधानी में कई स्थानों में स्थित नेकी की दीवार की स्थिति इस उद्देश्य के विपरीत दिखाई दे रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार यहां कपड़े टांगने या व्यवस्थित रखने की कोई व्यवस्था नहीं है। न तो शेल्फ बनाए गए हैं और न ही कपड़ों को सुरक्षित रखने के लिए कोई अलग खंड तैयार किया गया है। कपड़े दो ऐसे खंडों में रखे जा रहे हैं, जो देखने में कूड़ेदान जैसे प्रतीत होते हैं। लोग इन्हीं खंडों में कपड़े डालकर चले जाते हैं।

गर्मी के मौसम में स्थिति और भी खराब हो गई है। कपड़ों को धूप, धूल से बचाने के लिए स्थल पर किसी प्रकार का शेड नहीं बनाया गया है। नतीजतन कई कपड़े पूरी तरह बर्बाद हो रहें हैं और सड़ने लगे हैं। जिससे उनकी उपयोगिता समाप्त हो रही है।

इस अव्यवस्था का सबसे अधिक असर उन लोगों पर पड़ रहा है, जो वास्तव में कपड़ों की जरूरत के कारण यहां आते हैं। उन्हें खराब हो चुके कपड़ों में से ही चयन करना पड़ रहा है, जबकि योजना का उद्देश्य सम्मानजनक तरीके से जरूरतमंदों की सहायता करना है।

निगम ने दी सफाई

मामले में रायपुर नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि संबंधित जोन कार्यालयों के माध्यम से नेकी की दीवार का संचालन किया जा रहा है। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मिलिंद खेर ने बताया कि आरआरआर सेंटरों के माध्यम से महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा भी कई स्थानों पर नेकी की दीवार संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि रायपुर नगर निगम के छह जोन में वर्तमान में नेकी की दीवार योजना शुरू की जा चुकी है, जबकि शेष चार जोन में इसके उद्घाटन की तैयारी चल रही है। हालांकि शहर के खमतराई बाजार में नेकी की दीवार की मौजूदा स्थिति को लेकर स्थानीय लोग बेहतर रखरखाव और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं, ताकि दान किए गए कपड़ों का वास्तविक लाभ जरूरतमंदों तक पहुंच सके।

अहाते हैं, फिर भी सड़कों पर छलक रहे जाम

रायपुर। राजधानी रायपुर में शराब दुकानों से लगे वैध अहातों (बार) की व्यवस्था होने के बावजूद सड़क किनारे, चौक-चौराहों, पार्किंग स्थलों और वाहनों में खुलेआम शराब पीने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। यह स्थिति न केवल सार्वजनिक व्यवस्था के लिए चुनौती बन रही है, बल्कि महिलाओं, परिवारों और आम नागरिकों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को भी बढ़ा रही है।

शहर में कई शराब दुकानों के साथ संचालित वैध अहातों में पर्याप्त बैठने की व्यवस्था नहीं है। कई स्थानों पर साफ-सफाई और सुविधाओं की कमी के कारण लोग वहां बैठने से बचते हैं। इसके अलावा अहातों में मिलने वाले खाद्य पदार्थों और सेवा शुल्क को लेकर अतिरिक्त खर्च भी लोगों को बाहर शराब पीने के लिए मजबूर करता है। शाम होते ही राजधानी के प्रमुख मार्गों, विशेषकर वीआईपी रोड, रिंग रोड, एक्सप्रेस-वे और आउटर क्षेत्रों में सड़क किनारे शराब सेवन करने वालों की संख्या बढ़ जाती है। कई बार लोग कारों और दोपहिया वाहनों को सड़क किनारे खड़ा कर शराब पीते देखे जाते हैं, जिससे यातायात और कानून व्यवस्था की स्थिति भी प्रभावित होती है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि खुले में शराब सेवन के कारण परिवारों और महिलाओं का इन क्षेत्रों से गुजरना असहज हो जाता है। सार्वजनिक स्थानों पर नशे की हालत में होने वाले विवाद, हुड़दंग और अभद्र व्यवहार की घटनाएं भी समय-समय पर सामने आती रहती हैं।

रायपुर पुलिस द्वारा समय-समय पर पुरानी बस्ती, तेलीबांधा, सिविल लाइंस समेत विभिन्न थाना क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर खुले में शराब पीने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। हालांकि कार्रवाई की गति धीमी पड़ते ही स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है।

शहरवासियों का मानना है कि केवल अभियान चलाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। अहातों की व्यवस्था सुधारने, नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने और सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन के खिलाफ लगातार सख्ती बरतने से ही इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। राजधानी की सड़कों और सार्वजनिक स्थलों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रशासन और आबकारी विभाग को समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है।

595 प्रमोटर्स को रेरा का नोटिस

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (सीजीरेरा) ने रेरा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन और आवंटितियों के हितों की सुरक्षा के लिए बड़ी कार्रवाई करते हुए 595 प्रमोटर्स को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस राज्य की 989 ऐसी परियोजनाओं के संबंध में जारी किए गए हैं, जिन्हें पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है, लेकिन अब तक कॉमन एरिया, सुविधाओं एवं संबंधित दस्तावेजों का हस्तांतरण आवंटितियों की सोसायटी या एसोसिएशन को नहीं किया गया है। सीजीरेरा की समीक्षा में सामने आया कि कई परियोजनाओं में निर्माण कार्य पूर्ण होने और अधिभोग की अनुमति मिलने के बाद भी प्रमोटर्स द्वारा आवंटितियों की सोसायटी अथवा एसोसिएशन का गठन सुनिश्चित नहीं किया गया।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जोनल कार्यालय में भीषण आग

रायपुर। राजधानी रायपुर के बॉम्बे मार्केट क्षेत्र स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जोनल कार्यालय में भीषण आग लग गई। बंद पड़े कार्यालय से अचानक धुआं उठता देख राहगीरों ने तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी, जिसके बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे बैंक के जोनल कार्यालय से धुआं निकलता दिखाई दिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था संभाली। एडीसीपी मध्य तारकेश्वर पटेल ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कार्य में जुट गई थी। सुरक्षा के मद्देनजर प्रभावित क्षेत्र को अस्थायी रूप से सील कर दिया गया था। प्रारंभिक जांच में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। हालांकि शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। चूंकि आग बैंक के जोनल कार्यालय में लगी है, इसलिए महत्वपूर्ण दस्तावेजों एवं कार्यालयीन सामग्री को नुकसान पहुंचने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

भारत 'ए' टीम में छत्तीसगढ़ के युवा बल्लेबाज का चयन

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ क्रिकेट के लिए गौरव का क्षण सामने आया है। राज्य के युवा बल्लेबाज का चयन श्रीलंका दौरे के लिए भारत 'ए' टीम में किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) द्वारा मल्टी-डे मुकाबलों के लिए घोषित टीम में आयुष को जगह मिलने के बाद प्रदेश के क्रिकेट जगत में उत्साह का माहौल है। 22 वर्षीय बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज आयुष पांडे पिछले कुछ वर्षों से घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। रणजी ट्रॉफी में उनकी निरंतरता और बड़ी पारियां खेलने की क्षमता ने चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने 19 मैचों की 34 पारियों में 1430 रन बनाए हैं। उनका औसत 47.66 रहा है, जबकि उनके नाम 4 शतक और 5 अर्धशतक दर्ज हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर 211 रन है।

हाल ही में रणजी ट्रॉफी में दिल्ली के खिलाफ खेली गई 183 रन की शानदार पारी को उनके चयन की प्रमुख वजहों में माना जा रहा है। इस पारी में उन्होंने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन प्रदर्शन किया था। वहीं विजय हजारे ट्रॉफी में भी उन्होंने 78 और 49 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलकर अपनी उपयोगिता साबित की।

इन दिनों आयुष छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) के तीसरे सीजन में बिलासपुर बुल्स की कप्तानी कर रहे हैं। हाल ही में बस्तर बायसन के खिलाफ उन्होंने 147 रन की विस्फोटक पारी खेली थी, जिसमें 13 चौके और 11 छक्के शामिल थे। यह सीसीपीएल इतिहास का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर माना जा रहा है। इसके बाद अगले मुकाबले में उन्होंने 51 रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म को बरकरार रखा।

आयुष पांडे का भारत 'ए' टीम में चयन छत्तीसगढ़ क्रिकेट की बढ़ती पहचान और प्रतिभा का प्रमाण माना जा रहा है।

खेल संगठनों, क्रिकेट प्रेमियों और पूर्व खिलाड़ियों ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए श्रीलंका दौरे के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि वह भारत 'ए' टीम के लिए प्रभावी प्रदर्शन कर भविष्य में भारतीय सीनियर टीम में भी जगह बनाने का दावा मजबूत करेंगे।

रायपुर में नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

रायपुर। राजधानी रायपुर में नशे के अवैध कारोबार पर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में गुढ़ियारी थाना पुलिस ने एक आरोपी को 249 शीशी प्रतिबंधित कोडीन युक्त नशीली सिरप के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त सामग्री और मोबाइल फोन की कुल कीमत करीब 1.40 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 5 जून को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि झाबक पेट्रोल पंप के पास एक व्यक्ति अपने बैग में भारी मात्रा में नशीली सिरप लेकर बिक्री के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ) मयंक गुर्जर के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आकाश मरकाम एवं सीएसपी पूर्णिमा लामा के मार्गदर्शन में गुढ़ियारी थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर मौके पर रवाना किया गया।

पुलिस टीम ने बताए गए हुलिए के आधार पर घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम अनिल कुमार साहू, निवासी दुर्ग बताया। तलाशी के दौरान उसके बैग से 249 शीशी कोडीन युक्त प्रतिबंधित नशीली सिरप बरामद हुई।

आरोपी से नशीली सिरप के संबंध में वैध दस्तावेज अथवा लाइसेंस प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नशीली सिरप के अलावा एक मोबाइल फोन भी जब्त किया।

गुढ़ियारी थाना में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 238/2026 के तहत धारा 21 (सी) एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी को नशीली सिरप कहां से प्राप्त हुई और इसकी आपूर्ति किन लोगों तक की जानी थी। मामले के बैकवर्ड एवं फॉरवर्ड लिंक की भी जांच की जा रही है।

गंदगी और सीएंडडी वेस्ट पर 44,200 रुपये जुर्माना

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के जोन-6 द्वारा स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करते हुए विभिन्न प्रतिष्ठानों और भवन स्वामियों से कुल 44,200 रुपये का जुर्माना वसूला गया। यह कार्रवाई स्वच्छता एवं सीएंडडी (कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन) वेस्ट से संबंधित प्राप्त जनशिकायतों के आधार पर की गई।

नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश एवं जोन कमिश्नर हितेंद्र यादव के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग और नगर निवेश विभाग की संयुक्त टीम ने जोन-6 क्षेत्र में औचक निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान मठपुरैना स्थित एक बेकरी में स्वच्छता व्यवस्था की जांच की गई, जहां गंदगी मिलने और शिकायत सही पाए जाने पर संचालक पर जुर्माना लगाया गया तथा भविष्य में स्वच्छता बनाए रखने की कड़ी चेतावनी दी गई।

अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (सीएंडडी वेस्ट) खुले में पाए जाने पर संबंधित भवन स्वामियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

साहित्य केसरी

विश्व केसरी

कहानी

दीवारें हार गईं

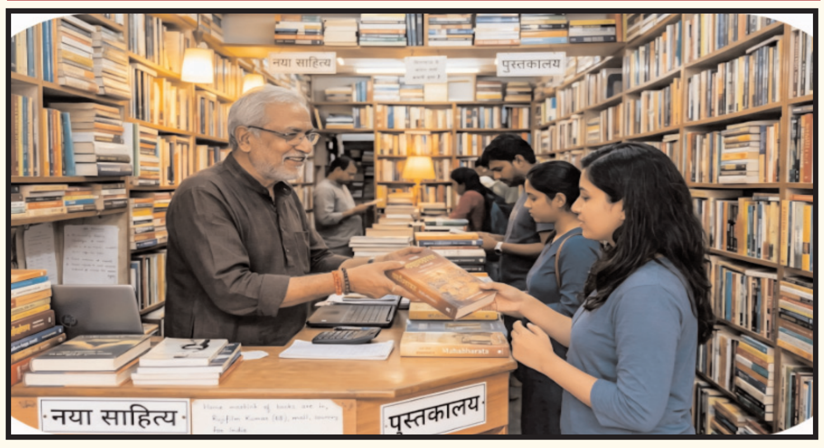

महेन्द्र तिवारी

भारत के छोटे से शहर देवगढ़ की जिला जेल दूर से किसी पुराने किले जैसी दिखाई देती थी। ऊँची-ऊँची दीवारें, प्रहरी टावर, लोहे के भारी फाटक और भीतर पसरा एक ऐसा सन्नाटा, जो बाहर की दुनिया से बिल्कुल अलग था। उस जेल में कदम रखते ही ऐसा लगता था जैसे इंसान अपनी पहचान बाहर ही छोड़ आया हो। भीतर सिर्फ कैदी होते थे, अपराध होते थे और सजा काटती हुई जिंदगी।

इसी जेल में सहायक जेल अधीक्षक के पद पर नियुक्त थी सना परवीन।

सना अपने विभाग में बेहद ईमानदार और अनुशासनप्रिय अधिकारी मानी जाती थी। उसकी उम्र करीब बत्तीस साल रही होगी। चेहरे पर सख्ती साफ दिखाई देती थी। कर्मचारी उससे घबराते थे क्योंकि वह नियमों में किसी तरह की लापरवाही पसंद नहीं करती थी। जेल के भीतर उसकी पहचान एक कठोर अधिकारी की थी, जो कैदी को सिर्फ कैदी मानती थी।

सना की ड्यूटी वारंट शाखा में थी। हर सुबह उसके सामने फाइलों का ढेर लगा रहता। किसी की पेशी, किसी की रिहाई, किसी की सजा बढ़ने का आदेश, तो किसी की पैरोल की अर्जी। वह घंटों उन्हीं कागजों में डूबी रहती।

उसी शाखा में एक कैदी काम करता था, जिसका नाम था वीरेंद्र चौहान।

वीरेंद्र उम्रकैद की सजा काट रहा था। हत्या के आरोप में उसे दस साल पहले जेल भेजा गया था। जेल में उसका व्यवहार बाकी कैदियों से अलग था। वह झगड़ों से दूर रहता, कम बोलता और खाली समय में किताबें पढ़ता रहता था। कई कैदी उससे पढ़ना-लिखना सीखते थे। जेल के अधिकारी भी उसकी शालीनता की वजह से उसे वारंट शाखा में काम करने देते थे।

पहली बार सना ने उसे तब गौर से देखा, जब एक दिन एक बूढ़े कैदी से फाइलों में गलती हो गई। ड्यूटी अधिकारी उस बूढ़े पर गुस्सा कर रहे थे। तभी वीरेंद्र आगे आया और बोला,

'गलती इनकी नहीं, मेरी थी साहब।'

बूढ़ा कैदी हैरानी से उसकी तरफ देखने लगा। सब जानते थे कि गलती बूढ़े की ही थी, लेकिन वीरेंद्र ने बिना हिचक जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली।

सना ने पहली बार उसे ध्यान से देखा। जेल में लोग अपनी सजा कम कराने के लिए झूठ बोलते थे, लेकिन यह आदमी किसी और की गलती अपने सिर ले रहा था।

उस दिन के बाद सना की नजर कई बार अनायास ही वीरेंद्र पर ठहरने लगी।

धीरे-धीरे दोनों के बीच औपचारिक बातचीत शुरू हुई। कभी किसी फाइल को लेकर, कभी किसी तारीख को लेकर। फिर बातचीत किताबों तक पहुंच गई।

एक दिन सना ने देखा कि वीरेंद्र हिंदी साहित्य की कोई किताब पढ़ रहा है।

'तुम्हें पढ़ने का शौक है?' सना ने पूछा।

वीरेंद्र हल्का मुस्कराया।

'जेल में वक्त काटने के लिए इंसान या तो लड़ना सीख जाता है, या किताबों में छिपना।'

उसका जवाब सुनकर सना कुछ पल चुप रह गई।

दिन गुजरते गए। बातचीत बढ़ती गई। सना को महसूस होने लगा कि वीरेंद्र बाकी कैदियों जैसा नहीं है। उसके भीतर एक अजीब-सी शांति थी। वह हर किसी की मदद करता था। जेल के अस्पताल में बीमार कैदियों को खाना पहुंचा देता, अनपढ़ कैदियों के घर चिट्ठियां लिख देता और शाम को मंदिर के पास बैठकर चुपचाप भजन सुनता रहता।

एक शाम सना ने उससे पूछा,

'तुम्हें कभी लगता है कि जिंदगी ने तुम्हारे साथ अन्याय किया?'

वीरेंद्र कुछ देर चुप रहा। फिर बोला,

'हर इंसान अपनी जिंदगी में कहीं न कहीं कैदी होता है मैडम। फर्क सिर्फ इतना है कि किसी की जेल दिखाई देती है और किसी की नहीं।'

उसकी आवाज में इतना दर्द था कि सना देर तक कुछ बोल नहीं पाई।

उस रात वह घर लौटी तो काफी बेचैन थी। उसे बार-बार वीरेंद्र की बातें याद आ रही थीं। पहली बार उसे लगा कि जेल की इन दीवारों के पीछे सिर्फ अपराधी नहीं रहते, इंसान भी रहते हैं।

समय के साथ दोनों की दोस्ती गहरी होती गई।

अब वीरेंद्र सना के सामने खुलने लगा था। उसने बताया कि गांव में जमीन के विवाद में झगड़ा हुआ था। लड़ाई के दौरान एक आदमी की मौत हो गई और पूरा मामला उसके सिर आ गया। अदालत ने उसे उम्रकैद दे दी।

'क्या सचमुच तुमने हत्या की थी?' एक दिन सना ने पूछ लिया।

वीरेंद्र ने उसकी आंखों में देखा।

'अगर कहूं नहीं की, तो क्या फर्क पड़ेगा? अदालत ने मुझे अपराधी मान लिया। समाज ने भी।'

उसके जवाब में शिकायत नहीं थी, सिर्फ थकान थी।

धीरे-धीरे सना खुद को बदलता हुआ महसूस करने लगी। वह पहले जैसी कठोर नहीं रही थी। अब वह कैदियों की परेशानियां भी सुनने लगी थी। जेल के कर्मचारी यह बदलाव देखकर हैरान थे।

एक महिला प्रहरी ने एक दिन हंसते हुए कहा,

'मैडम, लगता है अब जेल का माहौल बदलने वाला है।'

सना मुस्करा भर दी, लेकिन भीतर वह खुद से डरने लगी थी। उसे एहसास हो चुका था कि वह वीरेंद्र के करीब आ चुकी है।

लेकिन यह रिश्ता आसान नहीं था।

एक तरफ समाज था, धर्म था, परिवार था। दूसरी तरफ एक उम्रकैद की सजा काट चुका आदमी।

सना कई रातों तक सो नहीं पाई। उसने खुद को समझाने की कोशिश की कि यह सब गलत है। लेकिन दिल तर्क नहीं सुनता।

उधर वीरेंद्र भी दूरी बनाने लगा था। वह अब जरूरत से ज्यादा बात नहीं करता था। शायद उसे भी एहसास हो गया था कि यह रिश्ता दोनों की जिंदगी में तूफान ला सकता है।

एक दिन सना ने उससे पूछा,

'तुम मुझसे दूर क्यों भाग रहे हो?'

वीरेंद्र ने नजरें झुका लीं।

'क्योंकि मैं कैदी हूं मैडम। आपकी जिंदगी खराब नहीं करना चाहता।'

'और अगर फैसला मेरा हो तो?'

वीरेंद्र ने पहली बार उसकी तरफ ऐसे देखा, जैसे उसे यकीन ही न हो कि कोई उससे प्रेम कर सकता है।

उस दिन दोनों देर तक चुप बैठे रहे। लेकिन उस खामोशी में ही उनका रिश्ता स्वीकार हो चुका था।

जब सना ने घर में शादी की बात बताई, तो जैसे भूचाल आ गया।

उसके पिता कई मिनट तक कुछ बोल ही नहीं पाए। मां रोने लगी। बड़ा भाई गुस्से में चिल्लाया,

'एक कैदी से शादी करोगी? लोग क्या कहेंगे?'

'वह अब सिर्फ कैदी नहीं है,' सना ने शांत आवाज में कहा, 'वह अच्छा इंसान है।'

'समाज तुम्हें जीने नहीं देगा।'

'समाज मेरी जिंदगी नहीं जीता।'

घर में कई दिनों तक तनाव बना रहा। रिश्तेदार फोन करके समझाने लगे। किसी ने कहा यह पागलपन है, किसी ने कहा यह परिवार की बेइज्जती है।

लेकिन सना का फैसला अब बदलने वाला नहीं था।

कुछ महीनों बाद अच्छे व्यवहार के कारण वीरेंद्र की रिहाई हो गई। जेल से बाहर निकलते वक्त उसने आखिरी बार पीछे मुड़कर देखा। मुख्य द्वार के पास सना खड़ी थी।

उसकी आंखों में आंसू थे।

वीरेंद्र धीरे से बोला,

'अब भी वक्त है सना, लौट जाओ।'

सना ने सिर हिला दिया।

'मैंने फैसला बहुत सोचकर लिया है।'

दोनों ने शहर छोड़ दिया।

कविता

पिता कहीं नहीं जाते

यश ओबेरॉए

मन के भीतर
पिता की तलाश
बाकी है।
पिता कहीं
नहीं जाते,
बस रूप बदल
लेते हैं।
कभी यादों में मिलते हैं,
कभी रास्ते बन जाते हैं।
जब भी मैं टूटने लगता हूँ,
भीतर से आवाज़ आती है
'चल... अभी सफ़र बाकी है।'
दीवार पर लगी उनकी तस्वीर
हर रोज़ मुझसे बातें करती है।
चुप कमरे की खामोशी में
जैसे कोई आहट चलती है।
उनकी डायरी के पीले पन्ने
आज भी राह दिखाते हैं।
कुछ अधूरे लिखे शब्द
जीने का मतलब समझाते हैं।
मन के भीतर
पिता की तलाश बाकी है।
उनके पेन, उनकी किताबें,
कुछ छोड़ी हुई निशानियाँ
घर के कोने में आज भी
साँस लेती हैं कहानियाँ।
माँ की आँखों की नमी में,
बुआ की बातों में,
दादी की काँपती आवाज़ में
मैं उनको महसूस करता हूँ।
कभी किसी पुराने ख़त में,
कभी धूल भरी संदूक में,
कभी भूली हुई खुशबू बनकर
वो मुझमें लौट आते हैं।
मन के भीतर
पिता की तलाश बाकी है।
जिनकी कमी कभी भरती नहीं,
शायद वही पिता होते हैं।
जो जाने के बाद भी
हर दिन साथ रहते हैं।
उन्होंने जो सपने बोए थे,
अब वो मेरी आँखों में हैं।
उनके अधूरे छोड़े रास्ते
अब मेरे कदमों में हैं।
मैं जब अपने बच्चों को देखता हूँ,
उनका अक्स दिखाई देता है।
विरासतें खत्म नहीं होतीं,
बस पीढ़ियों में बहती हैं।
पिता कहीं नहीं जाते,
बस रूप बदल लेते हैं।
कभी तस्वीरों में बसते,
कभी खामोशी में रहते हैं।
जिनको हमने खोया समझा,
वो अक्सर हमारे भीतर
घर कर लेते हैं।
दुनिया बदलती रहती है,
मगर मन के भीतर
पिता की तलाश बाकी है।

लघुकथा

रिनी की चिंता

सुप्रिया शर्मा

रिनी छत पर मम्मी के साथ घूम रही थी। अचानक उदास हो गई। मम्मी ने पूछा, 'बेटा क्या हुआ?'

वह बोली, 'मम्मी, अभी अपने घर के आसपास ज्यादा घर नहीं हैं, तो बहुत सारे पेड़ दिखते हैं. रंग-बिरंगी तरह-तरह की चिड़ियाएँ, तोता, गौरैया, कबूतर, नीलकंठ, और बहुत सारे प्रवासी पक्षी दिखते हैं। खाली प्लॉट में पेड़ की छॉव में गाय, बैल, भैस आदि बैठते हैं। गाय का छोटा-सा बछड़ा कितना सुंदर दिखता है। जब यहाँ घर बन जाएंगे, तो ये सब पशु-पक्षी नज़र नहीं आएँगे।'

माँ बोली, 'इतना क्यों परेशान हो रही हो। सभी अपने घर के आसपास कुछ पेड़ लगाएंगे. तुम भी पौध लगाना और उसको रोज पानी देना । पेड़-पौधों से सभी के घर में सुन्दर स्वच्छ हवा आएगी और धूप में सभी को छाया मिलेगी। गौरैया,बया, कोयल सभी खुशी से झूमेगी और हम सब छत पर उनके लिये दाना-पानी भी रखेंगे। तब हम सब साथ-साथ मुस्कुराएगे.पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और हमारा पर्यावरण।'

रायपुर, छत्तीसगढ़

पुस्तक समीक्षा

डोर से विद्रोह तक

रंजन कुमार

प्रतिमा पुष्प का पहला उपन्यास 'कठपुतलियाँ जीवित हैं' केवल एक कहानी नहीं, बल्कि एक दस्तावेज है। यह उन लाखों उन स्त्रियों की आवाज है, जो ग्रामीण और अर्ध-शहरी परिवेश की सामंती मानसिकता की चक्की में पिसती रहती हैं, लेकिन जिनके भीतर का 'जीवित' होना किसी भी पुरुष-प्रधान व्यवस्था के लिए चुनौती है। लेखिका ने पात्रों के माध्यम से एक साथ कई यथार्थ उकेरे हैं—जहाँ एक ओर सियाराम की जली हुई पतोह ग्रामीण अत्याचार की चरम सीमा को दर्शाती है, वहीं दूसरी ओर श्रुतिकीर्ति और देवयानी के माध्यम से शहरी और ग्रामीण पितृसत्ता के भिन्न-भिन्न चेहरे सामने आते हैं।

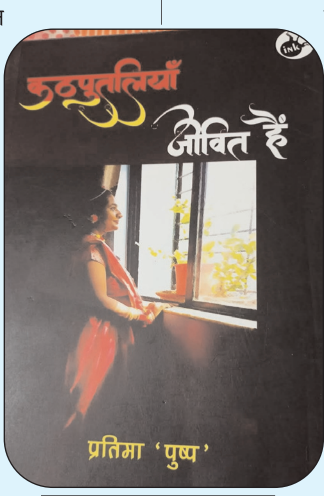

उपन्यास : कठपुतलियाँ जीवित हैं
लेखिका : प्रतिमा पुष्प
प्रकाशक : इंक पब्लिकेशन, प्रयागराज
कीमत : दो सौ रुपये

स्त्री का शरीर: संपत्ति, उपकरण और कठपुतली: उपन्यास का शीर्षक ही प्रश्न खड़ा करता है—क्या कठपुतलियाँ सचमुच जीवित हैं? लेखिका का उत्तर है 'हाँ'। वे जीवित हैं, पर उनकी डोर समाज, परिवार और कभी-कभी स्वयं माता-पिता के हाथों में होती है। श्रुतिकीर्ति की कहानी इसका जीता-जागता उदाहरण है। पिता बैंक में नौकरी करने के बाद भी सामंती मानसिकता से ग्रस्त है—उसके लिए बेटी की शिक्षा गौण है, ब्याह प्राथमिकता। लखेदरा (महेश) जैसा 'देखने में सुंदर' वर ढूंढना ही उसकी जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है। ससुराल पहुँचते ही श्रुति 'सुरती' बन जाती है—एक वस्तु, जिसके नाम का भी अधिकार उससे छिन जाता है। लेखिका ने यहाँ एक महत्वपूर्ण बिंदु उठाया है: पढ़ी-लिखी बहू गाँव में एक 'समस्या' बन जाती है, क्योंकि वह चुप रहकर अत्याचार सहना नहीं जानती।

तीन स्त्रियाँ, तीन प्रतिमान: श्रुति, तनुश्री, देवयानी: उपन्यास तीन केंद्रीय स्त्री पात्रों के माध्यम से आगे बढ़ता है:

1. श्रुतिकीर्ति (सुरती/अन्नपूर्णा): यह पात्र सबसे अधिक विकसित होता है। एक सुखद गृहस्थी के सपने लेकर आई लड़की महेश के देह की भूख, सास के तानों और अंततः मानसिक-शारीरिक यातना का शिकार हो जाती है। हॉस्टल में पति द्वारा किए गए बलात्कार-प्रयास के बाद वह विद्रोह करती है। रेखा और काशीनाथ के घर में उसे दूसरा धोखा मिलता है, लेकिन वह हारती नहीं है। अंततः 'बसेरा' और 'कुटुंब' जैसी संस्थाओं में वह 'अन्नपूर्णा' बनकर न केवल अपना नया जीवन शुरू करती है, बल्कि अपने अतीत को 'श्रुति' नाम सहित मिटा देती है। यह पुनर्जन्म का प्रतीक है।

2. तनुश्री: वह आधुनिक, बोल्ड और शहरी युवती है, जो अपनी माँ देवयानी की 'रखैल' वाली स्थिति से संघर्ष करती है। वह श्रुति के लिए सहारा बनती है, पर अपनी निजी ज़िंदगी में भी वह पारितोष और दिवाकर के बीच झूलती है। उसका चरित्र उन लड़कियों का प्रतिनिधित्व करता है, जो बाहर से आज़ाद हैं, पर भीतर ही भीतर माँ के संघर्ष को देखकर पितृसत्ता के प्रति अविश्वास रखती हैं।

3. देवयानी (मृणाल): इस पात्र के माध्यम से लेखिका एक अलग कथा-रेखा जोड़ती हैं—सामूहिक बलात्कार की शिकार, जो अपना अतीत खो चुकी है और पारितोष जैसे विवाहित पुरुष की रखैल बनकर रह जाती है। उसकी पीड़ा इस बात में है कि प्रेम तो मिला, पर वैधता नहीं मिली। पारितोष उसे जीवन तो देता है, लेकिन 'कठपुतली' बनाकर रखता है। अंत में, शिवांगी की मृत्यु के बाद उसे सिंदूर मिलता है—लेकिन यह प्राप्ति भी किसी मृतप्राय रिश्ते की औपचारिकता मात्र लगती है।

पुरुष पात्र: अत्याचारी, दुविधाग्रस्त और उपेक्षित

महेश (लखेदरा) एक-आयामी खलनायक है—संभोग को प्रेम समझने वाला, माँ के इशारों पर नाचने वाला और अंततः बलात्कार के प्रयास में गिरफ्तार होने वाला. पारितोष अधिक जटिल है; वह देवयानी से प्रेम करता है, पर उसे अपनी पत्नी शिवांगी के प्रति कर्तव्य से भी बाँधा जाता है। वह एक त्रासद चरित्र है—स्वयं को 'नौकर का बेटा' मानने वाला, जो जीवन भर एहसान के बोझ तले दबा रहता है। दिवाकर सकारात्मक पुरुष की संभावना है, जो स्त्री को 'संवेदना' मानता है, वस्तु नहीं।

व्यंग्य

चिंता शिविर

डॉ मुकेश असीमित

आज तड़के ही पड़ोसी शर्मा जी आ धमके। हाथ में मेरा वही अख़बार था, जिसे वे रोज़ की तरह 'पढ़ने के लिए उधार' ले गए थे और पढ़कर अब 'ज्ञान बाँटने' लौटाए थे। अख़बार के भीतर से एक पम्पलेट भी झाँक रहा था,मानो वह स्वयं शर्मिंदा हो कि अख़बार के साथ ग़लती से लौट आया है। हमारे शर्मा जी पड़ोसी धर्म का पूरा निर्वाह करते हैं,अख़बार मेरा, पढ़ते वे; चाय मेरी, पीते वे; औरअखवार की ख़बरें ऐसी सुनाते हैं जैसे स्वयं रिपोर्टर हों।

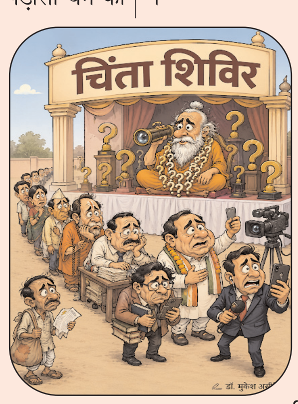

आज चाय की पहली चुस्की के साथ उन्होंने पम्पलेट मेरी ओर बढ़ाया,

'आप तो वैसे भी अख़बार नहीं पढ़ते, कम से कम पम्पलेट ही देख लिया करो। शहर में बड़ा ज़रूरी कार्यक्रम होने जा रहा है।'

मैंने सहज अनुमान लगाया,

'कोई नया शो-रूम, चमत्कारी वैद्य, असफल प्रेम को सफल करने का कोर्स, या फिर किसी डॉक्टर की 'हर रविवार उपलब्ध' वाली सूचना ,यही सब कुछ होगा और क्या ?'

शर्मा जी के चेहरे पर उपेक्षा का भाव उभरा,

'नहीं-नहीं गर्ग साहब! यह तो बिल्कुल अलग स्तर की चीज़ है। शहर में प्रसिद्ध चिंतामणि बाबा द्वारा चिंता शिविर लगाया जा रहा है।'

मैं चौंका।

'चिंता... शिविर?'

पम्पलेट को ध्यान से देखा। मोटे अक्षरों में कैप्शन चमक रहा था,

'चिंता दिखाओ, लाइमलाइट पाओ।'

अब तक चिंतन शिविर सुने थे, ध्यान शिविर देखे थे, पर यह नई खोज थी। शर्मा जी पूरे आत्मविश्वास से बोले,

'आज के ज़माने में चिंता करना बहुत ज़रूरी है। चिंता नहीं करोगे तो लोग तुम्हें गैर-जिम्मेदार समझेंगे। देखो न,

सरकारें देश चिंता से चलाती हैं, चैनल चिंता से टीआरपी बढ़ाते हैं और नेता चिंता से चुनाव जीतते हैं। चिंता अब कला है, इसे सीखना पड़ता है।' इसलिए चिंता शिविरों की ज़रूरत है। वहाँ सिखाया जाएगा,कितना मुँह लटकाना है, कब आह भरनी है,और किस कैमरे की तरफ़ देख कर चिंता जतानी है द्य

मैंने उन्हेंशिविर में नहीं जा पाने की मजबूरी के साथ विदा किया, तो शर्मा जी को एक और मौका मिल गया मेरी बदनसीबी पर चिंता करने को द्य

पर उनका छोड़ा हुआ विषय मुझे पकड़ कर बैठ गया। सच ही तो है,इस देश में काम भले न हो, चिंता की कोई कमी नहीं। हर गली-कूचे में चिंता बिखरी पड़ी है। संसद में चिंता है, सड़क पर चिंता है, स्टूडियो में तो चौबीसों घंटे चिंता लाइव चलती रहती है। कहीं पुल गिरा,चिंता। सरकार गिरी,महाचिंता। रुपया गिरा,राष्ट्रीय चिंता।

बस आम आदमी को देश की चिंता नहीं होती ।उसे तो बस एक ही चिंता होती है,आज शाम चूल्हा जलेगा या नहीं। लेकिन उसकी चिंता को 'चिंता' नहीं माना जाता, क्योंकि उसके लीड रोल को सपोर्ट देने के लिए न भाषण है, न बैनर है , न कैमरा है । इसलिए चिंता का ठेका बड़े-बड़े लोगों ने ले रखा है।

मेरा एक मित्र सरकारी दफ्तर में बाबू है,अत्यंत चिंताशील। उसका सिद्धांत साफ़ है,काम मत करो, बस काम की चिंता करो। सुबह बॉस के सामने ऐसा चिंतित चेहरा लेकर बैठता है कि बॉस खुद हल्का महसूस करने लगता है। धीरे-धीरे बॉस की निजी चिंताएँ भी उसी के हवाले हो जाती हैं। बॉस निश्चिंत भय , बाबू प्रमोटेड भय ,चिंता के बल पर सब कुछ संभव हुआ ।

नेताओं की चिंता तो अलग ही स्तर की होती है। उनके चेहरे पर स्थायी करुणा चिपकी रहती है। आँखों में देश, दिल में चुनाव और भाषण में जनता। उनके आँसू इतने प्रैक्टिस्ड होते हैं कि गिरते भी कैमरे के एंगल देख कर ही । कहते हैं, 'चिंता चिता समान होती है।' बिल्कुल सही,चिंता नेता करते हैं, चिता जनता की जलती है।

शर्मा जी भी चिंता-साधना में निपुण होते जा रहे हैं। उनके चेहरे पर चिंता ऐसा स्थायी भाव बन चुकी है कि घर में घुसते ही पत्नी पानी का गिलास ले आती है। एक बार गलती से वे मुस्कराते हुए घर आ गए। बस, वही दिन और आज का दिन,उसके बाद उन्होंने कसम खा ली कि खुशी के साथ घर में कदम नहीं रखेंगे। अब वे चिंता को धारण करने का विशेष प्रशिक्षण ले रहे हैं। लगता है, रिटायरमेंट के बाद राजनीति में आने की पूरी तैयारी है।

आज चिंता भी एक उद्योग बन चुकी है। मंचों पर फूल-मालाओं से लदे चिंता-ठेकेदार जब बोलते हैं, तो जनता भावुक हो जाती है। बुद्धिजीवी समाज की चिंता तो करते हैं, लेकिन उस से भे ज्यादा अपने ट्वीट के लाइक्स की गिनती की करते हैं । धर्मगुरु पापों की चिंता करते हैं, पर भक्तों की गिनती पर नज़र रखते हैं।

खैर इस रचना को पढ़कर आप भे चिंता में पड़ गए तो मेरा लिखना सार्थक हुआ ।

गंगापुर सिटी, राजस्थान

गीत

यह तुम्हारी ही व्यथा है...

सतीश कुमार सिंह

वार्ड नम्बर - 15, बाज़ारपारा , जांजगीर
जिला - जांजगीर - चाम्पा (छत्तीसगढ़)
495668
मो.7000196453

गा रहा हूँ गीत जो मैं, यह तुम्हारी ही व्यथा है
या समझ लो भोजपत्रों पर लिखी पावन कथा है
धरित्री की गंध सोंधी
और यह भीगा पवन
वेद की ये हैं ऋचाएं
इष्ट के हैं स्तवन
वेदना के ताप से विगलित हुआ जब मन अचानक
भाव यह नि:सृत हुए हैं,जब भी अंतर को मथा है
हर जगह मैं लोकमंगल का
सदा नायक रहा हूँ
रात भर जागे हुए मैं
दीप का गायक रहा हूँ
खोज में जिनके गए तुम मंदिरों की सीढ़ियों तक
पास मेरे उस नियंता का रखा असली पता है
टूटकर जीने को फिर फिर
मेरी साँसों में वजन है
मेरी वाणी में समाहित
यह समूचा ही गगन है
मैं महेश्वर की तरह विषपान करके जी रहा हूँ
किंतु मानव की कलुषमय भावना अब भी यथा है।

लघुकथा

स्पष्टवादी का प्रयोग

राजकुमार धर द्विवेदी

एक स्पष्टवादी था। सही को सही और गलत को गलत कहता। इस कारण उसे कोई पसंद नहीं करता था।

एक बार उसने सोचा कि अब केवल झूठ बोला जाए। एक दिन मंदिर के बाहर उसे एक बड़ा आदमी मिला, जो दुर्गुणों का 'खजाना' था.

'आप तो स्पष्ट और सत्य बोलते हैं। बताइए कि मेरा काम कैसा चल रहा है?' दुर्गुणी ने पूछा।

'भैया, आपका काम एक नंबर चल रहा है। आप जनता के सच्चे सेवक बन गए। आपका अतीत जरूर गड़बड़ था, लेकिन अब तो आप धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक कार्यों में आगे रहते हैं. आपकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान ने आपको सब कुछ दिया। आप बड़े दयालु और परोपकारी हैं।'

'धन्यवाद, धन्यवाद! आप यह बात कह रहे हैं तो मुझे खुशी हो रही है। मैं पूरी कोशिश करता हूं कि लोगों के काम आऊं। कोई मेरे लायक सेवा हो तो बताइए। किसी दिन घर पधारिए न ।'

दुर्गुणी के जाने के बाद स्पष्टवादी जोर से हँसा। उसने खुद से कहा, 'वाह रे दुनिया, वाह! झूठ बोला तो मान मिला, सत्य बोलता हूँ तो मार पड़ती है।'

शिवानंद नगर, सेक्टर -3, बिजली कार्यालय के पास, रायपुर (छत्तीसगढ़)। मोबाइल- 6261188013

लघुकथा

बुतयुग

संजय भारद्वाज

सारे बदहवास थे। इस तरह की बीमारी इससे पहले न देखी, न सुनी। उस लेटे हुए आदमी के अंग एक-एक कर धीरे-धीरे पत्थर होते जा रहे थे।

अचानक एक औरत की चीख सन्नाटे में गूँजने लगी। एक आदमी बालों से पकड़कर औरत को लात, मुक्कों से बेदम मार रहा था। वह चीख रही थी, मदद की गुहार लगा रही थी। भीड़ चुप थी। आदमी ने हैवान की मानिंद चाकू से कई वार औरत पर किए। औरत अब लोथड़ा थी। आदमी जा चुका था। भीड़ मर चुकी थी।

एकाएक शोर उठा। ' अरे आदमी बुत में बदल गया, आदमी बुत में बदल गया।' लेटा हुआ आदमी ऊपर से नीचे तक पूरा पत्थर हो चुका था।

बुत युग की यह शुरुआत थी।

संक्षिप्त खबरें

सुशासन तिहार से संवर रहा बच्चों का भविष्य

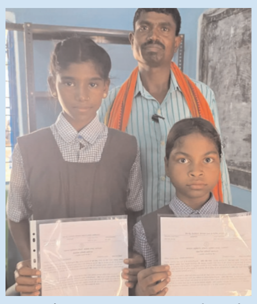

सरगुजा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। शासन की इस पहल से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आवश्यक शासकीय सेवाएं और प्रमाण पत्र अब उनके गांव में ही उपलब्ध हो रहे हैं।

सरगुजा जिले के लखनपुर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत लटोरी में आयोजित समाधान शिविर में ग्राम गुमगरा निवासी देवनंदन की समस्या का त्वरित निराकरण किया गया। उनके बच्चों के जाति और निवास प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण छात्रवृत्ति एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ मिलने में कठिनाई हो रही थी। सुशासन तिहार के तहत आयोजित शिविर में देवनंदन ने आवेदन प्रस्तुत किया। प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए एक ही आवेदन पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और उनके बच्चों के जाति एवं निवास प्रमाण पत्र तैयार कर समाधान शिविर में ही सौंप दिए। प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर देवनंदन ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनके बच्चों को छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ मिल सकेगा और उनकी शिक्षा का मार्ग सुगम होगा। उन्होंने बताया कि पहले इस कार्य के लिए कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन सुशासन तिहार के कारण गांव में ही समस्या का समाधान हो गया। देवनंदन ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की इस पहल से आम लोगों को बड़ी सुविधा मिल रही है। एक ही आवेदन पर बच्चों के सभी जरूरी प्रमाण पत्र मिल जाना उनके परिवार के लिए बड़ी राहत है। उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार के तहत आयोजित समाधान शिविरों में जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित मामलों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है।

किसान निर्मल राम को मिली आर्थिक मजबूती

सरगुजा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार किसानों के लिए राहत और सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रहा है। शासन की इस पहल के तहत गांव-गांव आयोजित समाधान शिविरों में किसानों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है और उन्हें विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ सीधे उपलब्ध कराया जा रहा है। सरगुजा जिले के ग्राम लटोरी निवासी किसान निर्मल राम को सुशासन तिहार के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का लाभ मिला है। केसीसी बनने से अब उन्हें खेती-किसानी के लिए आवश्यक आर्थिक सहायता, खाद और बीज की उपलब्धता पहले की अपेक्षा अधिक सहज हो गई है। निर्मल राम ने बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड नहीं होने के कारण उन्हें खेती के दौरान आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पूंजी की कमी के चलते खाद और बीज निजी दुकानों से अधिक कीमत पर खरीदने पड़ते थे, जिससे खेती की लागत बढ़ जाती थी। सुशासन तिहार के तहत आयोजित शिविर में आवेदन देने के बाद उनका किसान क्रेडिट कार्ड तत्काल बनाकर प्रदान किया गया। अब वे सहकारी समिति के माध्यम से कृषि ऋण प्राप्त कर सकेंगे तथा उचित मूल्य पर खाद और बीज भी आसानी से उपलब्ध होंगे। इससे खेती की लागत कम होगी और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

112 बनी संजीवनी , युवको को पहुंचाया अस्पताल

कोंड़ागांव। जिले के केशकाल थाना क्षेत्र अंतर्गत सुरडोंगर के समीप एक सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दो युवक घायल हो गए। दोनों युवक बाइक से अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सड़क पर अचानक एक कुत्ता आ जाने से चालक का संतुलन बिगड़ गया और मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में दोनों युवकों को चोटें आईं। घटना के बाद राहगीरों द्वारा तत्काल डायल 112 को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केशकाल पहुंचाया। अस्पताल में दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों युवकों की स्थिति फिलहाल सामान्य है और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय देख-रेख में रखा गया है।

नक्सल डंप से इंसास रायफल सहित कारतूस बरामद

सुकमा। जिले में आत्मसमर्पण कर चुके पूर्व नक्सलियों से सूचना पर किस्टाराम के कुम्माडोंग जंगल-पहाड़ी इलाके में पुलिस ने नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री का डंप बरामद किया है। बरामद सामग्री में एक इंसास रायफल सहित बड़ी मात्रा में कारतूस और विस्फोटक पदार्थ मिले हैं।

सुकमा एसपी किरण चौहान ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जिले में लगातार सर्चिंग और एरिया डॉमिनेशन अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत पुलिस को आत्मसमर्पण कर चुके पूर्व नक्सलियों से सूचना मिली थी कि, नक्सली संगठन ने कुम्माडोंग के जंगल क्षेत्र में हथियार और अन्य सामग्री छिपाकर रखी है। सूचना पर पुलिस की टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जंगल और पहाड़ी क्षेत्र में तलाशी के दौरान जवानों को एक संदिग्ध स्थान मिला, जहां नक्सलियों ने हथियार और गोला-बारूद डंप कर रखा था। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए टीम ने मौके से सामग्री बरामद कर जब्त कर ली। बरामद सामग्री में एक इंसास रायफल, 49 इंसास कारतूस, 12 एसएलआर कारतूस, 27 नग 303 कारतूस, 16 नग 8 एमएम कारतूस, 7 मस्केट कारतूस और 7 नग 12 बोर कारतूस शामिल हैं। इसके अलावा दो बंडल कॉर्डेक्स वायर (करीब 30 मीटर), तीन इंसास मैग्जीन, 6 वायरलेस सेल, एक पोच और 2 स्टील का डिब्बा भी मिला है।

3 किलो वजनी प्रेशर कुकर आईईडी बरामद

कांकेर। कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम गट्टाकाल के जंगल-पहाड़ी इलाके में सुरक्षाबलों ने सर्चिंग अभियान के दौरान शनिवार को 3 किलो वजनी प्रेशर कुकर आईईडी बरामद किया है। जिला पुलिस, बीएसएफ और बीडीएस की संयुक्त कार्रवाई में बरामद प्रेशर कुकर आईईडी को सुरक्षा मानको का पालन करते हुए इसे मौके पर ही सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया। जिले से नक्सलवाद के खात्में के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में कांकेर और सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षाबल के जवानों द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

मुद्रा लोन और विहान योजना ने बदली जिंदगी, बनीं लखपति दीदी

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए संचालित योजनाएं जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। इन योजनाओं का लाभ लेकर जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड के ग्राम बुढाडांड की प्रीति गुप्ता आज सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। अपने परिश्रम, लगन और शासन की सहायता से उन्होंने लखपति दीदी बनने का सपना साकार किया है। लक्ष्मी स्व-सहायता समूह से जुड़ी प्रीति गुप्ता को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत एक लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस आर्थिक सहयोग का उपयोग उन्होंने अपने व्यवसाय की शुरुआत करने में किया। उन्होंने गांव में दुर्गा श्रृंगार एवं किराना दुकान की स्थापना की, जहां सौंदर्य प्रसाधनों से लेकर दैनिक उपयोग की विभिन्न वस्तुएं उपलब्ध कराई जाती हैं। प्रारंभ में छोटे स्तर पर शुरू किए गए इस व्यवसाय को प्रीति ने ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझते हुए लगातार विस्तार दिया। आज उनकी दुकान गांव की प्रमुख दुकानों में शामिल है और आसपास के ग्रामीणों के लिए आवश्यक वस्तुओं का प्रमुख केंद्र बन चुकी है। मुद्रा लोन से मिली आर्थिक सहायता और उनके निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि आज वे अपने व्यवसाय से प्रतिवर्ष लगभग 2.50 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित कर रही हैं। इस आय से न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि वे आत्मनिर्भरता और महिला उद्यमिता की प्रेरक मिसाल भी बन गई हैं।

मोटर साइकिल चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

दंतेवाड़ा। जिले के गीदम थाना क्षेत्र में मोटर साइकिल चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई दो मोटर साइकिलें बरामद की है।

गीदम पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी ने थाना गीदम में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी मोटरसाइकिल तथा उसके गैरेज में मरम्मत के लिए आइ अन्य मोटरसाइकिल को अज्ञात चोर हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर जावंगा के पास से चोरी कर ले गए। शिकायत के आधार पर थाना गीदम में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मुखबिर की सूचना, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर पुलिस ने संदेहियों की पहचान कर पूछताछ की। पूछताछ में राम मरावी (27 वर्ष), तथा राम रवानी (19 वर्ष), जिला दंतेवाड़ा ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर दोनों मोटरसाइकिलें चोरी करना स्वीकार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई दोनों मोटरसाइकिलें बरामद कर जब्त कर ली गईं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्यवाही उपरांत न्यायिक रिमांड पर रवाना किया गया। पुलिस के अनुसार मामले में शामिल अन्य आरोपी की तलाश जारी है, और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक शशिकांत यादव, सहायक उप निरीक्षक प्रशांत सिंह, वेद साहू, प्रधान आरक्षक राजकुमार सिंह, नथलू कवासी तथा आरक्षक बालचंद गावड़े का योगदान रहा। दंतेवाड़ा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों को सुरक्षित स्थान पर खड़ा करें, सुरक्षा उपाय अपनाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस या डायल 112 को दें।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने मारी टक्कर बाइक सवार की मौत

जगदलपुर। जिले के परपा थाना क्षेत्र के तोकापाल पेट्रोल पंप के पास एक बाइक सवार को पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने ठोकर मार दी घटना इतनी जबरदस्त थी, कि बाइक के परखच्चे उड़ गए, इस भीषण दुर्घटना में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार तोकापाल की ओर से एक बाइक सवार जगदलपुर की ओर आ रहा था, इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने ठोकर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि बाइक का पहिया टूटकर बाहर फेका गया। वही बाइक चालक दूर जा गिरा। हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अनिल बघेल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अनिल किसी कार्य से तोकापाल की ओर आया था। स्थानीय नागरिकों के अनुसार इस हाईवे के किनारे कई कॉलोनियां बसी हुई हैं, जहां लोगों का दिनभर आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में तेज रफ्तार वाहनों और खराब सड़क की वजह से दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है। लोगों का कहना है कि एनएच-63 का यह हिस्सा लंबे समय से सड़क हादसों के लिए बदनाम होता जा रहा है।

बस्तर में प्री-मानसून की फुहार

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में बस्तर सहित कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश शुरू हो गई है। वहीं छत्तीसगढ़ मध्य इलाके भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है, इन क्षेत्रों में 42 डिग्री के करीब तापमान दर्ज हो रहा है। मौसम विभाग ने बस्तर सहित कई इलाकों में संभावना जताई है कि प्रदेश में अगले 5 दिनों तक एक-दो स्थानों पर मेघगर्जन की गतिविधि के साथ तेज हवा, वज्रपात और वर्षा जारी रहेगी।

बस्तर संभाग के कुआकोंडा में 4 सेंटीमीटर, बड़े बचेली में 3 सेंटीमीटर, सुकमा, तोंगपाल में 2-2 सेंटीमीटर बारिश हुई है। वहीं गादीरास, छिंदगढ़ में भी बारिश हुई है। मौसम विज्ञानी एच.पी. चंद्रा ने जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ में लगातार नमी आ रही है, बस्तर में वर्षा भी हो रही है। मानसून के लिए तय मानकों के अनुरूप वर्षा होने और परिस्थितियों पर नजर बनाये हुए हैं। अगले 2-3 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के मध्य अरब सागर के कुछ और हिस्सों, पूरे गोवा, महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश के कुछ हिस्सों, कर्नाटक के कुछ और हिस्सों, तमिलनाडु के शेष हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, पश्चिम-मध्य, पूर्व मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में आगे बढने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और यह समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर तक फैला हुआ है।

दूरस्थ अंचलों में पेयजल संकट दूर

नए सोलर पंपों की स्थापना से हजारों ग्रामीणों को मिली राहत

सूरजपुर। प्रदेश के दूरस्थ, पहाड़ी एवं जनजातीय अंचलों में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों और निर्देशों से महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। मंत्री के मार्गदर्शन में सूरजपुर जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा बंद पड़े सोलर पेयजल पंपों की मरम्मत तथा नए पंपों की स्थापना कर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को पुनः सुचारु किया गया है।

सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड सहित विभिन्न दूरस्थ ग्रामों में तकनीकी खराबी के कारण प्रभावित पेयजल योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया गया। ग्राम करौटी-ए (परसापारा), कोलुहा भाटपारा एवं बैजानपाठ में नए मोटर पंप स्थापित कर सोलर पंपों को पुनः कार्यशील बनाया गया, जिससे ग्रामीणों को नियमित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने लगा है। इसके अलावा भैयाथान विकासखंड के दतिमा आमापारा इंद्रावास, कसकेला औरापारा तथा सूरजपुर विकासखंड के लटोरी कुशवाहापारा एवं मंजीरा फुलवारपारा में भी खराब सोलर पंपों की मरम्मत कर पेयजल आपूर्ति बहाल की गई। वहीं चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के भाटपारा गांव में नया मोटर पंप स्थापित कर लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या का समाधान किया गया, जिससे विशेष रूप से पंडो समुदाय के परिवारों को बड़ी राहत मिली है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि प्रदेश के अंतिम छोर तक मूलभूत सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार निगरानी और त्वरित कार्रवाई की जा रही है, ताकि किसी भी ग्रामीण को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों ने पेयजल व्यवस्था बहाल होने पर राज्य सरकार, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें घर के समीप ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। यह पहल ग्रामीण जीवन को सुगम बनाने, महिलाओं एवं बच्चों के श्रम की बचत करने तथा जनजातीय अंचलों में जीवन स्तर सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

अतिरिक्त आमदनी का जरिया बना दुग्ध उत्पादन

महासमुंद। प्रदेश के ग्रामीण किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कृषि के साथ ही अन्य व्यवसायों से जोड़ा जा रहा है। इसी कड़ी में महासमुंद जिले में कृषि के साथ-साथ पशुपालन से ग्रामीणों की आजीविका से जोड़ा गया है। जिले में करीब 1,78,533 गौवंशीय एवं 12,776 भैंसवंशीय सहित कुल 1,91,309 पशुधन उपलब्ध है। जिले में वर्तमान में दुग्ध उत्पादन एवं दुग्ध व्यवसाय लगातार प्रगति पर है तथा प्रतिदिन बड़ी मात्रा में दूध का क्रय-विक्रय किया जा रहा है। पशुधन विकास विभाग क जानकारी के अनुसार देवभोग दुग्ध महासंघ द्वारा जिले से प्रतिदिन लगभग 17 हजार 200 लीटर दूध क्रय किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त निजी डेयरियों द्वारा भी किसानों से बेहतर दर एवं समय पर भुगतान कर बड़ी मात्रा में दूध खरीदा जा रहा है। निजी डेयरियों में हर्षन डेयरी सरायपाली द्वारा प्रतिदिन 6000 लीटर, शारदा डेयरी सरायपाली द्वारा 4000 लीटर, प्रगति डेयरी सरायपाली द्वारा 2000 लीटर, शारदा डेयरी पिथौरा द्वारा 4000 लीटर तथा गाया डेयरी महासमुंद द्वारा प्रतिदिन 1000 लीटर दूध क्रय किया जा रहा है। इस प्रकार निजी डेयरियों द्वारा प्रतिदिन लगभग 17 हजार लीटर दूध खरीदा जा रहा है। देवभोग दुग्ध महासंघ एवं निजी डेयरियों को मिलाकर जिले से प्रतिदिन लगभग 34 हजार लीटर दूध का विक्रय दुग्ध समितियों के माध्यम से किया जा रहा है, जो विगत वर्ष की तुलना में अधिक है। यहां जिले में किसानों को दुग्ध विपणन का कार्य में दुग सहकारी समितियों से जोड़ा गया है।

वैश्विक तनावों के बीच लगातार दूसरे सप्ताह गिरा बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में आई 0.70 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक इस सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुए। घरेलू स्तर पर उठाए गए कुछ सकारात्मक नीतिगत कदमों का असर वैश्विक अनिश्चितताओं और बाहरी चुनौतियों के कारण सीमित रहा।

सप्ताह के दौरान निफ्टी 50 में 0.77 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को निफ्टी 0.21 प्रतिशत टूटकर 23,366 स्तर पर बंद हुआ।

वहीं, कारोबार समाप्त होने पर सेंसेक्स 116.67 अंकों यानी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,243.34 पर बंद हुआ। पूरे सप्ताह में सेंसेक्स में 0.71 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और उसके कारण कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव निवेशकों की धारणा पर लगातार दबाव बनाते रहे।

हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में कुछ नरमी आने से बाजार को बीच-बीच में राहत भी मिली।

एक बाजार विश्लेषक ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार पूरे सप्ताह सीमित दायरे में कारोबार करता रहा और इसमें हल्का नकारात्मक रुख देखने को मिला। हालांकि सप्ताह के अंत में बाजार में कुछ सुधार भी देखा गया।

विश्लेषकों के अनुसार, आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) द्वारा उठाए गए तरलता बढ़ाने वाले कदमों और रुपए की स्थिरता ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया।

लेकिन आर्थिक विकास दर के अनुमान में कटौती ने निवेशकों के उत्साह को कम किया और कई निवेशकों ने मुनाफावसूली का रास्ता अपनाया।

विशेषज्ञों के अनुसार, विदेशी निवेशकों के लिए निवेश को आसान बनाना, बॉन्ड बाजार में कर संबंधी बाधाओं को कम करना और पूंजी प्रवाह को प्रोत्साहित करना बाजार के लिए सकारात्मक कदम रहे।

इस दौरान भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ और 95 रुपए के स्तर से नीचे पहुंच गया।

निवेशकों ने विदेशी पूंजी आकर्षित करने और रुपए को स्थिर बनाए रखने के लिए आरबीआई द्वारा किए गए प्रयासों का स्वागत किया।

कुल मिलाकर, बाहरी चुनौतियों के बावजूद घरेलू आर्थिक मजबूती के कारण बाजार की धारणा सतर्क लेकिन स्थिर बनी रही।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अब निवेशकों का ध्यान आरबीआई की सहयोगी नीतियों की निरंतरता, महंगाई की दिशा और बॉन्ड प्रतिफल (यील्ड) के रुख पर रहेगा।

उन्होंने कहा कि कंपनियों के तिमाही नतीजों का मौसम समाप्त हो चुका है, इसलिए अब बाजार सीमित दायरे में कारोबार कर सकता है। निवेशक आर्थिक विकास की गति और वैश्विक स्थिरता को लेकर अधिक स्पष्ट संकेतों का इंतजार करेंगे।

आयुष्मान भारत वय वंदना योजना के तहत 1.20 करोड़ से अधिक वरिष्ठ नागरिक जुड़े, 13.84 लाख से ज्यादा इलाज हुए

नई दिल्ली । सरकार ने शनिवार को बताया कि आयुष्मान भारत वय वंदना योजना के तहत अब तक 1.20 करोड़ से अधिक वरिष्ठ नागरिकों का पंजीकरण किया जा चुका है। इस योजना के अंतर्गत 13.84 लाख से ज्यादा उपचार किए गए हैं, जिनकी कुल लागत लगभग 3,000 करोड़ रुपए रही है।

सरकार के अनुसार, मिशन इंद्रधनुष अभियान के तहत उन 5.46 करोड़ बच्चों और 1.32 करोड़ गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया, जिन्हें पहले कोई टीका नहीं लगा था।

एक अधिकारिक बयान में कहा गया कि वर्ष 2023 में बिना कोई टीका प्राप्त करने वाले बच्चों (जीरो-डोज बच्चों) की हिस्सेदारी कुल आबादी का 0.11 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2024 में घटकर 0.06 प्रतिशत रह गई।

सरकार सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) चला रही है, जिसके तहत हर साल 2.67 करोड़ नवजात शिशुओं और 2.9 करोड़ गर्भवती महिलाओं को 12 बीमारियों से बचाव के लिए मुफ्त टीके उपलब्ध कराए जाते हैं।

पिछले 12 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए सरकार ने कहा कि 44 करोड़ से अधिक परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिला है और 1.86 लाख से ज्यादा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित किए जा चुके हैं।

सरकार ने बताया कि 18,000 से अधिक जन औषधि केंद्रों के माध्यम से जेनेरिक दवाएं बाजार कीमतों की तुलना में 50 से 90 प्रतिशत तक कम कीमत पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

बयान के अनुसार, देश में अब तक 47 करोड़ से अधिक टेलीमेडिसिन परामर्श सेवाएं दी जा चुकी हैं। वहीं, मेडिकल कॉलेजों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है और वर्ष 2014 के बाद 12 नए एम्स संस्थान कार्यरत हो चुके हैं।

सरकार ने यह भी कहा कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को औपचारिक रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली का हिस्सा बनाया गया है।

2026 में अब तक टेक सेक्टर में गई 1 लाख से ज्यादा नौकरियां, सिर्फ मई में करीब 29,000 कर्मचारियों की हुई छंटनी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 के पहले पांच महीनों में प्रौद्योगिकी (टेक) सेक्टर में 1 लाख से अधिक नौकरियां खत्म हो चुकी हैं। इनमें से केवल मई महीने में ही करीब 28,900 कर्मचारियों की छंटनी की गई है।

लेऑफ डॉट एफवाईआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इस वर्ष अब तक कुल 1,16,739 टेक कर्मचारियों की नौकरी जा चुकी है। रिपोर्ट में बताया गया कि मई 2025 में केवल 10,577 नौकरियों में कटौती की घोषणा हुई थी, जबकि इस साल मई में यह संख्या बढ़कर 28,889 हो गई, जो पिछले साल की तुलना में दोगुने से भी अधिक है।

हालांकि, इस साल अब तक छंटनी के लिहाज से मार्च सबसे खराब महीना रहा। मार्च में 46,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया।

रिपोर्ट के अनुसार, उबर, मेटा, क्लाउडफ्लेयर, इंट्यूट, पेपाल, सिस्को, क्वोरा और कॉइनबेस जैसी बड़ी कंपनियों ने बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छंटनी की।

उबर ने खुलासा किया कि उसकी 'पीपल एंड प्लेसेस' डिवीजन में 23 प्रतिशत कर्मचारियों की कटौती की गई। हालांकि, यह कंपनी के लगभग 34,000 कर्मचारियों वाले वैश्विक कार्यबल का 1 प्रतिशत से भी कम हिस्सा है।

उबर की 'पीपल एंड प्लेसेस' डिवीजन मानव संसाधन, भर्ती, कार्यस्थल सुविधाओं और कंपनी संस्कृति से जुड़े कार्यों का प्रबंधन करती है।

इसके अलावा, मेटा ने घोषणा की कि वह अपने वैश्विक कर्मचारियों की संख्या में 10 प्रतिशत कटौती कर रही है। साथ ही करीब 7,000 कर्मचारियों को एआई-आधारित भूमिकाओं में स्थानांतरित किया जा रहा है।

वहीं, कई रिपोर्टों के अनुसार, पेपाल ने मई में अगले दो से तीन वर्षों के दौरान अपने लगभग 20 प्रतिशत कर्मचारियों यानी करीब 4,760 पदों को समाप्त करने की योजना की घोषणा की। कंपनी का उद्देश्य लागत कम करना और एआई को तेजी से अपनाना है।

अमेरिका की प्रौद्योगिकी कंपनी सिस्को ने मई की शुरुआत में अपने वैश्विक कार्यबल के लगभग 5 प्रतिशत यानी 4,000 कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की। कंपनी यह निवेश एआई, साइबर सुरक्षा और अन्य उभरते क्षेत्रों में करना चाहती है।

वहीं, अमेरिका की सॉफ्टवेयर कंपनी क्लिकअप ने भी परिचालन पुनर्गठन के तहत मई में अपने कर्मचारियों की संख्या में 22 प्रतिशत की कटौती की। कंपनी का लक्ष्य एआई-आधारित भूमिकाओं के जरिए उत्पादकता को '100 गुना' तक बढ़ाना है।

भारत भविष्य के लिए तैयार डिजिटल अर्थव्यवस्था बना रहा है : जितिन प्रसाद

नई दिल्ली। सरकार के अनुसार, भारत इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और टेक्नोलॉजी के मामले में आत्मनिर्भरता पर आधारित एक ऐसी डिजिटल इकोनॉमी बना रहा है जो भविष्य के लिए तैयार है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' और 'इंडिया एआई मिशन' जैसी प्रमुख पहलें रिसर्च, मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन-आधारित विकास के लिए नए रास्ते खोल रही हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार प्रगतिशील नीतियों, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और टेक्नोलॉजी तक बेहतर पहुंच के जरिए एक अनुकूल इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईटी मंत्रालय के तहत 'सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया' (एसटीपीआई) ने यहां 'एसटीपीआई टेक समिट 2026: इंडियाज नेक्स्ट लीप' का आयोजन किया, जिसमें सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, वेंचर कैपिटलिस्ट और इकोसिस्टम को बढ़ावा देने वाले लोग शामिल हुए।

प्रसाद ने कहा कि जैसे-जैसे भारत ग्लोबल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में लीडर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, एसटीपीआई जैसे संस्थान एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने, इनोवेशन को पोषित करने, उभरते टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को मजबूत करने और ग्लोबल मार्केट के लिए वर्ल्ड-क्लास समाधानों के विकास को सक्षम करने में अहम भूमिका निभाएंगे।'

मीटी (MeitY) के सेक्रेटरी एस कृष्णन ने एसटीपीआई के 35 साल पूरे होने पर कहा कि हमें आगे के मौकों की पहचान करनी चाहिए और उभरते क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए इसकी मजबूत विरासत का लाभ उठाना चाहिए।

एसटीपीआई की सबसे बड़ी ताकतों में से एक हमेशा से इसकी लोगों को एक साथ लाने की क्षमता रही है, यानी एंटरप्रेन्योर्स, मेंटर्स, वेंचर कैपिटलिस्ट और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को एक साथ लाकर इनोवेशन के लिए जरूरी माहौल तैयार करना।

कृष्णन ने कहा, 'एसटीपीआई ने पूरे देश में, नॉर्थ-ईस्ट से लेकर बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे स्थापित टेक्नोलॉजी हब तक, सफलतापूर्वक संपर्क बनाए हैं, जिससे उभरते हुए सेंटर्स तक मेंटरशिप, विशेषज्ञता और पूंजी का प्रवाह संभव हो पाया है।'

उन्होंने कहा कि इन जगहों पर स्टार्टअप्स को सपोर्ट करके, इनोवेशन को बढ़ावा देकर और टेक्नोलॉजी में निवेश लाकर, एसटीपीआई भारत के युवाओं की उम्मीदों को पूरा करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

दिल्ली सचिवालय से नई इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवा को हरी झंडी दिखाई गई

नई दिल्ली। दिल्ली को हरित और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में रेखा गुप्ता सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर दिल्ली सचिवालय से पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने नई ऐप-आधारित इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार, पहले चरण में दिल्ली-एनसीआर में 1,000 इलेक्ट्रिक टैक्सियों की शुरुआत की गई है। साथ ही एक नया मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया गया है। कंपनी का लक्ष्य अगले एक वर्ष के भीतर दिल्ली-एनसीआर में 10,000 इलेक्ट्रिक टैक्सियों का संचालन शुरू करना है।

इस अवसर पर जीएसएम के ग्लोबल सीईओ गुयेन वान थान्ह और विंग्रुप एशिया के सीईओ फाम सान्ह चाऊ भी मौजूद रहे। वियतनाम की कंपनी ग्रीन एसएम ने तमिलनाडु में अपना मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित किया है और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत भारत में बड़ा विदेशी निवेश (एफडीआई) किया है।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार प्रदूषण कम करने और लोगों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने के लिए लगातार हरित पहलों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि बड़े स्तर पर वृक्षारोपण, स्वच्छ तकनीकों का उपयोग और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अपनाना स्वस्थ दिल्ली बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यह नई टैक्सी सेवा भी इसी प्रयास का अहम हिस्सा है।

परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली सचिवालय से इलेक्ट्रिक वाहन आधारित इस सेवा की शुरुआत राजधानी को स्वच्छ, हरित और प्रदूषण मुक्त बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, दिल्ली ईवी नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जिसका उद्देश्य स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देना, वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करना और वायु गुणवत्ता में सुधार लाना है।

मंत्री मनजिंदर सिरसा ने बताया कि ये इलेक्ट्रिक वाहन 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के मजबूत उदाहरण हैं। भारत में निर्मित ये वाहन देश की बढ़ती तकनीकी क्षमता और विनिर्माण शक्ति को प्रदर्शित करते हैं।

सुरक्षा के लिहाज से इन टैक्सियों में अत्याधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। इनमें एआई आधारित अंदर और बाहर की कैमरा निगरानी, रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम और ड्राइवर व यात्रियों दोनों के लिए इमरजेंसी एसओएस बटन शामिल हैं। हर वाहन में सड़क, ड्राइवर और यात्री क्षेत्र की निगरानी के लिए अलग-अलग कैमरे लगाए गए हैं।

मनजिंदर सिरसा ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। कंपनी भविष्य में अपने संचालन में महिला ड्राइवरों की भागीदारी बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है।

वित्त वर्ष 2027 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान: रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में अपेक्षा से बेहतर 7.7 प्रतिशत की वृद्धि के बाद वित्त वर्ष 2027 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी, सामान्य से कमजोर मानसून और बढ़ती महंगाई का असर खपत और आर्थिक विकास पर पड़ सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया, 'वित्त वर्ष 2026 में निजी खपत को मिले राजकोषीय समर्थन, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दरों में कटौती, वैश्विक अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति, कम महंगाई, अनुकूल मानसून और कच्चे तेल की कम कीमतों के कारण आर्थिक वृद्धि अनुमान से बेहतर रही।'

रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 में इनमें से कई कारक प्रतिकूल हो सकते हैं और आर्थिक वृद्धि पर दबाव डाल सकते हैं।

क्रिसिल इंटेलिजेंस के मुताबिक, पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद कच्चे तेल की कीमतें पिछले एक दशक के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं और चालू वित्त वर्ष में इनके औसतन 90 से 95 डॉलर प्रति बैरल के बीच बने रहने की संभावना है।

वहीं, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून सीजन में दीर्घकालिक औसत का 90 प्रतिशत वर्षा होने का अनुमान जताया है, जो सामान्य से कम बारिश का संकेत देता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अल नीनो जैसी परिस्थितियों की संभावना कृषि उत्पादन पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 में महंगाई बढ़कर 5.1 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जबकि वित्त वर्ष 2026 में यह 2.1 प्रतिशत थी। इससे निजी खपत पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

रिपोर्ट में कहा गया कि ऊर्जा, परिवहन और अन्य इनपुट लागतों में तेज बढ़ोतरी का बोझ उत्पादक उपभोक्ताओं पर डाल सकते हैं, जिससे कोर महंगाई बढ़ने की संभावना है।

इसके अलावा, पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण इस वर्ष वैश्विक मांग कमजोर रहने की संभावना है, जिसका असर भारत के निर्यात पर भी पड़ सकता है।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि फरवरी के अंत में शुरू हुए और मार्च में तेज हुए पश्चिम एशियाई संघर्ष से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बनी रही।

निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) की वृद्धि दर पिछली तिमाही के 8.2 प्रतिशत की तुलना में 7.1 प्रतिशत रही।

अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार 60,000 डॉलर के नीचे फिसला बिटकॉइन

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार 60,000 डॉलर के स्तर से नीचे गिर गया। इसके साथ ही बिटकॉइन में जारी गिरावट और तेज हो गई है। अक्टूबर में 1.26 लाख डॉलर से अधिक के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद से यह अपनी कीमत का आधे से ज्यादा हिस्सा गंवा चुका है।

शनिवार सुबह बिटकॉइन में करीब 7 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई और इसकी कीमत 59,101 डॉलर तक पहुंच गई। बाद में यह 59,743.21 डॉलर के आसपास कारोबार करता देखा गया।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, बिटकॉइन पर दबाव का एक बड़ा कारण तरलता (लिक्विडिटी) में बदलाव है, खासकर संस्थागत निवेशकों की ओर से निवेश कम किए जाना।

साथ ही निवेशकों की पूंजी अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रक्षा, ऊर्जा और बुनियादी ढांचा जैसे क्षेत्रों की ओर बढ़ रही है, जिससे क्रिप्टोकरेंसी बाजार से पूंजी निकल रही है।

विश्लेषकों का कहना है कि सोने और एआई से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में बढ़ती दिलचस्पी ने भी क्रिप्टोकरेंसी की मांग को प्रभावित किया है। इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं को लेकर निवेशकों के बदले हुए नजरिए का भी क्रिप्टो बाजार पर असर पड़ा है।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अब निवेशकों की नजर इस बात पर रहेगी कि क्या बिटकॉइन 60,000 से 62,000 डॉलर के महत्वपूर्ण समर्थन स्तर को बनाए रख पाता है या नहीं।

यदि यह स्तर बना रहता है तो बाजार में निवेशकों का भरोसा फिर से लौट सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश प्रवाह, संस्थागत भागीदारी, वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम और भू-राजनीतिक परिस्थितियां निकट भविष्य में बिटकॉइन की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक होंगे।

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि क्रिप्टोकरेंसी बाजार के अगले विकास चरण को स्पष्ट नियामकीय ढांचे, स्टेबलकॉइन में नवाचार और वास्तविक परिसंपत्तियों के टोकनाइजेशन से गति मिलेगी।

विशेषज्ञों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे अल्पकालिक कीमतों में उतार-चढ़ाव पर ध्यान देने के बजाय अपने निवेश अवधि, जोखिम प्रबंधन और पोर्टफोलियो आवंटन पर अधिक फोकस करें।

क्रिप्टो मार्केट में उत्साह उस समय और कम हो गया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने केविन वॉर्श को फेडरल रिजर्व के नए चेयरमैन पद के लिए अपनी पसंद बताया।

भारत का ऐसा बाजार जो हफ्ते में सिर्फ 3 घंटे रहता है खुला!

मिलते हैं अनोखी चीजें, जानें क्यों हैं खास?

भारत में कुछ ऐसे अनोखे बाजार भी हैं जो हफ्ते में सिर्फ 3 घंटे के लिए ही लगते हैं, लेकिन फिर भी यहां भारी भीड़ देखने को मिलती है। असम के मॉयोंग, नागालैंड के दीमापुर और दिल्ली के कुछ संडे मार्केट जैसे स्थानों पर लोग दूर-दूर से खरीदारी करने पहुंचते हैं, जहां स्थानीय सामान और पारंपरिक चीजों की खास झलक मिलती है।

असम का मायोंग (जादुई बाजार)

असम के मोरीगांव जिले का Mayong सबसे रहस्यमयी जगहों में से एक माना जाता है। इसे "जादुई गांव" भी कहा जाता है क्योंकि यहां तंत्र-मंत्र और लोक मान्यताओं की पुरानी परंपरा रही है। यहां लगने वाला साप्ताहिक बाजार हर हफ्ते कुछ ही घंटों के लिए खुलता है।

नागालैंड का दीमापुर बाजार

नागालैंड के Dimapur में लगने वाला साप्ताहिक बाजार भी काफी मशहूर है। यहां स्थानीय लोग अपने खेतों से लाए हुए ताजे फल, सब्जियां, बाजरा, सूखे खाद्य पदार्थ और पारंपरिक चीजें बेचते हैं।

दिल्ली के संडे मार्केट

भारत की राजधानी दिल्ली में भी ऐसे बाजार देखने को मिलते हैं जो सीमित समय के लिए ही लगते हैं। यहां कपड़े, जुते, घरेलू सामान और सस्ते फैशन आइटम्स की भरमार रहती है। कम कीमत और बड़ी भीड़ की वजह से ये बाजार हमेशा चर्चा में रहते हैं।

क्यों खास हैं ये बाजार?

इन बाजारों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये सिर्फ खरीदारी की जगह नहीं हैं, बल्कि लोगों के मिलने-जुलने और लोकल संस्कृति को समझने का जरिया भी हैं। सीमित समय होने की वजह से यहां खरीदारी बहुत तेज होती है और पूरा माहौल कुछ ही घंटों में बदल जाता है।

आज भी जिंदा है पुरानी परंपरा

आज भले ही ऑनलाइन शॉपिंग और बड़े मॉल आ गए हों, लेकिन नॉर्थ-ईस्ट के ये साप्ताहिक हाट अभी भी वैसे ही चलते हैं। यहां आपको असली गांव की जिंदगी देखने को मिलती है। इसी वजह से ये छोटे से बाजार सिर्फ खरीदारी की जगह नहीं हैं, बल्कि एक पूरी संस्कृति और परंपरा का हिस्सा हैं, जिसे लोग आज भी बहुत दिल से निभाते हैं।

शेर से बेहतर क्यों है कॉकरोच बनना? मुश्किल समय में टिके रहने का यह फॉर्मूला बदल देगा आपकी जिंदगी

जब भी हौसले या ताकत की बात आती है, तो हम सब खुद को 'शेर' की तरह देखने की कोशिश करते हैं. कहानियों से लेकर मोटिवेशनल रील्स तक, हमें हमेशा 'शेर जैसी दहाड़' और 'जंगल के राजा जैसी ताकत' बनने की सलाह दी जाती है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि असल जिंदगी में शेर बनने से कहीं ज़्यादा फायदेमंद 'कॉकरोच' बनना है? सुनने में यह थोड़ा अजीब और शायद थोड़ा घिनौना भी लग सकता है, लेकिन मशहूर लेखक चेतन भगत ने हाल ही में एक टॉक शो में यही बात कही है. उनके अनुसार, जिंदगी की असली ताकत इस बात में नहीं है कि आप कितने ताकतवर हैं, बल्कि इस बात में है कि आप बदलते हालात के साथ खुद को कितनी जल्दी ढाल लेते हैं. आइए जानते हैं कि चेतन भगत ने ऐसा क्यों कहा और इसमें हमारी लाइफ, करियर और रिश्तों को बेहतर बनाने का क्या सीक्रेट छिपा है.

सिर्फ ताकत हमेशा काम नहीं आती!

चेतन भगत का कहना है कि हम शेर को अपनी प्रेरणा (इंसपिरेशन) इसलिए मानते हैं क्योंकि वह ताकतवर दिखता है और उसका एक रुतबा होता है. लेकिन असल जिंदगी सिर्फ ताकत के भरोसे नहीं चलती. जब परिस्थितियां बदलती हैं, सूखा पड़ता है या जंगल का माहौल बदलता है, तो शेर के लिए भी सर्वाइव करना मुश्किल हो जाता है.

दूसरी तरफ है कॉकरोच. इसे कोई पसंद नहीं करता, यह दिखने में भी अच्छा नहीं होता, लेकिन इसके पास एक सुपरपावर है- एडैप्टेबिलिटी (Adaptability यानी लचीलापन). कॉकरोच का पूरा फोकस अपनी ताकत का प्रदर्शन करने या दूसरों को डराने पर नहीं होता, बल्कि उसका इकलौता मकसद होता है 'जिंदा रहना' (सर्वाइव करना). यही वजह है कि चाहे कड़ाके की ठंड हो, तपती गर्मी हो, या फिर कोई बड़ी आपदा, कॉकरोच हर माहौल में खुद को ढालकर जिंदा बच निकलता है.

चार्ल्स डार्विन की थ्योरी और कॉकरोच का कनेक्शन-

अपनी बात को वैज्ञानिक आधार देते हुए चेतन भगत ने मशहूर वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन की 'थ्योरी ऑफ इवोल्यूशन' (विकासवाद का सिद्धांत) का उदाहरण दिया. डार्विन ने सालों पहले कहा था कि दुनिया में वो जीव आगे नहीं बढ़ता जो सबसे ज़्यादा ताकतवर या सबसे ज़्यादा बुद्धिमान होता है, बल्कि इतिहास में वही टिक पाता है जो 'बदलते माहौल के अनुसार खुद को सबसे जल्दी बदल लेता है.' डायनासोर इतिहास के सबसे ताकतवर जीव थे, लेकिन जब मौसम बदला, तो वे खुद को ढाल नहीं पाए और पूरी तरह खत्म हो गए. वहीं दूसरी ओर, छोटे और कमजोर दिखने वाले जीव आज भी धरती पर राज कर रहे हैं.

प्यार और जूनून के बीच की वो बारीक लकीर

शुरुआती दौर में प्यार और दीवानगी दोनों का अहसास एक जैसा लग सकता है. दोनों में ही सामने वाले को पाने की तीव्र इच्छा होती है. लेकिन असल प्यार का आधार आजादी, सम्मान और भरोसा होता है. सच्चा प्यार आपको एक बेहतर इंसान बनाता है, वह आपके भीतर सुरक्षा की भावना लाता है. इसके विपरीत, जब प्यार 'दीवानगी' या ऑब्सेशन (ह्ङ्खह्यद्गह्यह्यद्बश्ठ्ठ) में बदलने लगता है, तो इंसान सामने वाले को एक इंसान के रूप में नहीं, बल्कि एक वस्तु के रूप में देखने लगता है जिस पर वह अपना पूरा हक जमाना चाहता है. यहाँ से रिश्ते में असुरक्षा, शक और दम घुटने जैसी चीजें शुरू हो जाती हैं.

ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर'

साइकोलॉजी की भाषा में इस कदर की जुनूनी दीवानगी को एक मानसिक स्थिति माना गया है, जिसे 'ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर' (Obsessive Love Disorder - OLD) भी कहा जाता है. यह कोई आम बात नहीं है, बल्कि एक गंभीर मानसिक स्थिति है. इसमें व्यक्ति अपने पार्टनर को लेकर इस कदर असुरक्षित हो जाता है कि वह उसकी हर एक्टिविटी को कंट्रोल करना चाहता है. वह किससे बात कर रहा है, कहाँ जा रहा है, यहाँ तक कि उसके सोशल मीडिया पासवर्ड्स तक पर नजर रखने की कोशिश होने लगती है. जब पार्टनर थोड़ा भी स्पेस मांगता है, तो दीवाना व्यक्ति हिंसक या डिप्रेशन का शिकार हो सकता है.

जब पार्टनर की सुरक्षा 'कंट्रोल' में बदल जाए

अब सवाल यह उठता है कि कोई कैसे पहचाने कि उसका रिश्ता प्यार की खूबसूरत राह पर है या दीवानगी की मानसिक बीमारी की तरफ बढ़ रहा है? इसके कुछ साफ लक्षण हैं. अगर कोई व्यक्ति चौबीसों घंटे सिर्फ और सिर्फ अपने पार्टनर के बारे में सोचता है और अपनी नौकरी, परिवार, दोस्तों यहाँ तक कि खुद की केयर करना पूरी तरह छोड़ देता है, तो यह पहला रेड फ्लैग है. इसके अलावा, पार्टनर के बिना जीने की कल्पना मात्र से पैनिक अटैक आना, लगातार उसे मैसेज या कॉल करके परेशान करना और उसकी जिंदगी को पूरी तरह नियंत्रित करने की चाह रखना दीवानगी के स्पष्ट लक्षण हैं.

लक्षणों से पहचानें यह प्यार है या मानसिक बीमारी ?

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, यह दीवानगी अक्सर उन लोगों में ज्यादा देखी जाती है जो बचपन में किसी गहरे अकेलेपन, रिजेक्शन या 'अटैचमेंट इश्यूज' से गुजरे होते हैं. ऐसे लोग पार्टनर को खोने के डर से इस कदर घबरा जाते हैं कि उनका प्यार एक बीमारी का रूप ले लेता है. वे यह भूल जाते हैं कि एक स्वस्थ रिश्ते में 'स्पेस' यानी दोनों पार्टनर्स का अपना एक अलग वजूद होना कितना जरूरी है. अगर आपको या आपके किसी करीबी को अपने रिश्ते में ऐसी चीजें महसूस हो रही हैं, तो इसे 'सच्चा और गहरा प्यार' कहकर नजरअंदाज करने की गलती बिल्कुल न करें. यह समय थेरेपी, काउंसिलिंग और आत्ममंथन का है. याद रखें, प्यार का मतलब किसी को पिंजरे में कैद करना नहीं, बल्कि उसे उड़ने के लिए खुला आसमान देना और खुद भी उसके साथ खुलकर जीना है. जब तक आप खुद से प्यार करना नहीं सीखेंगे, तब तक आप एक हेल्दी रिलेशनशिप की शुरुआत नहीं कर सकते.

पार्टनर बार-बार फोन चेक करता है? प्यार नहीं, हो सकती है ये वजह, भूलकर भी न करें नजरअंदाज

रिश्तों में भरोसा सबसे मजबूत नींव माना जाता है. लेकिन कई बार कुछ लोग अपने पार्टनर का फोन बार-बार चेक करते हैं, सोशल मीडिया अकाउंट देखने की कोशिश करते हैं या यह जानना चाहते हैं कि सामने वाला किससे बात कर रहा है. अक्सर इसे बहुत ज्यादा प्यार या केयर समझ लिया जाता है, लेकिन हर बार ऐसा नहीं होता. कई मामलों में यह आदत रिश्ते के अंदर मौजूद असुरक्षा, डर या भरोसे की कमी की ओर इशारा कर सकती है.

अगर कोई व्यक्ति बार-बार पार्टनर का फोन देखने की कोशिश करता है, तो इसके पीछे सबसे आम वजह शक हो सकती है. हो सकता है उसे डर हो कि उसका पार्टनर उससे कुछ छिपा रहा है या रिश्ते में पूरी तरह ईमानदार नहीं है. यह शक किसी पुराने अनुभव, धोखे या पहले टूट चुके रिश्ते की वजह से भी पैदा हो सकता है.

डर की भावना भी निभाती है भूमिका

कई लोग अंदर से खुद को लेकर पूरी तरह आत्मविश्वासी नहीं होते. उन्हें डर रहता है कि कहीं उनका पार्टनर किसी और को ज्यादा पसंद न करने लगे या उन्हें छोड़ न दे. ऐसे में वे बार-बार फोन चेक करके खुद को तसल्ली देने की कोशिश करते हैं. हालांकि यह आदत कुछ समय के लिए राहत दे सकती है, लेकिन लंबे समय में रिश्ते को कमजोर कर सकती है.

किसी की चिंता करना और उसकी हर हरकतों पर नजर रखना, दोनों अलग बातें हैं. अगर कोई व्यक्ति लगातार यह जानना चाहता है कि उसका पार्टनर कहां है, किससे बात कर रहा है और फोन में क्या चल रहा है, तो यह प्यार से ज्यादा कंट्रोल करने की आदत भी हो सकती है. ऐसे व्यवहार से रिश्ते में घुटन महसूस होने लगती है.

फोन चेक करना क्यों बन सकता है समस्या?

हर व्यक्ति को अपनी निजी जगह की जरूरत होती है. जब बार-बार फोन चेक किया जाता है, तो सामने वाले को लग सकता है कि उस पर भरोसा नहीं किया जा रहा. धीरे-धीरे छोटी-छोटी बातों पर बहस शुरू हो सकती है और रिश्ते में तनाव बढ़ सकता है. कई बार यही आदत बड़े विवाद की वजह भी बन जाती है.

क्या करना चाहिए?

अगर आपको लगता है कि आपका पार्टनर बार-बार फोन चेक करता है, तो इस बात को झगड़े का मुद्दा बनाने के बजाय शांत तरीके से समझने की कोशिश करें. खुलकर बात करें और जानने की कोशिश करें कि उसके मन में कोई डर, असुरक्षा या चिंता तो नहीं है. रिश्ते को मजबूत बनाने का सबसे अच्छा तरीका एक-दूसरे पर भरोसा करना और ईमानदारी से अपनी बात रखना है.

गर्मी के सीजन में मिठास का बढ़ा आकर्षण

मालदा आम की बंपर पैदावार

बाजार में बढ़ी मांग और किसानों के चेहरे पर मुस्कान

मालदा (पश्चिम बंगाल): इस साल मालदा में आम की पैदावार उम्मीद से ज्यादा हुई है। बागों में लदे आमों ने किसानों की मेहनत को सफल बना दिया है। मालदा आम की मिठास और सुगंध के चलते बाजारों में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। देश के कई हिस्सों में मालदा आम की आपूर्ति की जा रही है, जिससे किसानों को अच्छा मुनाफा मिल रहा है और उनके चेहररों पर खुशी साफ साफ दिखाई दे रही है।

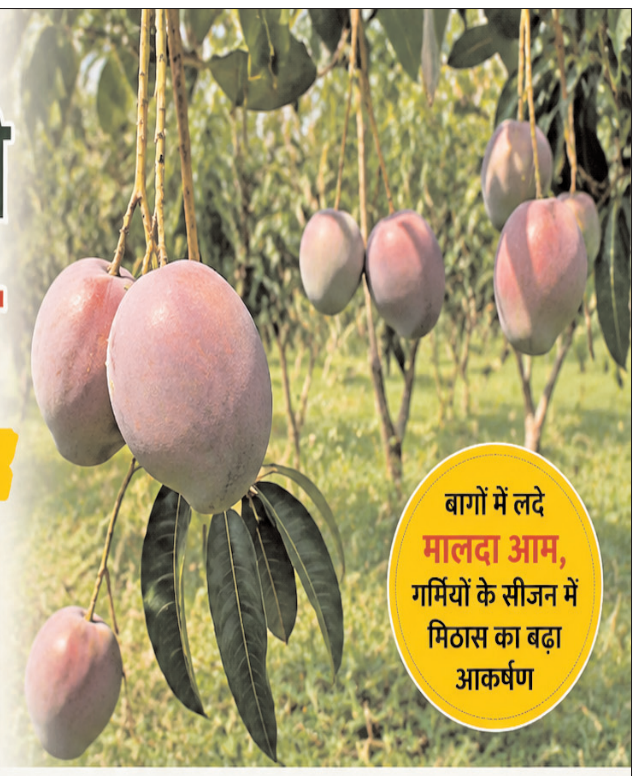

बागों में लदे मालदा आम, गर्मियों के सीजन में मिठास का बढ़ा आकर्षण

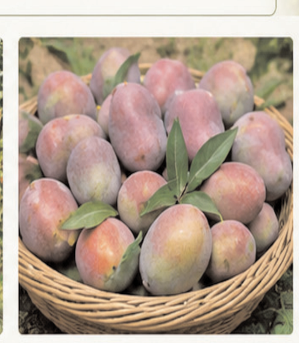

क्यों है खास मालदा आम?

- खास मिठास और सुगंध
- कम रेशा, ज्यादा स्वाद
- लंबे समय तक ताजगी बरकरार
- देश-विदेश में बढ़ती मांग

इस साल उत्पादन में 20-25% की वृद्धि

देश के कई राज्यों में हो रही आपूर्ति

किसानों को मिल रहा अच्छा मुनाफा

बंपर पैदावार से किसानों के चेहरे पर मुस्कान

अमृता राव: सादगी और अभिनय से जीता दर्शकों का दिल

सादगी, खूबसूरती और शानदार अभिनय की मिसाल

'पूनम' के किरदार ने दिलाई घर-घर में पहचान

मुंबई। सिनेमा जगत में कई अभिनेत्रियां आई और गई, लेकिन कुछ चेहरे ऐसे होते हैं जो अपनी सादगी और सहज अभिनय के कारण लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बने रहते हैं। अभिनेत्री अमृता राव भी उन्हीं सितारों में शामिल हैं। खासकर फिल्म 'विवाह' में निभाए गए 'पूनम' के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। कम फिल्मों में काम करने के बावजूद अमृता ने अपनी अलग छाप छोड़ी।

जन्म:
7 जून 1981
मुंबई, महाराष्ट्र

शुरुआती जीवन

अमृता का पालन-पोषण एक पारंपरिक कोंकणी परिवार में हुआ। मुंबई के अंधेरी स्थित स्कूल से पढ़ाई करने के बाद उन्होंने सोफिया कॉलेज से साइकोलॉजी में ग्रेजुएशन की पढ़ाई शुरू की, लेकिन मॉडलिंग के लिए पढ़ाई अधूरी छोड़ दी।

मॉडलिंग और करियर की शुरुआत

अमृता ने कई विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो में काम किया। उनकी आत्मविश्वास और सहजता ने लोगों का दिल जीता और बॉलीवुड में उनके लिए रास्ते खुल गए।

बॉलीवुड में सफर

2002 में 'अब के बरस' से डेब्यू किया। 2003 की फिल्म 'इश्क विश्क' में शाहिद कपूर के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया और वह युवाओं के बीच लोकप्रिय हो गई।

यादगार फिल्में

'मस्ती', 'मैं हूं ना', 'वाह लाइफ हो तो ऐसी', 'शिखर', 'प्यारे मोहन' के साथ ही 'विवाह' में 'पूनम' का किरदार उनके करियर की सबसे बड़ी पहचान बना।

साउथ सिनेमा और अन्य फिल्में

तेलुगु फिल्म 'अतिथि' (महेश बाबू के साथ) में शानदार अभिनय। 'वेलकम टू सज्जनपुर', 'जॉली एलएलबी', 'सिंह साहब द ग्रेट', 'सत्याग्रह' और 'ठाकरे' जैसी फिल्मों में भी नजर आई।

करियर की खास झलकियां

"सादगी मेरी पहचान है और अभिन्य मेरा जुनून। दर्शकों का प्यार मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है।
– अमृता राव"

निजी जीवन

अमृता ने लंबे समय तक आरजे अनमोल सूद को डेट किया और साल 2016 में सादगी से शादी की। वह एक बेटे वीर की मां हैं। शादी के बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बनाकर परिवार को प्राथमिकता दी।

यूट्यूब पर नई पारी

अमृता राव अपने पति आरजे अनमोल के साथ 'कपल ऑफ थिंग्स' नाम का यूट्यूब चैनल चलाती हैं। इस मंच के जरिए वह अपने अनुभव साझा करती हैं और कई मशहूर हस्तियों का इंटरव्यू लेती हैं।

कम फिल्मों में काम किया, लेकिन हर किरदार से दिलों में खास जगह बनाई। अमृता राव आज भी दर्शकों के दिलों पर राज करती हैं।

शिल्पा शिंदे झूठा यौन उत्पीड़न मामले में सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने सीएम फडणवीस से की सख्त कार्रवाई की मांग

मुंबई ।'भाभीजी घर पर हैं' फेम अभिनेत्री शिल्पा शिंदे एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में शो के निर्माता संजय कोहली के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराने को लेकर किए खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर उनकी कड़ी आलोचना हो रही है। इस मामले को लेकर ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन (एआईसीडब्ल्यूए) ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए देवेंद्र फडणवीस से हस्तक्षेप करने की अपील की है।

एआईसीडब्ल्यूए ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से 'भाभीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर संजय कोहली पर लगाए गए कथित झूठे यौन उत्पीड़न के मामले में अभिनेत्री शिल्पा शिंदे के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करते हुए ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर बयान जारी किया।

सिने वर्कर्स ने पोस्ट के जरिए कहा, कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के पॉडकास्ट में शिल्पा शिंदे के बयान को फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री के लिए गंभीर चिंता का विषय माना जा रहा है। संगठन का कहना है कि यौन उत्पीड़न का झूठा आरोप किसी भी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, परिवार, बच्चों, करियर और मानसिक स्वास्थ्य को स्थायी नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे झूठे आरोप न सिर्फ आरोपी व्यक्ति की छवि हमेशा के लिए खराब कर देते हैं, बल्कि उनके पूरे परिवार को भी गंभीर परेशानी में डाल देते हैं। संगठन का मानना है कि जानबूझकर झूठे आरोप लगाने से असली पीड़ितों की विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है।

इससे सच्ची शिकायत करने वाले पीड़ितों पर भी शक किया जाने लगता है, जिससे बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री में असली उत्पीड़न के मामलों में न्याय मिलना मुश्किल हो जाता है।

एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि सभी महिलाएं झूठे आरोप नहीं लगातीं। फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री में हजारों महिलाओं ने वाकई उत्पीड़न और शोषण का सामना किया है। वे समर्थन और न्याय की हकदार हैं। किसी एक व्यक्ति की गलत हरकत का इस्तेमाल असली पीड़ितों के अनुभवों को कमजोर करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

'पेड्डी' विवाद पर निर्देशक बुची बाबू सना ने मांगी माफी, जान्हवी कपूर वाले सीन में करेंगे बदलाव

हैदराबाद। राम चरण और जान्हवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' को रिलीज हुए दो दिन हो चुके हैं। इस बीच फिल्म विवादों के घेरे में भी घिर गई है। फिल्म में जान्हवी कपूर के किरदार और कुछ रोमांटिक सीन्स को लेकर जमकर आलोचना हो रही है। ऐसे में फिल्म के डायरेक्टर बुची बाबू सना ने इस विवाद पर सफाई देते हुए माफी मांग ली है।

डायरेक्टर ने सोशल मीडिया प्लटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सिनेमा का काम दर्शकों का मनोरंजन करना, उन्हें प्रेरित करना और उनसे जुड़ना है। इससे किसी को असहज या बेइज्जती महसूस नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमने 'पेड्डी' के कुछ सीन्स के बारे में फीडबैक सुना है और इसे गंभीरता से लिया है।

बुची बाबू सना ने आगे लिखा, 'हमारे मन में महिलाओं के प्रति हमेशा सम्मान रहा है, चाहे स्क्रीन पर हो या ऑफ स्क्रीन। हमारा कभी भी किसी महिला किरदार को ऑब्जेक्टिफाई करने या उनकी बेइज्जती करने का इरादा नहीं था। अगर फिल्म के किसी हिस्से से ऐसा लगा है, तो हम उन भावनाओं का सम्मान करते हैं और ईमानदारी से माफी मांगते हैं।'

डायरेक्टर ने स्पष्ट किया कि फीडबैक की समीक्षा के बाद उन्होंने फिल्म के संबंधित हिस्सों में बदलाव करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा, 'सिनेमा दर्शकों के साथ अपने कनेक्शन से आगे बढ़ता है। कहानीकार के रूप में हमारी जिम्मेदारी है कि हम बदलते नजरिए और संवेदनशीलता का ध्यान रखें।

समाज की जड़ में है पितृसत्तात्मक सोच, समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है : माधुरी दीक्षित

मुंबई। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेटफ्लिक्स पर अपनी हालिया रिलीज ड्रामा क्राइम कॉमेडी फिल्म 'मां बहन' को लेकर उत्साहित हैं। प्रमोशन में व्यस्त अभिनेत्री ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अलग-अलग नजरिए की बात करते हुए पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाया है। माधुरी ने कहा कि प्यार और रिश्तों के मामलों में समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है।

माधुरी दीक्षित ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'यह एक पितृसत्तात्मक समाज है। शुरू से ही ऐसा होता आया है। अगर कोई पुरुष गर्लफ्रेंड बनाता है तो उसे 'कैसानोवा' या रोमियो कहा जाता है। लेकिन अगर कोई महिला वैसा ही करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।'

अभिनेत्री ने कहा कि उनकी फिल्म 'मां बहन' इन्हीं पुरानी परंपराओं और नियमों को चुनौती देती है। फिल्म में दिखाए गए किरदार कमियों से भरे, उलझे हुए और बिल्कुल असल जिंदगी जैसे हैं।

फिल्म में महिलाओं को मजबूत और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है। उन्होंने जोर दिया कि हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है।

माधुरी ने बताया, 'इस फिल्म में हमने समाज द्वारा बनाए गए हर नियम को तोड़ा है और हमें इसमें मजा भी आया। किरदार बहुत उलझे हुए हैं, लेकिन बेहद असली हैं। आप खुद से जुड़ाव महसूस करेंगे।'

'मां बहन' का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। इसमें माधुरी दीक्षित रेखा नाम की मां का किरदार निभा रही हैं। कहानी रेखा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पहले से कई मुश्किलों से जूझ रही होती है। अचानक उसके किचन में एक लाश मिल जाती है। अपनी दो बेटियों जिम्मेदार जया और बेबाक सुष्मा के साथ वह इस मुसीबत से निपटने के लिए तेजी से सोचती है, झूठ बोलती है और पड़ोसियों से सच छुपाती है।

फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

अनूप सोनी ने 'हथियार' में संजय दत्त और शिल्पा शेट्टी के साथ काम करने की यादें ताजा कीं

मुंबई। एक्टर अनूप सोनी ने शुक्रवार रात पुरानी यादों को ताजा किया और अपनी सबसे यादगार फिल्मों में से एक, 'हथियार' से जुड़ा एक यादगार पल शेयर किया।

एक्टर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 2002 की क्राइम ड्रामा फिल्म का एक क्लिप शेयर किया, जिसमें वे खुद नजर आ रहे हैं।

उन्होंने इस बात पर भी बात की कि कैसे इस फिल्म ने उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने और एक ऐसा किरदार निभाने का मौका दिया, जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया था।

अनूप द्वारा शेयर किए गए क्लिप में, एक्टर एक रफ और इंटेंस अवतार में नजर आ रहे हैं।

वीडियो शेयर करते हुए अनूप ने लिखा, 'आज भी, मुझे किसी ऐसे किरदार को निभाने से ज्यादा कुछ भी उत्साहित नहीं करता जो मेरे पिछले किरदारों से बिल्कुल अलग हो। 'हथियार' ने मुझे एक ऐसा किरदार निभाने का मौका दिया जो उस समय लोगों के मन में मेरी बनी छवि से बिल्कुल अलग था।

उन्होंने आगे कहा, 'किरदार की भाषा, उसका अंदाज और उसका अप्रत्याशित व्यवहार – ये सब मेरी असल जिंदगी से बहुत अलग थे, जिसने इस अनुभव को चुनौतीपूर्ण और रोमांचक बना दिया। उन्होंने आगे लिखा, 'महेश मांजरेकर के निर्देशन में संजय दत्त, सचिन खेडेकर, गुलशन ग्रोवर, शिल्पा शेट्टी और शरद कपूर के साथ काम करने से यह सफर और भी यादगार बन गया। पीछे मुड़कर देखने पर, मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की होती है कि मुझे अपने निभाए किरदारों के जरिए अलग-अलग दुनिया और लोगों के अलग-अलग पहलुओं को जानने-समझने का मौका मिला।

फिल्मी खबर

सेल्फी ने बदल दी किस्मत

स्पोर्ट्स एनालिस्ट हरिशंकर नारायणन को 'कट्टलन' में ऐसे मिला शानदार रोल

'नेल्सन' के किरदार में छाए हरिशंकर

चेन्नई। स्पोर्ट्स एनालिस्ट से अभिनेता बने हरिशंकर नारायणन ने मलयालम सिनेमा में 'कट्टलन' फिल्म से डेब्यू किया है। एंटनी वर्गीस स्टारर इस फिल्म में उन्होंने तीन मुख्य खलनायक में से एक 'नेल्सन' का किरदार निभाया है। उनकी परफॉर्मेंस की दर्शक और समीक्षक दोनों द्वारा तरफ खूब तारीफ हो रही है।

"फिल्म के कास्टिंग डायरेक्टर अबू वलयमकुलम ने मेरी वेब सीरीज 'लेबल' देखी और मुझे इंस्टाग्राम पर मैसेज किया। उन्होंने 'कट्टलन' के मेकर्स को मेरे नाम की सिफारिश की। मैं बहुत उत्साहित और घबराया हुआ था क्योंकि यह मेरा मलयालम डेब्यू था"

ऐसे मिली 'कट्टलन' में एंट्री

- कास्टिंग डायरेक्टर ने वेब सीरीज 'लेबल' देखने के बाद इंस्टाग्राम पर मैसेज किया।
- हरिशंकर केरल गए और कास्टिंग डायरेक्टर से मिलें, लेकिन उन्हें बताया गया कि रोल नहीं मिला है।
- लौटने से पहले याद के तौर पर दोनों ने एक साथ सेल्फी ली।
- कास्टिंग डायरेक्टर ने वह सेल्फी अपनी प्रोफाइल पर पोस्ट कर दी।
- प्रोड्यूसर ने सेल्फी देखी और कहा – नेल्सन के रोल के लिए वे मुझे ही कास्ट करना चाहते हैं।

प्रोड्यूसर ने वह सेल्फी देखी और कहा कि नेल्सन के रोल के लिए वे मुझे ही कास्ट करना चाहते हैं। इस तरह एक आम सी सेल्फी ने मेरी किस्मत बदल दी। – हरिशंकर नारायणन

हरिशंकर नारायणन: एक सफर

- पहले आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस के साथ स्पोर्ट्स एनालिस्ट के रूप में काम किया।
- फिल्म 'रेट्रो' (2025) और 'सिराई' (2025) में नजर आए।
- हॉटस्टार की वेब सीरीज 'लेबल' में उनके काम को सराहा गया।
- अब मलयालम सिनेमा में 'कट्टलन' के जबरदस्त किरदार 'नेल्सन' से खास पहचान बनाई।

'कट्टलन' के बारे में

- पैन-इंडियन एक्शन थ्रिलर फिल्म
- **डायरेक्टर:** पॉल जॉर्ज
- **प्रोड्यूसर:** शरीफ मुहम्मद (क्यूब एंटरटेनमेंट्स)
- **मुख्य कलाकार:** एंटनी वर्गीस (पेपे), रजीषा विजयन
- **कहानी:** पॉल जॉर्ज, जोबी वर्गीज और जेरो जैकब
- **संगीत:** अजनीश लोकनाथ
- **कोरियोग्राफी:** शरीफ

"मेहनत, धैर्य और एक सेल्फी... बस कभी-कभी किस्मत बदलने के लिए इतना ही काफ़ी होता है।"

ट्रंप ने मई में नौकरियों में 'उम्मीद से ज्यादा बढ़ोतरी' की तारीफ की, ब्याज दरों को लेकर फेड को घेरा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मई में उम्मीद से ज्यादा नौकरियों में बढ़ोतरी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि रोजगार के ताजा आंकड़े दिखाते हैं कि ईरान के साथ जारी तनाव के बावजूद अर्थव्यवस्था अनुमान से बेहतर प्रदर्शन कर रही है।

शुक्रवार (स्थानीय समय) को विस्कॉन्सिन के चिपेवा फॉल्स में कृषि से जुड़ी एक बैठक में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि मई में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 1,72,000 नई नौकरियां जुड़ीं। उन्होंने कहा कि लगातार तीसरे महीने, नौकरियों के आंकड़ों ने सभी उम्मीदों को पीछे छोड़ दिया। अर्थशास्त्रियों ने इससे कहीं कम नौकरियों का अनुमान लगाया था।

ट्रंप ने कहा कि मई में 1,72,000 नौकरियां पैदा हुईं, जबकि विशेषज्ञों ने 30 हजार नौकरियों का ही अनुमान लगाया था। उन्होंने इन आंकड़ों को अपने मौजूदा प्रशासन की सबसे मजबूत रोजगार रिपोर्ट बताया। उन्होंने कहा कि ये इस प्रशासन के अब तक के सबसे मजबूत रोजगार के आंकड़े हैं।

राष्ट्रपति ने मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन के क्षेत्र में रोजगार बढ़ने की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक महीने में हमने मैन्युफैक्चरिंग में 7,000 और कंस्ट्रक्शन में 17,000 नई नौकरियां जोड़ीं। रोजगार से जुड़ी पिछली रिपोर्टों के आंकड़ों को भी ऊपर की ओर संशोधित किया गया है। पिछले दो महीनों के आंकड़ों में लगभग 1,00,000 नौकरियों की बढ़ोतरी की गई है।

ट्रंप ने इस मौके का इस्तेमाल फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों से जुड़ी नीति की आलोचना करने के लिए किया। उन्होंने तर्क दिया कि महंगाई को काबू में रखने का सबसे अच्छा तरीका सख्त मॉनेटरी पॉलिसी के बजाय आर्थिक विकास है। उन्होंने कहा कि जब नौकरी के आंकड़े बहुत अच्छे होते हैं, तो शेयर बाजार गिर जाता है क्योंकि लोगों को लगता है कि ब्याज दरें बढ़ेंगी। उन्होंने सवाल किया कि क्या आप जानते हैं कि और क्या चीज महंगाई को रोकती है? असल में विकास ही महंगाई को रोकता है।

राष्ट्रपति ने फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल की आलोचना एक बार फिर दोहराई; जिन पर वे अक्सर ब्याज दरों को बहुत ज्यादा रखने का आरोप लगाते रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि फेडरल रिजर्व के पूर्व गवर्नर केविन वॉर्श शानदार काम करेंगे।

लेबर मार्केट के अलावा, ट्रंप ने कहा कि इन्वेस्टमेंट के वादों और फैक्टरी बनाने के काम से आर्थिक रफ्तार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हम अपने देश के इतिहास में किसी भी समय की तुलना में ज्यादा प्लांट बना रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि जब से वे दोबारा सत्ता में आए हैं अमेरिका ने 18 ट्रिलियन डॉलर के इन्वेस्टमेंट वादे हासिल किए हैं।

उन्होंने मजदूरी में बढ़ोतरी, खासकर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के कर्मचारियों की मजदूरी में बढ़ोतरी का भी जिक्र किया। ट्रंप ने कहा कि जब से मैंने पद संभाला है, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के कर्मचारियों की मजदूरी में 8 प्रतिशत से ज़्यादा की बढ़ोतरी हुई है। राष्ट्रपति ने इन आर्थिक फायदों को अपने प्रशासन की ट्रेड, एनर्जी और टैक्स पॉलिसी से जोड़ा।

कांगो में इबोला के कंफर्म मामलों की संख्या बढ़कर 452 हुई, 82 लोगों की मौत

किंशासा। कांगो में इबोला के मामले में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। इबोला वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 452 हो गई है। इस वायरस से संक्रमित 82 लोगों की मौत हो गई है।

कांगो के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला के कंफर्म मामलों की संख्या 452 हो गई है, जिनमें 82 लोगों की जान चली गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य अधिकारियों ने 4 जून को इतुरी और नॉर्थ किवु प्रांतों में 71 नए कंफर्म मामलों की जानकारी दी थी, जिनमें 21 लोगों की मौत हो गई थी। यह वायरस के बुंडिबुग्यो स्ट्रेन से फैले प्रकोप के बीच तेजी से और लगातार कम्युनिटी ट्रांसमिशन का संकेत है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कुल 258 मरीज आइसोलेशन या अस्पताल की देखरेख में हैं, जबकि आठ लोग ठीक हो चुके हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संपर्क में आए लोगों का पता लगाना) में अभी भी बड़ी कमी है। तीनों प्रांतों में जिन 4,766 लोगों के संपर्क में आने की निगरानी की जा रही थी, उनमें से केवल 2,755 लोगों को ही देखा गया है, जो कुल मिलाकर 57.8 प्रतिशत का फॉलो-अप रेट है। डीआरसी के स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस स्थिति से निपटने में आ रही मुख्य चुनौतियों के बारे में बात की है। अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम के दौरान स्वैब लेने का विरोध, इबोला के इलाज की अपर्याप्त स्टैंडर्ड क्षमता, कमजोर कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग, जरूरी दवाओं की कमी, नॉर्थ किवु में संक्रमण से बचाव के सामान की कमी, खराब अलर्ट रिपोर्टिंग और 21.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की फंडिंग की कमी से मामला काफी गंभीर हो गया है। युगांडा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि युगांडा में भी इबोला के तीन नए मामलों की पुष्टि हुई है, जिससे संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 19 हो गई है।

संक्षिप्त खबर

स्लोवेनिया के नए विदेश मंत्री बने टोन काइजर, एस जयशंकर ने दी बधाई

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने टोन काइजर को स्लोवेनिया के विदेश मंत्री का पदभार संभालने पर बधाई दी। उन्होंने उनके साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की।

पूर्व राजनयिक टोन काइजर ने गुरुवार शाम आधिकारिक रूप से पद की शपथ ली। इससे पहले सप्ताह की शुरुआत में संसद में उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी गई थी। उन्होंने प्रधानमंत्री जनेज यांसा के नेतृत्व वाली नई दक्षिणपंथी गठबंधन सरकार में विदेश मंत्री का पद संभाला है। शनिवार को जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'स्लोवेनिया गणराज्य के विदेश मंत्री नियुक्त होने पर टोन काइजर को हार्दिक बधाई। उनके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। टोन काइजर को कूटनीतिक सेवा में 30 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने 1995 में स्लोवेनिया के विदेश मंत्रालय में अपने करियर की शुरुआत की थी। अपने लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण राजनयिक पदों पर काम किया, जिनमें अमेरिका में स्लोवेनिया के राजदूत का पद भी शामिल है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग, यूरोपीय संघ से जुड़े मामलों और क्षेत्रीय स्थिरता के क्षेत्र में भी अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। इसके अलावा उन्होंने क्रोएशिया के साथ लंबित द्विपक्षीय मुद्दों पर भी काम किया है। इससे पहले गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनेज यांसा को स्लोवेनिया का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी थी।

तमिलनाडुः मदुरै में मंत्री सीटीआर निर्मल कुमार ने कहा, शराब पर ओवररेटिंग रोकी जाएगी

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै जिले में आयोजित एक समीक्षा बैठक के बाद मंत्री सी.टी.आर. निर्मल कुमार ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रशासन और विकास कार्यों से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया तथा जिले से जुड़े कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि बैठक में उन क्षेत्रों की पहचान की गई जहां सुधार की आवश्यकता है। विशेष रूप से सरकारी शराब दुकानों की व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि शराब की बोतलों पर अतिरिक्त 10 रुपये वसूलने की शिकायतें सामने आई थीं। इस प्रथा पर रोक लगाने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं और अब यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी दुकानों पर इस आदेश का पूरी तरह पालन हो। साथ ही, अवैध रूप से संचालित बार और अन्य अनधिकृत गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अधिकारियों को मनोरंजन क्लबों और उनसे जुड़े बारों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान यह देखा जाएगा कि ये संस्थान नियमों के अनुसार संचालित हो रहे हैं या नहीं। यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

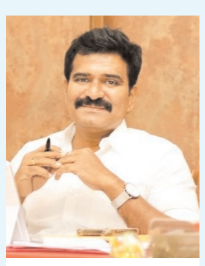

हवाई में भारत-अमेरिका सैन्य वार्ता, रक्षा सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

वाशिंगटन। हवाई में 29वीं भारत और अमेरिका ने 'आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता' आयोजित की, जिसमें दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। साथ ही, दोनों पक्षों ने अपने रणनीतिक साझेदारी संबंधों को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

भारतीय सेना के अनुसार, इस बैठक की सह-अध्यक्षता उप सेना प्रमुख (रणनीति) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई और अमेरिकी सेना प्रशांत के उप कमांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल जोएल वोवेल ने की।

भारतीय सेना ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, 'चर्चा का मुख्य फोकस द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करना, सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाना, पेशेवर आदान-प्रदान का विस्तार करना और साझा सुरक्षा हितों के लिए सैन्य सहयोग को गहरा करना था। दोनों पक्षों ने सेना के बीच बढ़ते सहयोग की सराहना की और भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई। पिछले सप्ताह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सिंगापुर में अमेरिकी कांग्रेस के द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल (सीओडीईएल) के प्रमुख और हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सदस्य पैट हैरिगन से मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा, रक्षा सहयोग के विस्तार और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा रणनीतिक हितों पर चर्चा हुई रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर बताया कि इस बातचीत ने भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी की मजबूती को फिर रेखांकित किया था। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय सुरक्षा, रक्षा सहयोग बढ़ाने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा रणनीतिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। इससे पहले 24 मई को, अमेरिकी विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्को रूबियो ने नई दिल्ली में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की थी। इस बैठक में रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक प्रौद्योगिकी सहयोग, विशेष रूप से टीआरयूएसटी (ट्रस्ट) पहल, पर चर्चा हुई थी।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को उच्च प्राथमिकता देने की बात दोहराई। साथ ही, उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए।

लोकतंत्र के मामले में तुर्की जिस रास्ते पर है, वहां से वापसी संभव नहीं; अमेरिकी लॉमेकर्स ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन। अमेरिका के वरिष्ठ लॉमेकर्स और नीति विशेषज्ञों ने कड़ी चेतावनी दी है कि तुर्की लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था से लगातार दूर होता जा रहा है। अगले महीने अंकारा में होने वाले अहम नाटो शिखर सम्मेलन से पहले राजनीतिक दमन, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

टॉम लैंटोस मानवाधिकार आयोग की सुनवाई में, दोनों पार्टियों के लॉमेकर्स ने सवाल उठाया कि क्या राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन की सरकार सार्थक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की अनुमति देगी, क्योंकि आलोचकों ने विरोधियों, पत्रकारों और नागरिक समाज पर बढ़ती कार्रवाई का जिक्र किया। आयोग के सह-अध्यक्ष प्रतिनिधि क्रिस्टोफर स्मिथ ने कहा, आज की सुनवाई का शीर्षक एक बहुत महत्वपूर्ण सवाल उठाता है। क्या तुर्की आजादी की राह खोज सकता है? स्मिथ ने तर्क दिया कि तुर्की में लोकतांत्रिक संस्थाएं इतनी कमजोर हो गई हैं कि नागरिक और राजनीतिक आजादी के सबसे बुनियादी पहलुओं, जैसे कानून का शासन, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानवाधिकारों का सम्मान, को बहाल करना बहुत मुश्किल होगा। उन्होंने इस्तांबुल के मेयर एक्रेम इमामोग्लू की मार्च 2025 में हुई गिरफ्तारी की ओर इशारा किया, जिन्हें एर्दोगन का सबसे मजबूत राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी माना जाता है, और इसे एक अहम मोड़ बताया।

महबूबा मुफ़्ती ने वरिष्ठ नेताओं के साथ की अहम बैठक सियासी हालात और संगठनात्मक गतिविधियों पर हुई चर्चा

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ़्ती ने खिमबर स्थित अपने आवास पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में संगठन की गतिविधियों, पार्टी की कार्यप्रणाली और जम्मू-कश्मीर में हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में पार्टी के कई प्रमुख नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। इनमें उपाध्यक्ष मोहम्मद सरताज मदनी, संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष ए. आर. वीरी, संगठन महासचिव गुलाम नबी हंजूरा, मुख्य प्रवक्ता महबूब बेग, महासचिव खुर्शीद आलम और अब्दुल हक खान शामिल रहे। इसके अलावा वरिष्ठ नेताओं नईम अख्तर, बशारत बुखारी, मंसूर हुसैन और यासिर रेशी ने भी बैठक में भाग लिया।

बैठक में त्राल से विधायक रफीक अहमद नाइक, कुपवाड़ा से विधायक फयाज अहमद मीर तथा पुलवामा से विधायक वहीद पारा भी उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने जम्मू-कश्मीर के मौजूदा हालात और जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे। बैठक के दौरान पार्टी की संगठनात्मक स्थिति की समीक्षा की गई और विभिन्न क्षेत्रों में पार्टी की गतिविधियों को और मजबूत बनाने पर चर्चा हुई। नेताओं ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाना और लोगों के साथ लगातार संवाद बनाए रखना पार्टी की प्राथमिकता है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मौजूद नेताओं ने प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों का आकलन किया और आने वाले समय में पार्टी की भूमिका को लेकर चर्चा की। बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि पार्टी जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी और लोगों की समस्याओं तथा अपेक्षाओं को उचित मंच पर रखने के लिए अपने प्रयास जारी रखेगी। यह बैठक पार्टी की आगामी रणनीति और संगठनात्मक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

लेबनानी राष्ट्रपति के 'मोल-भाव' बयान पर ईरान की नसीहत, असली दुश्मन पहचानें आप

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने लेबनानी राष्ट्रपति जोसेफ औन के मोल-भाव बयान पर तंज कसा है। उन्होंने सोशल पोस्ट के जरिए उन्हें नसीहत दी कि असल दुश्मन को पहचाननें की कोशिश करें।

अराघची ने औन के साक्षात्कार का एक क्लिप साझा किया। इसमें उन्होंने ईरान पर मोलभाव का आरोप लगाया था। कहा था कि ईरान लेबनान को मोल-भाव के लिए इस्तेमाल कर रहा है और उसे ऐसा करना बंद करके बातचीत करनी चाहिए। अराघची ने इसी पर प्रतिक्रिया दी। तंज कसते हुए लिखा, राष्ट्रपति औन की बातों से ऐसा लगता है जैसे लेबनान के 1/5 हिस्से पर ईरान ने कब्जा किया हो, एक-चौथाई आबादी को विस्थापित किया हो और हर दिन बमबारी कर रहा हो। उन्होंने आगे लिखा 'मिस्टर प्रेसिडेंट, लेबनान को अपने असली दुश्मन से बचाएं। सीएनएन को दिए साक्षात्कार में औन ने कहा कि लेबनान के आंतरिक मामलों में ईरान दखल न दे और आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ अपनी बातचीत में वो लेबनान को एक मोहरे के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने ईरान को कहा, यह आपका देश नहीं है, यह हमारा देश है। हमें आप सौदेबाजी के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, जो अस्वीकार्य है। साथ ही उन्होंने हिज्बुल्लाह से भी अपील की। उन्होंने कहा,' इस संघर्ष का अंत हिंसा या युद्ध नहीं है बल्कि केवल और केवल संवाद और कूटनीति है। उन्हें इसी रास्ते पर चलना होगा।

इस बीच अब लेबनानी सेना भी हमलों का शिकार बन रही है। रॉयटर्स के मुताबिक, लेबनानी सेना ने बताया कि शुक्रवार को दक्षिण लेबनान में खारदाली-नबातीह रोड पर इजरायली सेना की मिलिट्री गाड़ी को निशाना बनाकर किए गए हमले में एक ऑफिसर समेत कई लेबनानी सैनिक मारे गए। लेबनानी सेना हिज्बुल्लाह और इजरायल के बीच टकराव में शामिल होने से बचती रही है और लगातार खुद को इससे अलग करने की कोशिश करती दिखा है। दरअसल, ईरान पर अमेरिका-इजरायल की ओर से 28 फरवरी को संयुक्त हवाई हमले के बाद हिज्बुल्लाह ने इजरायल पर मिसाइल दागनी शुरू कर दी थी। इसके बाद 2 मार्च से इजरायल का जवाबी हमला शुरू हुआ। इस दौरान दक्षिणी लेबनान को निशाना बनाया जाता रहा जिसमें 3500 से ज्यादा लोगों के मारने की पुष्टि लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने की है।

पुलिस एनकाउंटर में घायल हुआ आरोपी लूटा गया सरकारी हथियार बरामद

फाजिल्का। पंजाब के फाजिल्का में पुलिस ने पुराने हरिके हेड ब्रिज पर संतरी ड्यूटी के दौरान चोरी हुआ सरकारी हथियार बरामद कर लिया है। पुलिस इस घटना में शामिल मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में भी कामयाब रही। ऑपरेशन के दौरान आरोपी ने पुलिस पार्टी पर गोली चलाई, जिसके जवाब में हुई गोलीबारी में वह घायल हो गया और बाद में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार, पिछले दिनों पुराने हरिके हेड ब्रिज पर तैनात पीएचजी जवान पर अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियारों से हमला किया था और उसका सरकारी हथियार छीनकर अपराधी मौके से फरार हो गए थे। इस गंभीर मामले को सुलझाने के लिए पुलिस ने विशेष टीमें गठित की थीं और लगातार जांच कर रही थी। इसी क्रम में फाजिल्का पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति लाधुका सेम नाले के पास हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए छापा मारा। इस दौरान, संदिग्ध ने पुलिस दल पर गोली चलाई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एनकाउंटर के बाद एसएसपी गगनजीत सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान मखू निवासी शमशेर सिंह के रूप में हुई है।

इबोला प्रकोप के बीच मॉरीशस ने तीन अफ्रीकी देशों से आने वाले यात्रियों की एंट्री पर लगाई रोक

पोर्ट लुई। मॉरीशस सरकार ने इबोला वायरस प्रकोप को देखते हुए एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने उन विदेशी नागरिकों के प्रवेश पर अस्थायी रोक लगा दी है जिन्होंने पिछले 21 दिनों के दौरान डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो, युगांडा या दक्षिण सुडान की यात्रा की है, वहां से होकर गुजरे हैं या वहां ठहरे हैं।

हालांकि, मॉरीशस के नागरिकों और वैध वर्क परमिट, रेजिडेंस परमिट, बिजनेस परमिट या स्टूडेंट परमिट रखने वाले विदेशी निवासियों को देश में प्रवेश की अनुमति रहेगी। लेकिन यदि उन्होंने पिछले 21 दिनों में इन तीन देशों का दौरा किया है, तो उन्हें अनिवार्य रूप से 21 दिन के क्वारंटीन में रहना होगा।

अफ्रीकन यूनियन के अनुसार, कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान में फैला इबोला संक्रमण क्षेत्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। मॉरीशस सरकार ने यह भी कहा है कि प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट और अन्य प्रवेश बिंदुओं पर विशेष स्वास्थ्य जांच और जोखिम मूल्यांकन किया जाएगा। यदि किसी यात्री में इबोला के लक्षण पाए जाते हैं, तो उसे तुरंत अलग (आइसोलेट) कर चिकित्सकीय जांच की जाएगी। सरकार ने जुलाई में मॉरीशस में आयोजित होने वाले 18वें यूएस-अफ्रीका बिजनेस समिट को भी फिलहाल स्थगित करने का अनुरोध किया है। 15 मई को कांगो और युगांडा में इबोला प्रकोप की आधिकारिक घोषणा की गई थी। इसके बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया। शुक्रवार को अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन और डब्ल्यूएचओ ने पूरे अफ्रीका के लिए इबोला तैयारी और प्रतिक्रिया योजना शुरू की। इस योजना के तहत जून से नवंबर तक के लिए 51.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि अफ्रीकी देशों को संक्रमण की पहचान, रोकथाम और त्वरित प्रतिक्रिया में सहायता मिल सके। दोनों संस्थाओं के अनुसार, अब तक 34 स्वास्थ्यकर्मी इबोला वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 7 की मौत हो गई है, जबकि 6 लोग स्वस्थ हो चुके हैं।

अन्नाद्रमुक को बड़ा झटका, चार पूर्व मंत्री सत्तारूढ़ टीवीके में शामिल

चेन्नई। तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके (अन्नाद्रमुक) को शनिवार को बड़ा झटका लगा, जब उसके चार पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) में शामिल हो गए। विधानसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पार्टी लगातार आंतरिक कलह और नेताओं के पलायन का सामना कर रही है।

पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक उदुमलाई के. राधाकृष्णन, एम.सी. संपत, कडंबूर सी. राजू और एन.आर. शिवपति ने चेन्नई स्थित टीवीके मुख्यालय में पार्टी के महासचिव एन. आनंद और चुनाव अभियान प्रबंधन महासचिव आधव अर्जुना की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इन नेताओं का शामिल होना अभिनेता-विजय के नेतृत्व वाली सरकार के गठन के बाद एआईएडीएमके से हुआ अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक दलबदल माना जा रहा है। यह घटनाक्रम 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों में एआईएडीएमके के खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी में जारी असंतोष और अंदरूनी खींचतान के बीच सामने आया है। चुनावी हार के बाद कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी की दिशा और नेतृत्व को लेकर नाराजगी जाहिर की है।

पार्टी के भीतर संकट उस समय खुलकर सामने आया था, जब एआईएडीएमके के 25 विधायकों ने पार्टी व्हिप की अवहेलना करते हुए विधानसभा में विश्वास मत के दौरान मुख्यमंत्री विजय का समर्थन किया था। इस घटनाक्रम ने पार्टी में गहरी फूट को उजागर कर दिया था। हालांकि बाद में बागी गुट ने पार्टी महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी से सुलह कर ली, लेकिन इसके बावजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं का पलायन जारी है। इससे पहले चार बागी विधायक एआईएडीएमके छोड़कर टीवीके में शामिल हो चुके हैं। इसके बाद कई जिला स्तरीय पदाधिकारी, पूर्व विधायक और जमीनी स्तर के कार्यकर्ता भी सत्तारूढ़ दल का दामन थाम चुके हैं।

शनिवार को टीवीके में शामिल हुए चारों नेताओं को हालिया विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। उदुमलाई राधाकृष्णन उदुमलपेट सीट से, एम.सी. संपत कडलूर सीट से तीसरे स्थान पर रहे, जबकि कडंबूर राजू को कोविलपट्टी सीट पर हार मिली थी। इससे पहले 29 मई को भी एआईएडीएमके के 300 से अधिक सदस्य पनैयूर स्थित टीवीके मुख्यालय में पार्टी में शामिल हुए थे।

मध्य प्रदेश के रतलाम में अगवा 6 माह का मासूम 20 घंटे में बरामद, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले की जावरा औद्योगिक थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए हुसैन टेकरी क्षेत्र से अपहृत 6 माह के मासूम बच्चे को महज 20 घंटे के भीतर सकुशल रेस्क्यू कर लिया है। पुलिस ने मामले में आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार फरियादी शाहिल नट, निवासी जिला सागर ने अपनी पत्नी साहिन नट के साथ थाना औद्योगिक क्षेत्र में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वे हुसैन टेकरी में सड़क किनारे सो रहे थे। इसी दौरान तड़के करीब 4 बजे कोई अज्ञात व्यक्ति उनके 6 माह के पुत्र रिहान का अपहरण कर ले गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। सीसीटीवी फुटेज, साइबर सेल और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 20 घंटे के भीतर शिवपुरी थाना कोलारस क्षेत्र से मासूम रिहान को सकुशल बरामद कर लिया तथा अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर लिया है। मासूम की सुरक्षित वापसी से परिजनों ने राहत की सांस ली, वहीं पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की जा रही है।

बता दें कि अपहरण के मामले में पुलिक की इसी प्रकार की सराहनीय कार्रवाई बीते 3 जून को दिल्ली में देखने मिली, जहां दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने मई महीने में लापता और अपहृत 124 लोगों को उनके परिवारों से वापस मिला दिया। लापता और अपहृत व्यक्तियों की रिपोर्ट मिलने पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने यह सफलता हासिल की है। इस तरह इस वर्ष 31 मई तक दिल्ली पुलिस ने कुल 673 लोगों को परिवारों से मिलाया है। इसके लेकर अधिकारियों ने बताया कि इन तेज और समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने 1 मई से 31 मई के बीच 124 लापता व्यक्तियों, जिनमें 33 बच्चे और 91 वयस्क थे, का पता लगाने में सफल रही। पुलिस टीमों ने 'ऑपरेशन मिलाप' के तहत इन व्यक्तियों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित रूप से उनके परिवारों से मिलाने में समर्पण और पेशेवर रवैया दिखाया।

संक्षिप्त खबर

पटियाला हाउस कोर्ट ने चार संदिग्ध आतंकियों की पुलिस हिरासत चार दिन और बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और संगठित आपराधिक नेटवर्क से कथित संबंध रखने के आरोप में गिरफ्तार चार संदिग्ध आतंकियों की पुलिस हिरासत चार दिन के लिए और बढ़ा दी है। इससे पहले आरोपी सात दिन की पुलिस हिरासत में थे।

हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद उन्हें शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया, जहां जांच एजेंसी ने पूछताछ के लिए अतिरिक्त समय की मांग की। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान आंग कामी लामा, हरविंदर सिंह, गगनदीप सिंह और मंजीत सिंह के रूप में हुई है। जांच एजेंसियों का दावा है कि ये सभी देश के विभिन्न हिस्सों में कथित आतंकी गतिविधियों की साजिश से जुड़े हो सकते हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने जांच एजेंसी को आगे की पूछताछ के लिए चार दिन की अतिरिक्त पुलिस हिरासत की अनुमति दे दी। जांच एजेंसियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनके आधार पर यह आशंका जताई जा रही है कि आरोपी देश के प्रमुख शहरों को निशाना बनाने की योजना पर काम कर रहे थे। अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और आरोपियों से पूछताछ के जरिए संभावित नेटवर्क तथा उनके संपर्कों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

गाजीपुर एनकाउंटर को लेकर मंत्री संजय निषाद ने उठाए पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर एनकाउंटर को लेकर सियासत गरमा गई है। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने पुलिस कार्रवाई की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा है कि अपराधी की कोई जाति नहीं होती, लेकिन कानून का राज भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने गाजीपुर पुलिस की कार्रवाई पर असंतोष जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि किसी समाज विशेष को निशाना बनाने की कोशिश हुई तो इसका राजनीतिक और सामाजिक असर दूरगामी हो सकता है। प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि यदि कमलेश बिंद किसी अपराध में शामिल था तो उसके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए थी, लेकिन एनकाउंटर को लेकर उठ रहे सवालों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। डॉ. निषाद ने कहा कि विनीत राय हत्याकांड में कमलेश बिंद मुख्य आरोपी नहीं था। ऐसे में यदि पुलिस एनकाउंटर को उचित ठहरा रही है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि मामले के मुख्य आरोपियों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई हुई है। उन्होंने कहा कि कानून का समान रूप से पालन होना चाहिए और किसी भी कार्रवाई को लेकर दोहरे मानदंड नहीं अपनाए जाने चाहिए। उन्होंने एनकाउंटर की परिस्थितियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि मृतक की पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। यदि परिजनों का दावा है कि हिरासत में मारपीट के बाद एनकाउंटर किया गया, तो इसकी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

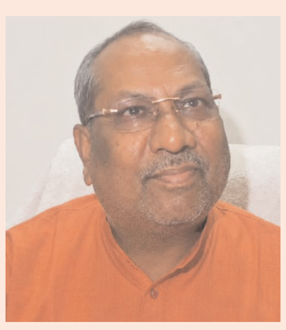

10 जून को नया रिकॉर्ड बनाएंगे पीएम मोदी मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने गिनाईं उपलब्धियां

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 जून को देश के सबसे लंबे समय तक लगातार चुने गए प्रधानमंत्री बनने का एक महत्वपूर्ण रिकॉर्ड अपने नाम करेंगे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार की मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और उनकी सरकार की उपलब्धियों की सराहना की।

उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि वर्ष 2014 से लेकर अब तक प्रधानमंत्री मोदी ने निरंतर देश के विकास और जनकल्याण के लिए कार्य किया है। जनता का भरपूर आशीर्वाद और विश्वास प्रधानमंत्री मोदी को मिला है, जिसके कारण वह लगातार देश का नेतृत्व कर रहे हैं।

विजय लक्ष्मी गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त तरीके से आम जनता तक पहुंच रही हैं।

मंत्री ने कांग्रेस शासन की आलोचना करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान पारदर्शिता का अभाव था और कई अवसरों पर मंत्रियों तथा सरकार से जुड़े लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह रिकॉर्ड बनना तय है और यह पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और उसके कार्यकर्ता इस उपलब्धि को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उनके अनुसार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है और कई राज्यों में भाजपा सरकारों ने जनकल्याणकारी नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू किया है।

उन्होंने कहा कि जनता लगातार भाजपा को अपना समर्थन दे रही है और देश के विभिन्न राज्यों में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की जा रही है। इस दौरान विजय लक्ष्मी गौतम ने पश्चिम बंगाल की राजनीति और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की स्थिति पर भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। टीएमसी की बैठकों में विधायकों और सांसदों की कम उपस्थिति तथा पार्टी नेताओं के कथित रूप से दूरी बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि जनता की सेवा और सुशासन के उद्देश्य से राजनीति में आते हैं। उनका आरोप था कि टीएमसी शासन के दौरान कई जनप्रतिनिधि स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहे थे, जिसके कारण पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ा है।

मंत्री ने कहा कि टीएमसी के कई नेता और जनप्रतिनिधि अब यह समझ चुके हैं कि राज्य की राजनीति में बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उन्होंने टीएमसी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता लंबे समय से परेशान थी और राज्य में राजनीतिक परिवर्तन की इच्छा रखती थी।

रिकॉर्ड में गड़बड़ी के आरोपों पर कविता ने किया हमला, कहा- पवन कल्याण ने खरीदी थी 10 एकड़ शिकम भूमि

हैदराबाद। तेलंगाना की राजनीति में जमीन विवाद को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। तेलंगाना जागृति की संस्थापक एवं अध्यक्ष कलवकुंतला कविता ने आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण पर शिकम भूमि खरीदने और उससे जुड़े रिकॉर्ड में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। हैदराबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कविता ने कहा कि 2014 में तेलंगाना राज्य के गठन के समय पवन कल्याण ने 10 एकड़ 'शिकम' भूमि खरीदी थी। उन्होंने दावा किया कि यह भूमि कोडिकुंटा झील के सर्वे नंबर 706 से संबंधित है, और सिंचाई विभाग ने पहले ही अपने अंतिम अधिसूचना (फाइनल नोटिफिकेशन) में स्पष्ट कर दिया था कि यह जमीन 'शिकम' श्रेणी में आती है। कविता ने आरोप लगाया कि भूमि खरीद के समय सरकारी रिकॉर्ड में तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। उनके अनुसार, पवन कल्याण की ओर से भूमि पंजीकरण के दौरान यह दर्ज कराया गया कि केवल तीन एकड़ जमीन शिकम है जबकि शेष सात एकड़ सिंचित या मगाणी भूमि है। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग के दस्तावेजों में पूरी 10 एकड़ भूमि को शिकम भूमि बताया गया है और इसके प्रमाण उनके पास मौजूद हैं। पूर्व सांसद ने दावा किया कि जब उन्होंने हाल ही में पवन कल्याण से इस मुद्दे पर बातचीत की, तो उन्होंने कथित रूप से कहा था कि यदि उनकी ओर से कोई गलती हुई है तो वह जमीन सरकार को वापस कर देंगे।

बिहार में अंतरराष्ट्रीय खेलों के लिए ओलंपिक स्तर की मिलेगी सुविधाएं : सम्राट चौधरी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय खेलों को बिहार में ओलंपिक स्तर की सुविधाएं दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में खेल को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। राज्य में विश्वस्तरीय खेल अवसंरचनाओं का निर्माण चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवा एवं प्रतिभावान खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल करने पर उन्हें जहां सम्मानित किया जा रहा है।

वहीं, 'मेडल लाओ नौकरी पाओ' योजना के तहत उन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शनिवार को खेल विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने राजगीर में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण कार्य इस साल 31 दिसंबर तक पूर्ण करने के निर्देश देते हुए पटना के डुमरी खेल परिसर में सभी खेलों के लिए अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम का निर्माण कराने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य के कुल 8053 ग्राम पंचायतों में से 4700 ग्राम पंचायतों में कुल 5266 में खेल मैदान का निर्माण पूर्ण हो गया है। शेष खेल मैदानों का निर्माण कार्य भी जल्द पूर्ण किए जाएं। मुख्यमंत्री ने पटना स्थित मोइनुल हक स्टेडियम के पुनर्विकास कार्य में तेजी लाने के लिए बीसीसीआई एवं बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए तथा मोइनुल हक स्टेडियम तक बेहतर सड़क एवं परिवहन कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर में ऐसे पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया जिनमें नवाचार, देशस्तर पर उपयोगिता एवं रोजगार की अधिक संभावनाएं हों।

मेट्टूर बांध से पानी छोड़ने में देरी की आशंका, अंबुमणि रामदास ने किसानों के लिए मांगा विशेष राहत पैकेज

चेन्नई। पट्टली मक्कल काची (पीएमके) के अध्यक्ष डॉ. अंबुमणि रामदास ने तमिलनाडु सरकार से तुरंत एक व्यापक 'कुरुवई पैकेज' की घोषणा करने और किसानों को वित्तीय व बुनियादी ढांचागत सहायता देने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि मेट्टूर बांध से पानी छोड़ने में देरी से कावेरी डेल्टा क्षेत्र में धान की खेती पर बुरा असर पड़ सकता है।

शनिवार को जारी एक बयान में अंबुमणि ने कहा कि मेट्टूर जलाशय में लगातार गिरते जल स्तर और कावेरी जलग्रहण क्षेत्रों में दक्षिण-पश्चिम मानसून की कोई खास गतिविधि न होने के कारण 12 जून को बांध से पानी छोड़े जाने की संभावना बहुत कम हो गई है। 12 जून कुरुवई खेती शुरू करने की पारंपरिक तारीख है।

हर साल, तंजावुर, तिरुवरुर, नागपट्टिनम और मयिलादुथुराई सहित 10 से ज्यादा सिंचाई वाले जिलों में धान की खेती के लिए मेट्टूर बांध से कावेरी नदी में पानी छोड़ा जाता है। हालांकि जलाशय में अभी केवल 41.60 टीएमसी पानी है और जलस्तर लगभग 79 फीट है, जो सिंचाई के लिए पानी छोड़ने के आदर्श स्तर से काफी कम है।

अंबुमणि ने कहा कि कुरुवई सीजन के दौरान लगातार पानी छोड़ने के लिए जलाशय का स्तर 90 फीट से अधिक होना चाहिए और इसमें रोजाना कम से कम 1.5 टीएमसी पानी आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बिना रुकावट सिंचाई सुनिश्चित करने के लिए जलाशय में कम से कम 12 टीएमसी अतिरिक्त भंडारण और लगभग 18,000 क्यूसेक पानी के प्रवाह की आवश्यकता होगी।

पुणे में शराबी ने किया बवाल, पुलिसकर्मियों को जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज

पुणे। शराब के नशे में एक युवक ने पुणे में पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किया और उन्हें जान से मारने की धमकी दे डाली। नशे की हालत में मर्यादा की सारी हदें पार कर देने वाले इस शराबी के खिलाफ पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

आरोपी रोहन गौतम सालवे (26) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम और महाराष्ट्र दारूबंदी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस शिकायत के अनुसार, 5 जून की रात करीब दो बजे नियंत्रण कक्ष से सूचना मिली कि टिलक रोड स्थित जयश्री होटल देर रात तक खुला है। सूचना मिलने पर दोनों पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। वहां एक युवक एक महिला से जोर-जोर से बहस कर रहा था। पूछताछ में पता चला कि युवक महिला के मोबाइल फोन से वीडियो बना रहा था। महिला ने इसका विरोध किया तो वह उससे अभद्र तरीके से बहस करने लगा। पुलिस ने युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह पुलिसकर्मियों से भी उलझ पड़ा। उसने अपना नाम रोहन गौतम सालवे और पता गुलटेकड़ी, पुणे बताया।

चंद्रबाबू नायडू ने पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को दिया संगठन मजबूत करने का संदेश

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय का दौरा किया और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कार्यकर्ताओं के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्षम नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार करना है, ताकि वे समाज और संगठन दोनों की बेहतर सेवा कर सकें।

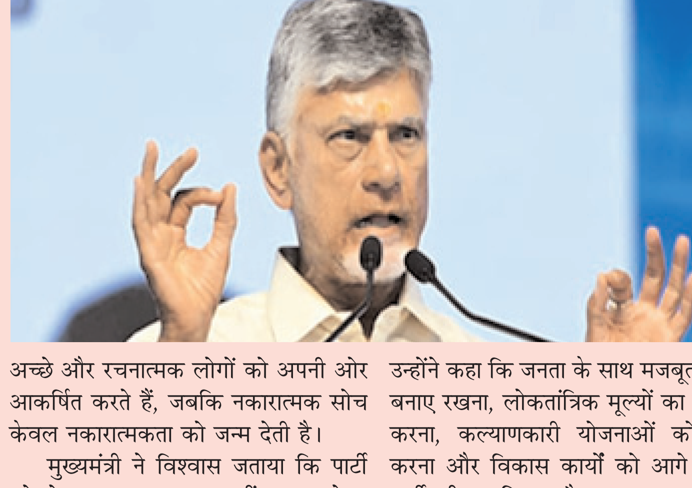

चंद्रबाबू नायडू ने कार्यकर्ताओं से कहा कि उन्हें जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए और एक जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता के रूप में आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति दृढ़ निश्चय और सकारात्मक सोच के साथ काम करता है, तो उसके लक्ष्य को पूरा करने के लिए अनुकूल परिस्थितियां अपने आप बन जाती हैं। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच रखने वाले लोग हमेशा अच्छे और रचनात्मक लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं, जबकि नकारात्मक सोच केवल नकारात्मकता को जन्म देती है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि पार्टी को दोबारा हार का सामना नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर लगातार आत्ममूल्यांकन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता के साथ मजबूत संबंध बनाए रखना, लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना, कल्याणकारी योजनाओं को लागू करना और विकास कार्यों को आगे बढ़ाना पार्टी की प्राथमिकता है।

उन्होंने बताया कि पार्टी में विभिन्न स्तरों पर लगातार जनमत सर्वेक्षण किए जा रहे हैं और नियुक्तियों से लेकर उम्मीदवारों के चयन तक के फैसले जनता तथा कार्यकर्ताओं की राय के आधार पर लिए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पार्टी और राज्य के हितों के खिलाफ काम करने वाले या गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करने वाले लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादों को सरकार चरणबद्ध तरीके से पूरा कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी घर-घर तक पहुंचाएं, ताकि लोगों को यह पता चल सके कि सरकार अपने वादों को निभा रही है।

उन्होंने मंगलगिरि क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां पार्टी ने लगातार मेहनत की और कठिन परिस्थितियों के बावजूद सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि जीत के बाद भी जनता के बीच सक्रिय रहना और

गूगल 2029 तक स्पेसएक्स को देगा 30 अरब डॉलर, एआई कंप्यूटिंग क्षमता के लिए हुआ बड़ा समझौता

नई दिल्ली । एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने कहा है कि गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट ने क्लाउड सेवाओं से जुड़े एक समझौते के तहत कंप्यूटिंग क्षमता हासिल करने के लिए हर महीने 92 करोड़ डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई है, जो अक्टूबर 2026 से जून 2029 तक चलेगा।

अमेरिका में एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, इस करार की कुल कीमत लगभग 30 अरब डॉलर बैठती है। यह राशि समझौते की पूरी अवधि के दौरान मासिक भुगतान के आधार पर तय की गई है।

स्पेसएक्स ने बताया कि इस समझौते के तहत गूगल को 1,10,000 एनवीडिया ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) के साथ-साथ सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सीपीयू), मेमोरी और अन्य संबंधित हार्डवेयर तक पहुंच प्राप्त होगी। यह क्षमता गूगल की एआई सेवाओं को मजबूत करने में मदद करेगी।

एनवीडिया के एच200 चिप्स की क्षमता के आधार पर अनुमान लगाया गया है कि यह व्यवस्था 100 मेगावाट से अधिक कंप्यूटिंग शक्ति उपलब्ध करा सकती है, जो किसी भी समय लगभग 75,000 घरों को बिजली उपलब्ध कराने के बराबर मानी जा रही है।

एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, यदि स्पेसएक्स 30 सितंबर तक एनवीडिया चिप्स तक पहुंच उपलब्ध नहीं करा पाता है, तो गूगल को समझौता समाप्त करने का कानूनी अधिकार होगा। इसके लिए एक महीने की अतिरिक्त छूट अवधि भी दी गई है।

इसके अलावा, दोनों पक्षों को 90 दिन का नोटिस देकर इस समझौते को समाप्त करने का अधिकार भी होगा।

रिपोर्ट्स के अनुसार, गूगल क्लाउड के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह समझौता कंपनी को उसकी एआई सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगा।

अल्फाबेट ने अपनी तिमाही आय रिपोर्ट में बताया कि गूगल क्लाउड का बैकलॉग, यानी ऐसे अनुबंध जिनसे अभी राजस्व नहीं मिला है, बढ़कर 460 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। यह पिछली तिमाही की तुलना में लगभग दोगुना है।

गूगल के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 'यह एक अल्पकालिक और समयानुकूल समझौता है।

स्पेस में क्यों बदल जाता है पानी का व्यवहार? आसान भाषा में समझें विज्ञान

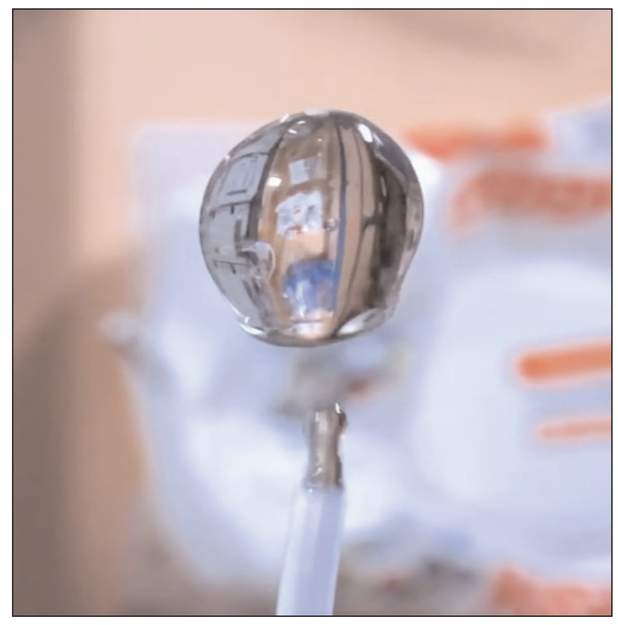

नई दिल्ली । स्पेस की दुनिया रोमांच के साथ रहस्यों से भी भरी होती है। पृथ्वी पर सामान्य दिखने वाली हर चीज वहां पर मुश्किल भरी होती है। ऐसे में स्पेस में पानी का व्यवहार क्यों बदल जाता है, इसके पीछे के विज्ञान, वैज्ञानिक प्रयोगों और माइक्रोग्रैविटी के प्रभाव को एस्ट्रोनॉट और एयरफोर्स के ऑफिसर शुभांशु शुक्ला ने आसान तरीके से समझाया है।

उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष में रहकर विज्ञान से जुड़े प्रयोग करना उनके लिए सबसे दिलचस्प अनुभवों में से एक रहा है। वहां ऐसी कई सामान्य चीजें भी अलग तरह से व्यवहार करती हैं, जिन्हें हम पृथ्वी पर रोज देखते हैं।

शुभांशु शुक्ला ने कहा कि पृथ्वी और अंतरिक्ष के बीच सबसे बड़ा अंतर गुरुत्वाकर्षण यानी ग्रैविटी का होता है। पृथ्वी पर तरल पदार्थ हमेशा नीचे की ओर रहते हैं, लेकिन अंतरिक्ष में माइक्रोग्रैविटी के कारण उनका व्यवहार पूरी तरह बदल जाता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक अंतरिक्ष में तरल पदार्थों पर विशेष अध्ययन करते हैं।

उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि पृथ्वी पर किसी फ्यूल टैंक में ईंधन नीचे की तरफ जमा रहता है, लेकिन अंतरिक्ष में ऐसा नहीं होता। वहां फ्यूल अपनी जगह पर स्थिर नहीं रहता और थोड़े से धक्के या गति के प्रभाव से टैंक के किसी भी हिस्से में पहुंच सकता है। ऐसे में जब अंतरिक्ष यान के इंजन को दोबारा शुरू करना होता है, तब ईंधन का सही स्थान पर होना बेहद जरूरी होता है। इसी वजह से अंतरिक्ष यानों के फ्यूल टैंक डिजाइन करना एक बड़ी चुनौती माना जाता है।

शुभांशु ने एक वीडियो के माध्यम से पानी के व्यवहार का प्रदर्शन भी किया। उन्होंने बताया कि माइक्रोग्रैविटी में पानी नीचे गिरने के बजाय हवा में तैरते हुए एक गोलाकार बुलबुले का रूप ले लेता है। पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण पानी को नीचे खींचता है, लेकिन अंतरिक्ष में यह प्रभाव लगभग नहीं होता, इसलिए पानी एक स्थिर गोले की तरह दिखाई देता है।

प्रयोग के दौरान उन्होंने पानी के इस बुलबुले को धीरे-धीरे घुमाकर दिखाया और बताया कि वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश करते हैं कि घूमने वाली ताकतों का तरल पदार्थों पर क्या प्रभाव पड़ता है। इस तरह के अध्ययन से अंतरिक्ष में फ्लूइड डायनामिक्स को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है।

उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष में तरल पदार्थों के व्यवहार को समझना भविष्य के लंबे अंतरिक्ष अभियानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इससे फ्यूल स्टोरेज, फ्लूइड मैनेजमेंट और अन्य जरूरी सिस्टम को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है।

खून की जांच से 5 साल पहले चल जाएगा लंग कैंसर का पता, शोध में बड़ा खुलासा

मेलबर्न । वैज्ञानिकों ने एक ऐसे नए 'ब्लड सिग्नेचर' (रक्त संकेतक) की पहचान की है, जो फेफड़ों के कैंसर के खतरे का पता पांच साल से भी अधिक समय पहले लगा सकता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह खोज भविष्य में कैंसर की जल्द पहचान और रोकथाम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

यह अध्ययन वैज्ञानिक पत्रिका सेल में प्रकाशित हुआ है। शोध के अनुसार, यह नई तकनीक उन लोगों को प्रिवेंटिव ड्रग्स के जरिए मदद कर सकती है जिन्हें लंग कैंसर होने का खतरा हो सकता है।

वाल्टर एंड एलिजा हॉल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च (डब्ल्यूईएचआई) ने इसे लेकर रिपोर्ट जारी की। जिसके मुताबिक, वैज्ञानिकों ने 48,000 से अधिक रक्त नमूनों का विश्लेषण किया। इस दौरान उन्हें 14 विशेष प्रोटीनों का एक ऐसा समूह मिला, जो अगले पांच वर्षों के भीतर फेफड़ों के कैंसर के जोखिम का संकेत दे

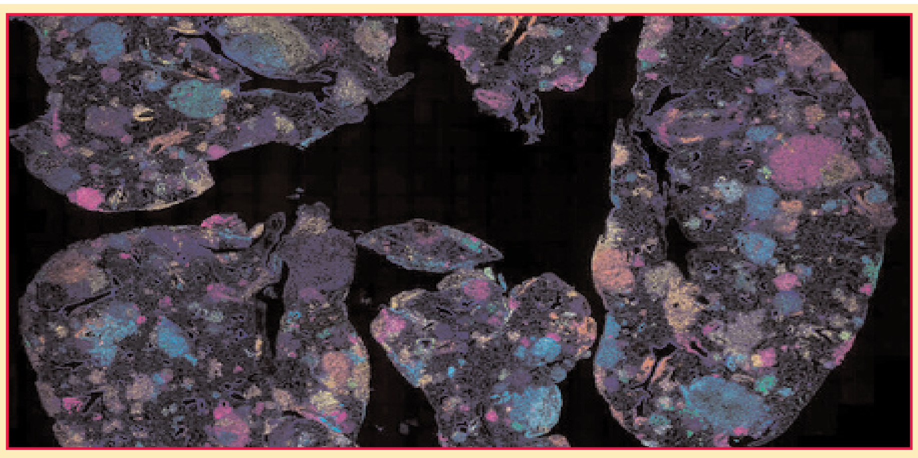

सकता है। इस खोज की पुष्टि दुनिया भर के आठ अलग-अलग डेटा सेटों में भी हुई, जिनमें धूम्रपान न करने वाले लोग भी शामिल थे।

शोधकर्ताओं का कहना है कि यह संकेतक सीधे ट्यूमर से नहीं आता, बल्कि फेफड़ों में कैंसर बनने से पहले होने वाले सूजन संबंधी बदलावों को दर्शाता है। इसका मतलब है कि बीमारी शुरू होने से पहले ही शरीर में कुछ ऐसे परिवर्तन होने लगते हैं, जिन्हें पहचानकर समय रहते उपचार किया जा सकता है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि अध्ययन के अनुसार, फेफड़ों का कैंसर आज भी दुनिया में कैंसर से होने वाली मौत का सबसे बड़ा कारण बना हुआ है। वर्तमान में स्क्रीनिंग कार्यक्रम मुख्य रूप से उन बुजुर्ग लोगों पर केंद्रित हैं, जिनका धूम्रपान का इतिहास रहा है। ऐसे में बड़ी संख्या में मरीजों में कैंसर का पता तब चलता है जब बीमारी काफी बढ़ चुकी होती है।

अध्ययन की सह-लेखिका और डब्ल्यूईएचआई की वैज्ञानिक क्लेर वीडेन ने कहा कि यह खोज ऑस्ट्रेलिया समेत दुनिया भर में अधिक प्रभावी और समावेशी कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम विकसित करने में मदद कर सकती है।

वीडेन ने अपने समय में ये रिसर्च ब्रिटेन के क्रिक इंस्टीट्यूट में किया था। उन्होंने कहा, 'ये नतीजे हमें ऐसे भविष्य के करीब ले जाते हैं, जहां कैंसर विकसित होने से पहले ही उसकी रोकथाम के लिए कदम उठाए जा सकेंगे।'

सुबह क्यों जरूरी है हेल्दी नाश्ता, थाली में क्या-क्या करें शामिल?

नई दिल्ली। आजकल मोटापा एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन गया है। व्यस्त जीवनशैली, अनियमित खानपान और जंक फूड की आदत ने लोगों को कई बीमारियों की चपेट में डाल दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को चेतावनी देते हुए बताया कि मोटापे से बचने और स्वस्थ रहने के लिए सुबह का हेल्दी नाश्ता बहुत जरूरी है। अच्छा नाश्ता न सिर्फ दिनभर की एनर्जी देता है बल्कि भूख पर नियंत्रण रखता है और अनहेल्दी स्नैक्स खाने से भी बचाता है।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, सुबह का नाश्ता छोड़ने से मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, जिससे वजन बढ़ने की संभावना ज्यादा हो जाती है। नाश्ता शरीर को जरूरी पोषण देता है और पूरे दिन एक्टिव रहने में मदद करता है। मंत्रालय का कहना है कि अगर आप फिट और एनर्जेटिक रहना चाहते हैं तो तली-भुनी और मीठी चीजों से दूर रहें।

सुबह का नाश्ता जरूरी है मगर जरूरी नहीं कि थाली में कुछ भी शामिल कर लिया जाए। ऐसे में भारत सरकार का स्वास्थ्य मंत्रालय बताता है कि सुबह के समय नाश्ते की थाली में क्या-क्या शामिल करना चाहिए?मंत्रालय ने अपील की है कि बेहतर कल के लिए आज से ही समझदारी से स्नैकिंग शुरू करें। अनहेल्दी स्नैकिंग मोटापे का प्रमुख कारण है। स्मार्ट स्नैक करके आप फिट रह सकते हैं। दिन की शुरुआत हेल्दी नाश्ते से करें, ताकि पूरे दिन ऊर्जा बनी रहे और अनावश्यक भूख न लगे।स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि छोटी-छोटी आदतें बदलने से बड़ा फर्क पड़ सकता है। रोज सुबह संतुलित नाश्ता, बीच में हेल्दी स्नैक्स और नियमित व्यायाम अपनाकर मोटापे को आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है।

नाश्ते में फाइबर, प्रोटीन और अच्छे कार्ब्स वाली चीजें रखें। ओट्स, दही, अंडा, पूरे अनाज की रोटी, सब्जियों वाला पराठा, फल, दाल-चावल का हल्का खिचड़ी या उपमा अच्छे विकल्प हैं। सुबह के नाश्ते में ताजे फल जैसे सेब, केला, संतरा या पपीता जरूर शामिल करें। ये विटामिन और फाइबर से भरपूर होते हैं जो पेट को लंबे समय तक भरा रखते हैं। दोपहर के बीच अगर भूख लगे तो अनहेल्दी स्नैक्स की जगह स्मार्ट विकल्प चुनें। चिप्स और नमकीन की जगह भुने हुए चने खाएं। मिठाइयों और पेस्ट्री की बजाय मुट्ठी भर सूखे मेवे (बादाम, अखरोट, किशमिश) लें। क्रीमी और मीठे स्नैक्स की जगह ताजा सलाद या फल का सेवन करें। ये विकल्प न सिर्फ स्वादिष्ट हैं बल्कि वजन नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं।

इबोला प्रकोप के बीच मॉरीशस ने तीन अफ्रीकी देशों से आने वाले यात्रियों की एंट्री पर लगाई रोक

पोर्ट लुई। मॉरीशस सरकार ने इबोला वायरस प्रकोप को देखते हुए एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने उन विदेशी नागरिकों के प्रवेश पर अस्थायी रोक लगा दी है जिन्होंने पिछले 21 दिनों के दौरान डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो, युगांडा या दक्षिण सुडान की यात्रा की है, वहां से होकर गुजरे हैं या वहां ठहरे हैं।

हालांकि, मॉरीशस के नागरिकों और वैध वर्क परमिट, रेजिडेंस परमिट, बिजनेस परमिट या स्टूडेंट परमिट रखने वाले विदेशी निवासियों को देश में प्रवेश की अनुमति रहेगी। लेकिन यदि उन्होंने पिछले 21 दिनों में इन तीन देशों का दौरा किया है, तो उन्हें अनिवार्य रूप से 21 दिन के क्वारंटीन में रहना होगा।

अफ्रीकन यूनियन के अनुसार, कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान में फैला इबोला संक्रमण क्षेत्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।

मॉरीशस सरकार ने यह भी कहा है कि प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट और अन्य प्रवेश बिंदुओं पर विशेष स्वास्थ्य जांच और जोखिम मूल्यांकन किया जाएगा। यदि किसी यात्री में इबोला के लक्षण पाए जाते हैं, तो उसे तुरंत अलग (आइसोलेट) कर चिकित्सकीय जांच की जाएगी।

सरकार ने जुलाई में मॉरीशस में आयोजित होने वाले 18वें यूएस-अफ्रीका बिजनेस समिट को भी फिलहाल स्थगित करने का अनुरोध किया है।

15 मई को कांगो और युगांडा में इबोला प्रकोप की आधिकारिक घोषणा की गई थी। इसके बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया।

शुक्रवार को अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन और डब्ल्यूएचओ ने पूरे अफ्रीका के लिए इबोला तैयारी और प्रतिक्रिया योजना शुरू की।

इस योजना के तहत जून से नवंबर तक के लिए 51.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि अफ्रीकी देशों को संक्रमण की पहचान, रोकथाम और त्वरित प्रतिक्रिया में सहायता मिल सके।

दोनों संस्थाओं के अनुसार, अब तक 34 स्वास्थ्यकर्मी इबोला वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 7 की मौत हो गई है, जबकि 6 लोग स्वस्थ हो चुके हैं।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि इस प्रकोप से निपटने में कई चुनौतियां सामने हैं। इनमें बुनदिबुग्यो इबोला स्ट्रेन के लिए प्रभावी चिकित्सा संसाधनों की कमी, कमजोर स्वास्थ्य ढांचा, सीमित संसाधन, लोगों की अधिक आवाजाही, असुरक्षा, विस्थापन, स्वास्थ्यकर्मियों का संक्रमित होना और गलत सूचनाओं का फैलना शामिल हैं।

इसी वजह से अफ्रीका सीडीसी और डब्ल्यूएचओ ने महाद्वीप स्तर पर समन्वित कार्रवाई तेज करने और संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए संयुक्त तैयारी एवं प्रतिक्रिया योजना लागू की है।

छोटी-छोटी बात पर गुस्सा, पूरे दिन रहता है चिड़चिड़ापन? ये योगासन देंगे मानसिक थकान से छुटकारा

नई दिल्ली। छोटी-छोटी बात पर गुस्सा आ जाना, पूरे दिन चिड़चिड़ापन बने रहना, बिना वजह तनाव महसूस होना या मानसिक थकान- ये समस्याएं आजकल आम हो गई हैं। अगर आप भी इनमें से किसी से गुजर रहे हैं और शांति चाहते हैं, तो योग आपके लिए बेहतरीन उपाय हो सकता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, हर मन:स्थिति के लिए एक योगासन उपलब्ध है जो मन को शांत करने और भावनाओं को संतुलित करने में मदद करता है। विश्व योग दिवस 2026 को अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय लोगों से

अपील कर रहा है कि वे योग को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल करें। मंत्रालय का कहना है – थोड़ा रुकिए, गहरी सांस लीजिए और खुद से जुड़िए। सही आसन चुनकर आप अपने मूड को बेहतर बना सकते हैं।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, योग सिर्फ शरीर को ही नहीं, बल्कि मन को भी स्वस्थ रखता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 पर देशभर में बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। योग एक्सपर्ट के अनुसार, अगर आप छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करते हैं या चिड़चिड़े रहते हैं तो रोज सिर्फ 10-15 मिनट इन आसनों का अभ्यास करें। गहरी सांस लेने के साथ योग करने से तनाव कम होता है, मूड अच्छा रहता है और दिनभर की नकारात्मकता दूर होती है।

वॉरियर पोज या वीरभद्रासन : – यह आसन शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की ताकत बढ़ाता है। गुस्से और तनाव की स्थिति में यह आसन आत्मविश्वास बढ़ाता है और नकारात्मक ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देता है।

फायदेमंद ही नहीं, हर उम्र के लिए मजेदार भी है योगासन, आयुष मंत्रालय ने बताया कैसे

नई दिल्ली। योग दिवस को अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। इस बीच भारत सरकार का आयुष मंत्रालय रोजाना नए योगासनों के बारे में जानकारी देते हुए इसे दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दे रहा है। इसी कड़ी में मंत्रालय ने योगासनों के महत्व को समझाते हुए बताया कि यह तन-मन के लिए फायदेमंद होने के साथ ही मजेदार भी होता है।

मंत्रालय के अनुसार, योग हर किसी के लिए है – चाहे बच्चे हो, युवा हों या बुजुर्ग। यह न सिर्फ स्वास्थ्यवर्धक है बल्कि मजेदार भी हो सकता है। आयुष मंत्रालय ने कहा कि योगासन को रोचक बनाने के लिए एनिमल पोज जैसे जानवरों की मुद्राओं को अपनाया जा सकता है। इन पोज से बच्चों को योग सीखने में मजा आता है और शरीर भी लचीला बनता है।

इसके साथ ही स्कूलों या ऑफिसों में क्लास के बीच छोटे-छोटे योगा ब्रेक लिए जा सकते हैं, जिससे थकान दूर होती है और एकाग्रता बढ़ती है। ग्रुप योगा एक्टिविटीज परिवार और दोस्तों के साथ योग करने का मजा दोगुना कर देती हैं। मंत्रालय ने 'योग क्रिएटिविटी चैलेंज' की घोषणा करते हुए बताया कि इसमें लोग अपने सबसे अनोखे और क्रिएटिव योग पोज बना सकते हैं। इन्हें फोटो या वीडियो के रूप में सोशल मीडिया पर पोस्ट भी कर सकते हैं। यह चैलेंज लोगों को योग के प्रति रचनात्मक बनाने और नई मुद्राएं आजमाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

मंत्रालय का कहना है कि जब योग मजेदार होता है तो लोग इसे लंबे समय तक जारी रखते हैं। योग एक्सपर्ट विशेष रूप से युवाओं से आग्रह करते हैं कि स्वस्थ बुढ़ापे की नींव आज से ही रखें। नियमित योग, हल्की शारीरिक गतिविधि और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने से उम्र बढ़ने के साथ भी शरीर और मन स्वस्थ रहता है। हेल्दी एजिंग की यात्रा लाइफलॉन्ग मूवमेंट और योग से शुरू होती है।

योग सिर्फ आसनों तक सीमित नहीं है। यह सांस लेने की तकनीक, ध्यान और शारीरिक जागरूकता का समूह है ।

हौसलों की उड़ान, सुमित अंतिल महान!

पेरिस पैरालंपिक 2024
गोल्ड

70.59 मीटर
का थ्रो फेंककर बनाया नया रिकॉर्ड

लगातार दो पैरालंपिक में गोल्ड जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली। 'हौसलों के तरकश में कोशिश का वो तीर जिंदा रखो, हार जाओ चाहे जिंदगी में सब कुछ, मगर फिर से जीतने की उम्मीद जिंदा रखो।' ये पंक्तियां भारत के स्टार पैरा भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल पर सटीक बैठती हैं। महज सात साल की उम्र में पिता को खोने वाले सुमित की जिंदगी एक हादसे के बाद पूरी तरह बदल गई, लेकिन अपने मजबूत इरादों और अथक मेहनत के दम पर उन्होंने लगातार दो पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। सुमित का जन्म 7 जून, 1998 को हरियाणा के सोनीपत जिले के खेवड़ा गांव में हुआ था।

सफर संघर्ष का...

- जन्म: 7 जून, 1998 खेवड़ा गांव, सोनीपत, हरियाणा
- 7 साल की उम्र में पिता को खोया, मां ने कठिन मेहनत से किया पालन-पोषण
- 12वीं में पढ़ाई के दौरान सड़क हादसे में एक पैर गंवाया
- गांव के पैरा एथलीट से प्रेरणा मिली, भाला फेंक को चुना और बनाया अपना लक्ष्य
- कड़ी मेहनत, समर्पण और अटूट हौसले से हासिल की कामयाबी

उपलब्धियों की सूची

- **टोक्यो पैरालंपिक 2020** भाला फेंक (F64) **स्वर्ण पदक** 68.55 मीटर
- **हांगझोउ एशियाई पैरा खेल 2022** **स्वर्ण पदक**
- **विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023** **स्वर्ण पदक**
- **विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024** **स्वर्ण पदक**
- **पेरिस पैरालंपिक 2024** **स्वर्ण पदक** 70.59 मीटर (नया रिकॉर्ड) और पैरालंपिक में सर्वश्रेष्ठ थ्रो

टोक्यो 2020

पेरिस 2024

मंजिलें उन्हीं को मिलती हैं,
जिनके सपनों में जान होती है,
पंखों से कुछ नहीं होता,
हौसलों से उड़ान होती है!

शतरंज के नए विश्व नायक बने भारत के प्रज्ञानंद

महेन्द्र तिवारी

वैश्विक शतरंज के इतिहास में 6 जून 2026 का यह दिन सुनहरे अक्षरों में अंकित हो चुका है। भारत के युवा और असाधारण रूप से प्रतिभाशाली खिलाड़ी रमेशबाबू प्रज्ञानंद ने दुनिया की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित शतरंज प्रतियोगिताओं में से एक नार्वे शतरंज 2026 का खिताब जीतकर पूरे खेल जगत को अचंभित कर दिया है। इस महान सफलता ने न केवल प्रज्ञानंद को वैश्विक पटल पर एक सर्वोच्च खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है, बल्कि भारतीय खेल इतिहास में भी एक नया और अभूतपूर्व अध्याय जोड़ दिया है। इस वैश्विक प्रतियोगिता का समापन बेहद रोमांचक और अत्यधिक तनावपूर्ण परिस्थितियों में हुआ, जहां प्रज्ञानंद ने अपनी मानसिक दृढ़ता, धैर्य और अद्भुत रणनीतिक कौशल का परिचय देते हुए इतिहास रच दिया। प्रतियोगिता के 10वें और अंतिम दौर में उनका सामना जर्मनी के अत्यंत सुदृढ़ खिलाड़ी विंसेंट कीमर से था। यह मुकाबला दोनों ही खिलाड़ियों के लिए जीवन का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ साबित होने वाला था, क्योंकि इस अंतिम बाजी के परिणाम पर ही पूरे वर्ष की कठोर मेहनत और इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का भाग्य पूरी तरह निर्भर कर रहा था। दबाव की इस अभूतपूर्व स्थिति में भी प्रज्ञानंद ने अपने मस्तिष्क को शांत रखा, अत्यंत सधी हुई चालें चलीं और विरोधी खिलाड़ी की रणनीतिक कमजोरियों का सटीक आकलन करते हुए उन्हें परास्त कर दिया। उनकी इस शानदार जीत ने पूरी दुनिया के सामने यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय युवा खिलाड़ी अब वैश्विक मंच पर किसी भी चुनौती का सामना करने और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विचारकों को मात देने के लिए पूरी तरह सक्षम हैं।

नार्वे में आयोजित होने वाली यह वार्षिक शतरंज प्रतियोगिता अपनी अत्यधिक जटिल संरचना और दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों की भागीदारी के लिए विख्यात है। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत कुल 10 चक्र खेले गए, जिसमें प्रत्येक स्तर पर खिलाड़ियों की बुद्धिमत्ता, तत्परता और मानसिक सहनशक्ति की कड़ी परीक्षा हुई। प्रज्ञानंद ने इस पूरी यात्रा के दौरान अत्यंत संतुलित और परिपक्व खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने न केवल पारंपरिक बाजियों में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की, बल्कि समय की भारी कमी वाली परिस्थितियों में भी अपने नियंत्रण को खोने नहीं दिया। जब यह प्रतियोगिता अपने अंतिम चरणों में पहुंच रही थी, तब अंक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लिए विभिन्न देशों के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला बेहद कड़ा और अनिश्चित हो गया था। ऐसी स्थिति में अंतिम दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर के खिलाफ प्रज्ञानंद की इस निर्णायक जीत ने उन्हें प्रतियोगिता की अंतिम तालिका में सबसे उच्च स्थान पर पहुंचा दिया और उन्हें इस वर्ष का निर्विवाद विजेता बना दिया। यह विजय इसलिए भी अत्यंत विशेष मानी जा रही है क्योंकि इस प्रतियोगिता में विश्व के कई पूर्व और वर्तमान सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी हिस्सा ले रहे थे, जो वर्षों से इस बौद्धिक खेल पर अपना आधिपत्य जमाए हुए हैं। ऐसे स्थापित दिग्गजों के बीच रहकर 10 चक्रों की लंबी अवधि तक अपने प्रदर्शन के स्तर को लगातार उत्कृष्ट बनाए रखना और अंततः शीर्ष स्थान हासिल करना उनकी असाधारण मानसिक क्षमता को प्रदर्शित करता है।

प्रज्ञानंद की इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे उनकी वर्षों की कठिन साधना, निरंतर अभ्यास और शतरंज के प्रति अटूट समर्पण की भावना छिपी है। बहुत ही कम आयु में उन्होंने शतरंज की दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बना ली थी, जब वे केवल 10 वर्ष की आयु में अंतरराष्ट्रीय मास्टर बने थे और उसके बाद केवल 12 वर्ष की आयु में उन्होंने ग्रैंडमास्टर जैसी सर्वोच्च उपाधि प्राप्त कर ली थी। उनके इस शुरुआती सफर ने ही दुनिया भर के खेल विश्लेषकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया था। समय के साथ उनके खेल में अत्यधिक गहराई और परिपक्वता आती गई, और उन्होंने अपनी रक्षात्मक तथा आक्रामक शैलियों के बीच एक बेहतरीन सामंजस्य स्थापित करना सीख लिया। नार्वे की इस ऐतिहासिक धरती पर, जहां सामान्यतः स्थानीय यूरोपीय खिलाड़ियों और दुनिया के अन्य चुनिंदा मस्तिष्कों का ही वर्चस्व रहता आया है, वहां एक भारतीय युवा का इस प्रकार उभरना और पूरी प्रतियोगिता के रुख को अपने नियंत्रण में ले लेना उनकी असाधारण नैसर्गिक प्रतिभा का सबसे बड़ा प्रमाण है। इस जीत के साथ ही प्रज्ञानंद की वैश्विक वरीयता और उनके अंतरराष्ट्रीय अंकों में भी ऐतिहासिक सुधार दर्ज किया गया है।

अंडर-18 विमेंस एशिया कपः भारतीय महिला टीम ने ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा, कोरिया को 3-0 से दी मात

नई दिल्ली। भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने शनिवार को जापान के काकामिगाहारा में विमेंस अंडर-18 एशिया कप 2026 में ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया। भारतीय टीम ने ब्रॉन्ज मेडल के लिए हुए मुकाबले में कोरियार को 3-0 से हराया।

संदीपा कुमारी (2वें मिनट), कैप्टन स्वीटी कुजूर (16वें मिनट) और नौशीन नाज (33वें मिनट) के गोल की मदद से भारत ने शानदार पोडियम फिनिश के साथ अपने कैंपेन का अंत किया। सेमीफाइनल में चीन के खिलाफ शूटआउट में मिली करीबी हार से वापसी करने के इरादे से उतरी भातरीय टीम ने शानदार शुरुआत की और पहले दो मिनट में ही बढ़त बना ली। संदीपा कुमारी (2वें मिनट) ने गोल के सामने शानदार संयम दिखाया और बेहतरीन फिनिश करते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। भारत ने गेंद पर दबदबा बनाए रखा और अटैकिंग सर्कल में मौके बनाए। टीम को सफलता मैच के 16वें मिनट में मिली, जब कप्तान स्वीटी कुजूर (16वें मिनट) ने फील्ड गोल करके दूसरे क्वार्टर में भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। दो गोल की आसान बढ़त के साथ ही भारत ने ब्रेक के बाद भी कंट्रोल बनाए रखा और 33वें मिनट में अपनी बढ़त और 3-0 कर दी। टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर, नौशीन नाज (33वें मिनट), ने एक जबरदस्त फील्ड गोल करके स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराया।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2026: मीनाक्षी और दीपक करेंगे टूर्नामेंट के स्टेज 2 में भारतीय टीम का नेतृत्व

नई दिल्ली। विश्व की नंबर एक महिला मुक्केबाज मीनाक्षी और अनुभवी मुक्केबाज दीपक 15 जून से 21 जून तक चीन के गुइयांग में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2026 (स्टेज 2) में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे।

भारत इस इवेंट में पिछले वर्ल्ड कप साइकिल में सफल प्रदर्शन के बाद उतर रहा है, जिसमें उन्होंने अलग-अलग स्टेज में कई मेडल जीते थे और फाइनल में कुल मिलाकर शानदार प्रदर्शन किया था। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने एक मजबूत भारतीय टीम का ऐलान किया है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ कई युवा और उभरते हुए बॉक्सरों को भी शामिल किया गया है। विश्व रैंकिंग के अनुसार, टॉप-10 मुक्केबाजों की संख्या के मामले में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है। महिला वर्ग में भारत दूसरे और पुरुष वर्ग में चौथे स्थान पर है।

सबसे बड़ी उपलब्धि महिला मुक्केबाजों की है। दुनिया के टॉप-3 खिलाड़ियों में शामिल भारतीय महिला मुक्केबाजों की संख्या सबसे अधिक है, जिसके कारण भारत इस श्रेणी में दुनिया में पहले स्थान पर है। यह उपलब्धि दिखाती है कि भारतीय मुक्केबाज, खासकर महिला खिलाड़ी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही हैं और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में अपनी जगह बना रही हैं। इससे यह भी साबित होता है कि भारत की मुक्केबाजी टीम विश्व स्तर पर मजबूत दावेदार बन चुकी है। यह टूर्नामेंट भारतीय मुक्केबाजों को कीमती रैंकिंग पॉइंट्स कमाने और इस जरूरी प्रतिस्पर्धी सीजन के दौरान अपनी रफ्तार बनाए रखने का एक अहम मौका देगा।

स्क्वाड के बारे में बात करते हुए बीएफआई प्रेसिडेंट अजय सिंह ने कहा, 'वर्ल्ड बॉक्सिंग कप हमारे एथलीट्स के लिए टॉप इंटरनेशनल प्रतियोगिता के खिलाफ खुद को परखने का एक अहम प्लेटफॉर्म है। हमने जो सिस्टम और स्ट्रक्चर बनाए हैं, वे अब लगातार नतीजों में बदल रहे हैं, जिसमें सभी वेट कैटेगरी में मजबूत प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। हम पहले जैसी गहराई देख रहे हैं, और यह निरंतरता भारत को दुनिया के लीडिंग बॉक्सिंग देशों में से एक के तौर पर खुद को बनाने में मदद कर रही है।'

महिला डिवीजन में मीनाक्षी (51 किलोग्राम) पूनम (54 किलोग्राम), प्राची (57 किलोग्राम), और माही लामा (60 किलोग्राम) के साथ एक टैलेंटेड ग्रुप की अगुवाई कर रही हैं। टीम को स्नेह (65 किलोग्राम), गीतिमोनी जी (70 किलोग्राम), सनमाचा सी (75 किलोग्राम), नैना (80 किलोग्राम), और अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (+80 किलोग्राम) ने और मजबूत किया है। पुरुषों की टीम में, दीपक (70 किलोग्राम) अगुवाई करते नजर आएंगे, जिन्हें ऋषि एस (50 किलोग्राम), निखिल (55 किलोग्राम), और अनमोल (60 किलोग्राम) का साथ मिला है।

भारतीय टीम में चुने जाने पर इरफान ने वैभव को दीं शुभकामनाएं, कहा- 'आपका इंटरनेशनल करियर सबसे लंबा हो'

नई दिल्ली। आयरलैंड, इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टी20 टीम का ऐलान कर दिया गया है। श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया का नया टी20 कप्तान बनाया गया है। वहीं, आईपीएल 2026 में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से धमाल मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी को पहली बार भारतीय टीम में जगह दी गई है। भारत के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने अय्यर और वैभव को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

पठान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर श्रेयस अय्यर को नया टी20 कप्तान बनने पर बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'भारतीय टीम का कप्तान बनाए जाने पर श्रेयस अय्यर को बधाई। उम्मीद करते हैं कि आप भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे।' अय्यर को सूर्यकुमार यादव की जगह पर कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि, श्रेयस लंबे समय से भारतीय टी20 टीम से बाहर चल रहे थे। उन्होंने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला 3 दिसंबर, 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। हालांकि, आईपीएल में अय्यर बल्ले और कप्तानी दोनों में शानदार प्रदर्शन की वजह से चर्चा का विषय बने हुए थे।

जर्मनी को लगा बड़ा झटका, लेनार्ट कार्ल चोट की वजह से फीफा वर्ल्ड कप 2026 से हुए बाहर

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत से ठीक पहले जर्मनी को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा अटैकिंग मिडफील्डर लेनार्ट कार्ल चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

कोच जूलियन नैगल्समैन ने शनिवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि कार्ल को जांघ में यह चोट अमेरिका में ट्रेनिंग के दौरान लगी। 18 साल के इस खिलाड़ी को शुक्रवार को शिकागो में एक ट्रेनिंग सेशन के दौरान बाईं जांघ की मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। इसके बाद उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया। कार्ल की जगह जर्मनी की वर्ल्ड कप टीम में असन ओएड्राओगो लेंगे।

कोच ने कहा कि उन्हें कार्ल के लिए बहुत दुख है। उन्होंने बताया कि कार्ल ने अपने सकारात्मक स्वभाव, रचनात्मक खेल, तेज गति और मजबूत व्यक्तित्व के दम पर टीम में अपनी खास जगह बना ली थी। कार्ल का टीम से बाहर होना जर्मनी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि उन्होंने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। युवा मिडफील्डर ने अपने खेल से यूरोप के सबसे होनहार खिलाड़ियों में जगह बनाई और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा।

कार्ल ने बायर्न म्यूनिख के लिए पूरे सीजन में अहम भूमिका निभाई। उनकी शानदार फॉर्म की बदौलत टीम ने घरेलू डबल खिताब जीता और यूईएफए चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। मिडफील्ड में उनकी ऊर्जा, रचनात्मकता और मैच को नियंत्रित करने की क्षमता ने उन्हें टीम का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना दिया था। यही वजह रही कि उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उन्हें जर्मनी की वर्ल्ड कप योजनाओं में भी शामिल किया गया था। जर्मनी ने कार्ल के रिप्लेसमेंट के तौर पर ओएड्राओगो को चुना है। नेगल्समैन ने युवा खिलाड़ी को बड़े मंच पर इस मौके का फायदा उठाने के लिए हिम्मत दी। नेगल्समैन ने कहा, 'असान ओएड्राओगो के साथ हमें एक ऐसा खिलाड़ी मिल रहा है, जिसने कार्ल की तरह ही हमारे साथ शानदार शुरुआत की थी।

वह बहुत टैलेंटेड भी हैं और यहां हिम्मत और आजादी से खेलने के लिए बने हैं।'

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के वॉर्म-अप मुकाबलों में खेल सकते हैं लियोनेल मेसीः कोच स्कालोनी

नई दिल्ली । डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना की टीम को वर्ल्ड कप से पहले बड़ी राहत मिल सकती है। टीम के कप्तान लियोनेल मेसी तेजी से चोट से उबर रहे हैं और संभावना है कि वे अमेरिका में होने वाले दो वार्म-अप मुकाबलों में से किसी एक में मैदान पर उतर सकते हैं।

अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने शुक्रवार को बताया कि मेसी की बाईं हैमस्ट्रिंग में हुआ दर्द अब काफी बेहतर हो रहा है। उन्होंने कहा कि मेसी धीरे-धीरे टीम के साथ ट्रेनिंग में लौट रहे हैं। स्कालोनी के अनुसार, मेसी को होंडुरास के खिलाफ शनिवार को होने वाले मैच या फिर मंगलवार को आइसलैंड के खिलाफ मैच में कुछ मिनट खेलने का मौका मिल सकता है।

कोच ने बताया, 'मेसी तेजी से रिकवर हो रहे हैं। उन्होंने टीम के साथ ट्रेनिंग सेशन के दौरान हिस्सा लिया, जो एक अच्छा संकेत है। वह फ्रेंडली मुकाबलों में खेल सकते हैं, लेकिन हम यह तय करेंगे कि वह किस मैच में उतरेंगे।' 38 साल के मेसी को 24 मई को अपने क्लब इंटर मियामी सीएफ के लिए खेलते समय चोट लगी थी। इसके बाद से उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। हालांकि, इस सीजन में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है, जहां उन्होंने 14 मुकाबलों में 12 गोल और 8 असिस्ट किए।

साल 2022 में कतर में खेले गए फीफा वर्ल्ड कप में मेसी ने अर्जेंटीना को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इस टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करते हुए गोल्डन बॉल जीती थी। फीफा विश्व कप 2026 में अपने खिताब का बचाव करने उतरने जा रही अर्जेंटीना टीम को अपने स्टार खिलाड़ी से एक बार फिर शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

अंतरराष्ट्रीय करियर की बात करें तो मेसी ने अब तक 198 मुकाबलों में 116 गोल किए हैं। वह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। मेसी ने अब तक सबसे ज्यादा 26 वर्ल्ड कप मैच खेले हैं, जो एक रिकॉर्ड है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415